@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 28 मई 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 197 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मणिपुर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जुटाया धन

नई दिल्ली, 27 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में उग्रवादियों को अवैध हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक की तस्करी और आपूर्ति से संबंधित एक मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपियों ने मणिपुर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए धन जुटाया। वे यह जानते थे कि इन हथियारों का इस्तेमाल, मणिपुर में आतंकी गतिविधियों और जातीय हिंसा में होना था। अवैध हथियार खरीदने के लिए डीलरशिप का दुरुपयोग किया गया। तीनों आरोपियों की पहचान वनलालदैलोवा, लालमुआनपुइया और लालरिंचुंगा उर्फ अल्बर्ट के रूप में हुई है। ये तीनों आरोपी मिजोरम के रहने वाले हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा उनके आवासों पर तलाशी के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त किए जाने के बाद 6 दिसंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया था। एनआईए की जांच से पता चला है कि तीनों आरोपियों ने उग्रवादी समूहों को हथियार वितरित करके मणिपुर में आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने और जातीय हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह जानते हुए भी धन जुटाया था कि आय का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के लिए हथियार खरीदने में किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय अखंडता को खतरा होगा। लाइसेंस प्राप्त हथियार और गोला-बारूद डीलर (मेसर्स इजराइल आर्म्स एंड एम्युनिशन, सेरछिप) वनलालडेलोवा ने मिजोरम के दो अन्य सह-आरोपियों लालंगईहावमा और लालमुआनावमा के साथ मिलकर सीमा पार और मणिपुर में आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए अवैध रूप से हथियार खरीदने और आपूर्ति करने की साजिश रची थी। एनआईए की जांच के अनुसार, उसने ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपनी डीलरशिप का दुरुपयोग किया था। लालमुआनपुइया और लालरिंचुंगा ने उग्रवादियों के इस्तेमाल के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की खरीद और डिलीवरी की सुविधा देकर इस अवैध नेटवर्क में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

पाकिस्तान सीधी लड़ाई नहीं जीत सकता, इसलिए आतंकी भेज रहा: पीएम मोदी

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

गांधी नगर, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे का आज दूसरा दिन है। उन्होंने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवादियों पर करारा हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहराता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं है, हिंदुस्तान के कोने-कोने में है, हर हिंदुस्तानी के दिल में है। यह देखने लायक दृश्य था, यह अविस्मरणीय दृश्य था... पीएम मोदी ने कहा कि शरीर चाहे कितना भी मजबूत या स्वस्थ क्यों न हो, एक भी कांटा लगातार दर्द दे सकता है। इसलिए हमने तय किया है कि कांटा निकालना ही होगा। 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थीं जंजीरें, लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया। अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती, तो 75 साल से चला आ रहा ये आतंकी घटनाओं का सिलसिला देखने को नहीं मिलता। सरदार पटेल चाहते थे कि जब तक पीओके हमें वापस न मिल जाए, सेना वापस नहीं आनी चाहिए, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। उन्होंने कहा कि ये मुजाहिद्दीन के मुंह में खून लग गया था। ये सिलसिला 75 सालों से चल रहा है। पहलगाम में भी उसी का विकृत रूप था। 75 साल तक हम इसे झेलते रहे। पाकिस्तान के साथ जब-जब युद्ध की नौबत आई, हर बार भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान के धूल चटा दी। पाकिस्तान समझ गया कि लड़ाई में वह भारत से जीत नहीं सकता। इसीलिए उसने प्रॉक्सी वॉर का सहारा लिया। उसने आतंकी तैयार करने शुरू किए। उन्हें भारत भेजने लगा। हम जब उनके आतंकियों को घर में घुसकर मारते हैं तो वे सम्मान के साथ दहशतगर्दों को विदाई देते हैं। उन्होंने कहा कि जब आतंकवाद के 9 ठिकानों को तय करके 22 मिनट में ध्वस्त कर दिया, तब सबकुछ कैमरे के सामने किया गया। ऐसा इसलिए कि यहां कोई सबूत न मांगने लगे। अब हमें सबूत नहीं देना पड़ा रहा है। सामने वाला खुद ही सबूत पर सबूत दे रहा है। 6 मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया। ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्रॉक्सी वॉर नहीं है, ये पाकिस्तान की सोची-समझी युद्ध की रणनीति है। आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा देश महान संस्कृति परंपरा को लेकर चला है। वसुधैव कुटुंबकम हमारा संस्कार है। हमारी रग-रग में है। हमारा चरित्र है। हमने इसे जिया है। वे भी सुख- चैन से जीएं और हमें भी जीने दें।

तथ्य तो तथ्य हैं और आपकी पसंद के कारण गायब नहीं होंगे: पवन खेड़ा

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 27 मई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार पर सवालों की झड़ी लगा दी है। मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने पंडित नेहरू द्वारा कही गई बात का उल्लेख करते हुए कहा, तथ्य तो तथ्य हैं और आपकी पसंद के कारण गायब नहीं होंगे। भाजपा के नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, तथ्य यह है कि कांग्रेस देश के साथ खड़ी थी, जबकि भाजपा अपने लिए खड़ी थी। बतौर पवन खेड़ा, मोदी सरकार की विध्वंसकारी विदेश नीति और युद्ध विराम के बाद की कहानी के हालिया नतीजे अब भारत में भी देखे जा रहे हैं। 1. कुवैत में 10 लाख से ज़्यादा भारतीय नागरिक काम कर रहे

हैं। कुवैत की कुल आबादी में भारतीय 21त्न और कुल कार्यबल में 30त्न हैं। आज, कुवैत ने पाकिस्तानी नागरिकों को वीज़ा जारी करना फिर से शुरू कर दिया है। खेड़ा ने कहा, गल्फ न्यूज के अनुसार, कुवैत और पाकिस्तान मज़दूरों की आवाजाही और सहयोग को और बेहतर बनाने के लिए श्रम समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के अंतिम चरण में हैं। इसलिए दुनिया की नज़रों में अब भारत और पाकिस्तान एक दूसरे से अलग हो गए हैं। 2. इसी तरह, मोदी सरकार की किसी भी विदेश नीति की कमी की वजह से, पाकिस्तान अब यूएई की 5-वर्षीय मल्टीपल-एंट्री टूरिस्ट वीज़ा सूची में भारत के साथ शामिल हो गया है। पहले ऐसा नहीं था। पहले, सुरक्षा चिंताओं के कारण यूएई की यात्रा करने वाले सभी पाकिस्तानियों को पुलिस सत्यापन से गुजरना पड़ता था। लेकिन दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्ट देश में एक राष्ट्र को देख रही है। वैश्विक आतंक का कारखाना अब अछूत नहीं रहा। न ही यह एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में है। डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार के प्रयासों के कारण, पाकिस्तान को 2008 में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में शामिल किया गया था। यह भाजपा की विफल विदेश नीति और कांग्रेस पार्टी की विदेश नीति के बीच का अंतर है जिसने पाकिस्तान को अलग-थलग कर दिया। भाजपा अपने बारे में है, कांग्रेस देश के बारे में है। भारत आतंक का शिकार है और पाकिस्तान आतंक का अपराधी है। वे एक साथ नहीं चल सकते, लेकिन इस जोड़ को खारिज करने के बजाय, भाजपा नेता राजनीति कर रहे हैं। 3. पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद की घटनाओं पर कांग्रेस और भाजपा की प्रतिक्रिया में नीयत, इरादे और ईमानदारी का बुनियादी अंतर है। जहां भाजपा ने हमारे सशस्त्र बलों की वीरता की आड़ में राजनीति की और उनके नेताओं ने उनका अपमान किया, वहीं कांग्रेस पार्टी हमारे सशस्त्र बलों के साथ और राष्ट्रीय हित में मजबूती से खड़ी रही।

हमें एकजुट होने और स्वदेशी ताकत की जरूरत: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, 27 मई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कह हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों के अलावा लोगों से भी आती है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एम एल राजा को एक साल के लिए डॉ एस राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ. एस राधाकृष्णन चेयर की स्थापना 2009 में राज्य सभा द्वारा भारत में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। इस चेयर की शुरुआत प्रथम उपराष्ट्रपति के नाम पर हुई। जो बाद में राष्ट्रपति बने।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ड्रेनों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 27 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके। इसके अतिरिक्त, फील्ड में कार्यरत सभी अधीक्षण अभियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई सही तरह से की जाए। मुख्यमंत्री आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी। बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जलभराव के कारणों की पहचान करने तथा स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लक्षित योजनाएं बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने टांगरी और मारकंडा नदियों में गाद निकालने के काम की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान बताया गया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मानसून के दौरान जल भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना लिंक नहरों के मौजूदा चैनलों का उपयोग करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 1200 जोड़े बंधे विवाह के पवित्र बंधन में

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

गोरखपुर, 27 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी सरकार ने सामूहिक विवाह योजना में प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपये से ब ?ाकर एक लाख रुपये कर दिया है और बड़ी हुई धनराशि के साथ आज यह पहला आयोजन था। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे ब ?ाने का ही एक अभियान है। यह कार्यक्रम बेटी बचाओ-बेटी प ?ाओ योजना की अगली कड़ी है। यह बाल विवाह, बहुविवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक रू ?ियों पर भी प्रहार है। सीएम योगी ने कहा कि बेटी को बचाना है तो उसे पढ़ाना होगा, उसको सशक्त बनाना होगा। बेटी को आगे ब ?ाने के लिए हमें सभी व्यवस्थाएंकरनी पड़ेगी। इस योजना के तहत प्रदेश के साधनहीन और वंचित परिवारों की लगभग 24 लाख बालिकाओं को जन्म से लेकर स्नातक की शिक्षा के लिए 25 हजार की धनराशि दी जा रही है। सीएम ने बताया कि बेटी के जन्म के बाद रजिस्ट्रेशन करते ही एक निश्चित धनराशि उसके खाते में डाल दी जाती है। बेटी के 1 वर्ष होने पर एवं सभी टीका से आच्छादित होने पर भी एक निश्चित धनराशि दी जाती है। इसके बाद बेटी को कक्षा 1, कक्षा 6 एवं कक्षा 9 में प्रवेश करने के बाद और उसके आगे आईटीआई, डिप्लोमा या अन्य कोर्स में प्रवेश लेने पर एक निश्चित धनराशि खाते में भेजी जाती है। आज यह धनराशि बेटी की सुरक्षा का संबल बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कन्या सुमंगला योजना में शिक्षा के लिए उचित व्यवस्था के बाद बेटी की शादी के लिए सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलायी गयी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार गरीब कन्या का विवाह कराने का भी कार्य कर रही है। इस सामूहिक विवाह में मुख्यमंत्री के साथ विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण भी सम्मिलित होते है। उन्होंने कहा कि मुझे भी इस कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए हैं, जो बाल विवाह, दहेज प्रथा व बहुविवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति दिलाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस योजना में जाति, मत, मजहब एवं क्षेत्र के बंधन से मुक्त होकर सभी अपनी रीति-रिवाज के अनुसार रजिस्ट्रेशन कर सामूहिक विवाह में शामिल हो सकते है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 2017 में शुरू की गयी थी तब इसकी राशि 35 हजार थी बाद में इसे ब ?ाकर 51 हजार एवं 1 अप्रैल 2025 से इस धनराशि को ब ?ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया है। इसमें 60 हजार रुपये बेटी के खाते में जमा होंगे। शेष धनराशि गृहस्थी के सामान, कन्या के जेवर एवं भोजन व अन्य व्यवस्थाओं में व्यय किया जायेगा। सरकार यह कार्य दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को तिलांजलि देकर प्रत्येक गरीब के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए कर रही है। नवयुगलों के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर एक परिवार को सशक्त एवं समर्थ बनाने के लिए विकास प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी।

अगर पाकिस्तान ने फिर हमला किया तो उसका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा: दिलीप घोष

पश्चिम मेदिनीपुर, 27 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने मंगलवार को पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अगर उसने दोबारा भारत पर हमला किया, तो उसका नामो-निशान मिट जाएगा। घोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना की कार्रवाई सटीक और प्रभावशाली रही है। उन्होंने विपक्ष से भी देश के हित में बोलने की अपील की। उन्होंने कहा, विपक्ष को भी समझना चाहिए कि देश अब ऐसे हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्हें देश के पक्ष में बोलना चाहिए। आतंकियों ने महिलाओं की मांग का सिंदूर देखकर हमला किया... इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर हुआ... अगर वे दोबारा हमला करेंगे, तो उनका अंत तय है। घोष ने आगे कहा, अब पाकिस्तान को समझ में आ गया है... जिस तरह से भारत ने पीएम मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान पर हमला किया, अगर वे वही गलती दोहराएंगे, तो उन्हें केवल गोलियां और मिसाइलें ही मिलेंगी। उनकी कमर तोड़ दी गई है। अब उन्हें समझ जाना चाहिए कि वे दुनिया से अलग-थलग पड़ चुके हैं।

नर्सों की भर्ती में कोरोना वारियर्स को प्राथमिकता देगी सरकार: सीएम सुक्खू

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

शिमला, 27 मई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार शाम को आईजीएमसी शिमला व अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशिलिटी, चमियाणा के फैकल्टी सदस्यों के साथ संवाद करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालयों के विभिन्न विभाग प्रमुखों ने अपनी प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष के भीतर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 20 वर्षों से अधिक पुरानी मशीनों और उपकरणों को बदला जाएगा। सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल चमियाणा व टांडा मेडिकल कॉलेज में दो माह के भीतर रोबोटिक सर्जरी की सुविधा को आरंभ कर दिया जाएगा। सभी मेडिकल कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से थ्री टेस्ला एमआरआई मशीनें भी स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कोई विशेष ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण मरीजों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना प ? रहा है। वर्तमान सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार को प्राथमिकता दी है और मेडिकल टेक्नोलोजी पर 1350 करो ? रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल की प ?ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल बनाने को सरकार धन उपलब्ध करवाएगी और मरीजों के साथ-साथ स्टाफ के लिए भी पार्किंग सुविधा को सुदृ ? किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न खाली पदों को भरने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार डॉक्टरों के पदों को भर रही है और नर्सों की भर्ती में कोरोना महामारी के समय काम करने वाली नर्सों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ टेक्नीशियन की भर्ती भी की जा रही है। हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डॉक्टर-मरीज अनुपात तथा नर्स-मरीज अनुपात को सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि उन्हें काम के लिए बेहतर वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के प्रीमियम स्वास्थ्य संस्थान मात्र रेफरल स्वास्थ्य संस्थान बनकर रह गए हैं, इसलिए इनमें व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आईजीएमसी शिमला में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए राज्य सरकार ने 100 करो ? रुपये खर्च किए हैं और आने वाले समय में इसे बेहतर बनाने के लिए 200 करो ? रुपये और प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने के कारण हिमाचल प्रदेश पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन राज्य सरकार इसके बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीज हमेशा ठीक होने की उम्मीद लेकर अस्पताल आते हैं, ऐसे में अगर डॉक्टर अच्छे ढंग से उनसे बात करें तो उनकी तकलीफ कम हो जाएगी। डॉक्टरों को अपने व्यवहार में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल (डॉ.) धनी राम शांडिल ने कहा कि इस तरह के संवाद कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में महत्वपूर्ण होते हैं। सभी मेडिकल प्रोफेशनल राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर काम कर रहे हैं और इसे अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रयास जारी रहने चाहिए।

31 मई तक जारी होगी नई शिक्षक भर्ती की अधिसूचना: सीएम ममता बनर्जी

कौमी पत्रिका
नसीरउद्दीन

कोलकाता, 27 मई। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) शिक्षक भर्ती विवाद के बीच सीएम ममता बनर्जी ने बड़ा एलान किया है। सीएम ने कहा कि नई शिक्षक भर्ती की अधिसूचना 31 मई तक जारी की जाएगी। इसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नौकरी गंवाने वालों को आयु सीमा में छूट मिलेगी। नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों को नई भर्ती प्रक्रिया में अनुभव का लाभ मिलेगा। वहीं शिक्षकों की नौकरियों की रक्षा के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। साथ ही नई भर्ती प्रक्रिया भी शुरू करेंगे। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हमने एसएससी फैसले के मामले में सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है। इस समय सुप्रीम कोर्ट में गर्मी की छुट्टियां हैं। सीजेआई के पिछले आदेश का पालन किया जाना चाहिए। अगर हम इसका पालन नहीं करते हैं तो यह कोर्ट की अवमानना होगी। अगर समीक्षा याचिका के दौरान सुप्रीम कोर्ट कहता है कि नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के लिए परीक्षा की जरूरत नहीं है तो हम उसका पालन करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करने के लिए 31 मई की समयसीमा तय कर दी है। हमारे हाथ बंधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से समीक्षा याचिका पर सुनवाई का इंतजार कर रहे थे। हम नहीं चाहते कि किसी की नौकरी जाए। लेकिन अब चूंकि समीक्षा याचिका लंबित है, इसलिए हम 31 मई तक नई भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर रहे हैं। हम कानून का पालन कर रहे हैं और समीक्षा याचिका के रूप में एक विकल्प खुला रख रहे हैं। हम 30 मई को एक विज्ञापन जारी करेंगे। सरकारी स्कूलों में 24,203 रिक्त पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किए जाएंगे। कक्षा 9 और 10 के शिक्षकों के लिए 11,517, ग्रुप सी के लिए 551 और ग्रुप डी के लिए 1000 अतिरिक्त पद सृजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नई भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 जून से शुरू होंगे। यह 14 जुलाई तक जारी रहेगा और पैनल 15 नवंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बनर्जी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य नवंबर के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी करना है। उन्होंने कहा कि यदि हमें समीक्षा याचिका में कोई परिणाम नहीं मिलता है तो इस बीच लिखित परीक्षा, जांच, चुनौती, परिणाम प्रकाशन और साक्षात्कार पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों से कहा कि आपके लिए यह कहना सही नहीं होगा कि आप इसमें हिस्सा नहीं लेंगे, तो आपको नौकरी नहीं मिलेगी। यह हमारा आदेश नहीं है। इसके पीछे कुछ स्वार्थी लोग हैं। सरकार अदालत नहीं गई। परीक्षाओं

इजराइल ने गाजा में हमास के साथ नए युद्ध विराम प्रस्ताव को खारिज किया

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा में फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के साथ बंधकों के बदले युद्ध विराम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। इजराइल के इस आक्रामक रुख से अमेरिका को तगड़ा झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से यह नया प्रस्ताव इजराइल के सामने रखा गया था। इजराइल के प्रमुख न्यूज पोर्टल वाईनेट और अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबरों के अनुसार इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने नए प्रस्तावित बंधक-युद्ध विराम समझौते को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और फिलिस्तीनी मध्यस्थों के माध्यम से यह प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इसकी शर्तों को स्वीकार करना असंभव है। ऐसी शर्तें इजराइल के उद्देश्य और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने की रणनीति को कमजोर कर देंगी। ऐसी शर्तों को स्वीकार करने का मतलब हमास के समक्ष आत्मसमर्पण करने जैसा होगा। इस अधिकारी ने कहा कि फिलिस्तीनी-अमेरिकी व्यवसायी बशारा बहबाह ने रातों-रात इस तरह के प्रस्ताव की रूपरेखा अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के साथ तैयार की। शर्तों में कहा गया कि पहले दिन केवल पांच जीवित बंधकों की चरणबद्ध रिहाई होगी।

पाकिस्तान और तुर्किये रणनीतिक सहयोग को आगे ले जाने पर सहमत

इंस्ताबुल (तुर्किये)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी को और ऊंचाइयों पर ले जाने पर सहमत हुए। शहबाज चार मित्र देशों की यात्रा के तहत कल दो दिवसीय दौरे पर तुर्किये पहुंचे। प्रधानमंत्री 30 मई तक ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। द नेशन अखबार की आज की खबर के अनुसार शहबाज ने इस्तांबुल में राष्ट्रपति एर्दोआन के साथ बैठक में भारत के साथ तनाव के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये की सराहना की। बैठक में पाकिस्तान और तुर्किये ने क्षेत्रीय शांति, सतत विकास और साझा समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के अलावा द्विपक्षीय बहुआयामी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री शहबाज के साथ फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर, उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार, प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार सैयद तारिक फातमी और तुर्किये में पाकिस्तान के राजदूत डॉ. यूसुफ जुनैद भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री शहबाज ने अक्षय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा उत्पादन, बुनियादी ढांचे के विकास और कृषि सहित प्रमुख क्षेत्रों पर तुर्किये के राष्ट्रपति से चर्चा की। दोनों नेताओं ने 13 फरवरी को इस्लामाबाद में रणनीतिक सहयोग परिषद के सातवें सत्र में लिए गए प्रमुख निर्णयों के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की।

भारत के मोस्ट वांटेड दो आतंकियों को नेपाल के हवाईअड्डे से दुबई भेजे जाने का खुलासा

काठमांडू। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से भारत के मोस्ट वांटेड दो आतंकियों को बिना किसी रोकटोक के दुबई भेजे जाने का खुलासा हुआ है। हाल ही में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर एंटी करप्शन ब्यूरो ने छापेमारी कर मानव तस्करी के आरोप में इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख और गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव तीर्थराज भट्टराई को गिरफ्तार किया। वहां मौजूद रिकॉर्ड की जांच होने के बाद इस बात का खुलासा हुआ है। भारत ने मोस्ट वांटेड इन दोनों आतंकियों का पासपोर्ट ब्लैक लिस्टेड किया हुआ था और इसकी जानकारी भी नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों को दी गई थी। भारतीय सुरक्षा बलों ने बाकायदा लिखित जानकारी देते हुए इन दोनों मोस्ट वांटेड आतंकियों की गिरफ्तारी के लिए अनुरोध किया था।नेपाल के इमिग्रेशन विभाग को इन दोनों ही आतंकियों के बारे में पूरी जानकारी थी। इसके बावजूद दोनों को बिना किसी रोकटोक के दुबई की उड़ान से तीन महीने पहले सुरक्षित फरार होने दिया गया। ब्यूरो के प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने कहा कि पिछले एक वर्ष में मानव तस्करी की जांच करने के दौरान पाया गया कि जिन दो व्यक्तियों का पासपोर्ट ब्लैकलिस्टेड था, उनको भी बिना किसी रोकटोक के जाने दिया गया। उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए फरार हुए आतंकियों के बारे में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने बताया कि इस बारे में तीन महीने पहले ही भारतीय पक्ष की तरफ से शिकायत किए जाने के बाद एयरपोर्ट इमिग्रेशन के प्रमुख भट्टराई से स्पष्टीकरण पूछा गया था।

राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन विफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री का पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश

काठमांडू। काठमांडू में 29 मई को होने वाले राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन को पूरी तरह से विफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है। गणतंत्र को बचाने के नाम पर प्रधानमंत्री के इस निर्देशन से 29 मई को काठमांडू में एक बार फिर से दोनों पक्षों में टकराव होने की संभावना बढ़ गई है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के सचिवालय समिति की बैठक के बाद पार्टी के महासचिव शंकर पोखरेल ने बताया कि बैठक के दौरान पार्टी अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री ओली ने पार्टी से जुड़े सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं को काठमांडू के सभी स्थानों पर कब्जा करने को कहा है। उन्होंने कहा कि 29 मई को एमाले के कार्यकर्ता सभी प्रमुख स्थानों पर मौजूद रहेंगे, ताकि राजा समर्थक दलों को प्रदर्शन के लिए स्थान ही नहीं मिले।

इंग्लैड में लिवरपूल एफसी के जीत की खुशी में डूबी भीड़ पर चढ़ा दी कार, 50 घायल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड में लिवरपूल एफसी (फुटबाल टीम) की जीत परेड में भीड़ पर कार चढ़ाने से बच्चों समेत करीब 50 लोग घायल हो गए। क्लब के प्रीमियर लीग खिताब समारोह के आखिर में सिटी सेंटर में टक्कर लगने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। लिवरपूल शहर के लिए खुशी का मौका खौफ में बदल गया। यह वाकया सोमवार शाम लिवरपूल एफसी की प्रीमियर लीग विजय परेड में वाटर स्ट्रीट पर हुआ। इससे अफरा-तफरी मच गई। शहर के बीचों-बीच एक कार पैदल यात्रियों से टकरा गई, जिसमें बच्चों सहित करीब 50 लोग घायल हो गए। सड़क मार्ग से लिवरपूल की दूरी लंदन से 210.9 मील है।लंदन के अखबार द गार्डियन की खबर के अनुसार, 53 वर्षीय श्वेत ब्रिटिश व्यक्ति को कार का चालक माना जा रहा है। उसे शहर के बीचों-बीच वाटर स्ट्रीट पर गिरफ्तार कर लिया गया। वाटर स्ट्रीट रॉयल लिवर बिल्डिंग और टाउन हॉल से कुछ

मीटर की दूरी पर है। लिवरपूल के हजारों प्रशंसक अपने क्लब की प्रीमियर लीग जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर थे। भीड़ को रौंदने की सूचना पाकर आपातकालीन सेवा के अधिकारी और कर्मचारी शाम करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर पहुंचे। नॉर्थ वेस्ट एम्बुलेंस सेवा ने देररात प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि 27 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक बच्चे सहित दो घायलों को गंभीर चोट आई है।घटनास्थल पर 20 मरीजों का इलाज किया गया। कुल चार बच्चे घायल हुए। मर्सिडेस पुलिस की एसीसी जेनी सिम्स ने इसे आतंकवादी घटना मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। उन्होंने पीड़ितों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। इस परेड में शामिल 55 वर्षीय लेस विंसपर ने कहा कि कार की टक्कर से एक व्यक्ति हवा में 20 फीट ऊंचाई पर उछल कर दूर गिरा। इस दौरान कार लोगों को रौंदते हुए निकल गई। विंसपर के दोस्त क्रेग स्टीवर्ड ने कहा कि चारों ओर अराजकता थी। डर से कांप रहे बच्चे रो रहे थे। इस परेड का सपरिवार हिस्सा रहे बीबीसी रिपोर्टर मैट कोल के अनुसार, चारों ओर चीख-पुकार मची हुई थी। अचानक एक गहरे नीले रंग की कार भीड़ को चीरते हुए आगे निकल गई। लिवरपूल सिटी क्षेत्र के मेयर स्टीव रोथरम ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी पीड़ितों के साथ हैं। लिवरपूल टाउन हॉल इंग्लैंड के मर्सीसाइड के लिवरपूल शहर में स्थित एक ऐतिहासिक इमारत है। यह डेल स्ट्रीट, कैसल स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के जंक्शन पर हाई स्ट्रीट में स्थित है. टाउन हॉल का उपयोग लिवरपूल सिटी काउंसिल के लिए एक बैठक स्थल और विभिन्न सार्वजनिक समारोहों के लिए किया जाता है. यह एक महत्वपूर्ण वास्तुकला स्थल है और लिवरपूल में एक प्रमुख आकर्षण है. लंदन से लिवरपूल कितनी दूर है? लंदन और लिवरपूल के बीच की दूरी 194 मील है। सड़क मार्ग से दूरी 210.9 मील है।

ट्रंप ने जताई हार्वर्ड से 3 अरब डॉलर की ग्रांट वापस लेकर ट्रेड स्कूलों को देने की इच्छा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी गई तीन अरब डॉलर की संघीय ग्रांट को वापस लेकर देशभर के ट्रेड स्कूलों (व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों) को आवंटित करने पर विचार कर रहे हैं।यह बयान ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, जो एक सप्ताह पहले उनके प्रशासन द्वारा हार्वर्ड को विदेशी छात्रों को नामांकित करने से रोकने के प्रयासों के बाद सामने आया है।

हाल ही में ट्रंप ने हार्वर्ड को दी गई लगभग 03 अरब डॉलर की संघीय सहायता राशि को रोक दिया था, जिसके चलते विश्वविद्यालय ने अदालत का रुख करते हुए इस फंड को बहाल करने की मांग की है। यह ग्रांट राशि मुख्य रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के माध्यम से बायोमेडिकल रिसर्च के लिए आवंटित की जाती है, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें ट्रेड स्कूल आम तौर पर

शामिल नहीं होते। ऐसे में ट्रंप के इस प्रस्ताव ने शिक्षा और शोध जगत में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। हालांकि हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इस मुद्दे पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं व्हाइट हाउस ने भी यह स्पष्ट नहीं किया है कि ट्रंप किन विशेष फंडों को पुनः आवंटित करना चाहते हैं।

यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देना 'खतरनाक कदम' : क्रेमलिन ने जताई आपत्ति

एजेंसी

मास्को/बर्लिन। यूक्रेन को पश्चिमी देशों द्वारा बिना सीमा प्रतिबंधों के लंबी दूरी की मिसाइलें देने के निर्णय पर रूसी क्रेमलिन ने कड़ी आपत्ति जताई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने चेतावनी दी कि इस प्रकार के निर्णय राजनीतिक समाधान की संभावनाओं के विपरीत हैं और यह कदम यूरोपीय सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यह बयान तब आया है जब जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ही एक चर्चा कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब यूक्रेन को मिलने वाले हथियारों की रेंज पर कोई सीमा नहीं लगाई जा रही है। मर्ज ने स्पष्ट किया, अब ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की ओर से यूक्रेन को दिए जा रहे हथियारों पर दूरी की कोई बंदिश नहीं है। अमेरिका की ओर से भी अब ऐसी कोई पाबंदी नहीं है।चांसलर मर्ज ने कहा कि इसका मतलब है कि यूक्रेन अब रूस के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है, जो पहले संभव नहीं था। उन्होंने यह भी

बताया कि इससे पहले तक यूक्रेन को केवल रूस द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों में ही इन हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति थी। क्रेमलिन प्रवक्ता पेसकोव ने कहा कि ऐसे निर्णय तनाव को और अधिक बढ़ा सकते हैं और यूरोप को एक अप्रत्यक्ष युद्ध में खींचने का जोखिम बढ़ा सकते हैं। उन्होंने पश्चिमी देशों से संयम बरतने की अपील की और कहा कि ऐसा कदम राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के रास्ते को पूरी तरह बंद कर देगा। पिछले वर्ष अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने यूक्रेन को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) देने की मंजूरी दी थी, जिससे पहली बार यूक्रेनी सेना को 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें मिली थीं।

गैंट्ज ने जिनी से शिन बेट प्रमुख के रूप में नियुक्ति को ठुकराने का किया आग्रह

एजेंसी

येरुशलम। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख के रूप में मेजर जनरल डेविड जिनी की नियुक्ति पर गहराता राजनीतिक विवाद अब राष्ट्रीय संकट का रूप लेता जा रहा है। नेशनल यूनिटी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने जिनी से सार्वजनिक रूप से अपील की है कि वे इस नियुक्ति को स्वीकार न करें।

गैंट्ज ने संसद (केनेसट) में अपनी पार्टी की बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हाई कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर की गई यह नियुक्ति सुरक्षा प्रतिष्ठान की मूल भावना को चोट पहुंचाने वाली है। शिन बेट को राजनीति की दलदल में घसीटना देश की सुरक्षा और लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। गैंट्ज का आरोप है कि जिनी की नियुक्ति न केवल प्रक्रिया की उपेक्षा है, बल्कि यह पूरी नियुक्ति प्रणाली को कलंकित करती है। शिन बेट जैसे संवेदनशील पद के लिए नियुक्ति पांच मिनट की जीप में बातचीत के आधार पर नहीं की जाती।

इस विवाद की शुरुआत आठ मई को तजीलिम सैन्य अड्डे पर

नेतन्याहू और जिनी के बीच हुई एक संक्षिप्त मुलाकात से हुई थी, जिसके दौरान प्रधानमंत्री ने जिनी से पूछा था कि क्या वे शिन बेट के प्रमुख बनने के इच्छुक हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद जिनी की सैन्य सेवा को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने यह बैठक सेना प्रमुख एयाल जमीर की जानकारी के बिना की थी। गैंट्ज ने इस घटनाक्रम को लेकर तीन गंभीर संभावनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि पहला यह कि नेतन्याहू ने यह मुलाकात रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख को दरकिनार कर की, जो सुरक्षा दृष्टि से अत्यंत गंभीर मामला है। दूसरा, नेतन्याहू ने जिनी की सुरक्षा नीतियों और दृष्टिकोण को जाने बिना यह नियुक्ति की, जो लापरवाही है। तीसरा यह कि यह निर्णय किसी निजी लाभ के बदले लिया गया, जो भ्रष्टाचार का संकेत देता है। उन्होंने आगे कहा कि मेजर जनरल जिनी एक योग्य और साहसी सैन्य अधिकारी हैं। मैं नहीं मानता कि उन्होंने प्रधानमंत्री से किसी प्रकार का निजी वादा किया होगा। लेकिन जिस तरीके से यह प्रक्रिया हुई है, वह हमें एक अभूतपूर्व सरकारी संकट की ओर ले जा रही है। गैंट्ज ने जिनी से अपील की कि वे सार्वजनिक रूप से इस नियुक्ति को अस्वीकार करें और यह स्पष्ट करें कि इस तरह के राजनीतिक तरीके उन्हें स्वीकार नहीं हैं।

मेमोरियल डे पर ट्रंप का भाषण : 'हम अपने शहीद नायकों को कभी नहीं भूलेंगे'

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री में मेमोरियल डे के अवसर पर एक भावुक और राजनीतिक रंग से भरपूर भाषण दिया। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की सराहना करते हुए कहा कि दोनों 'बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं' और हेगसेथ को उन्होंने 'तगड़ा खिलाड़ी' बताया।

ट्रंप ने अपने भाषण में कहा कि मेमोरियल डे उन अमर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, हम अपने शहीद नायकों को कभी नहीं भूलेंगे और न ही उनके प्रति हमारे कर्तव्य को। उन्होंने आगे कहा कि जो योद्धा अपने अंतिम सांस तक मातृभूमि के लिए लड़े, वे हमेशा अमेरिकी आत्मा का हिस्सा बने

रहेंगे। ट्रंप ने कहा कि यह मेमोरियल डे विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिकी क्रांति के आरंभ की 250वीं वर्षगांठ के वर्ष में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन देशभक्तों ने युद्धभूमि में बलिदान दिया, उन्होंने हमें आजादी, गरिमा और सम्मान के साथ जीने वाली दुनिया का सबसे महान गणराज्य दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व की बाइडन सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि पिछले चार लंबे और कठिन वर्षों÷ में अमेरिका को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान अवैध आव्रजन और आंतरिक अराजकता का बोलबाला रहा। लेकिन अब उन गलतियों को सुधारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम आज की परिस्थितियों में बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में पहले से और बेहतर प्रदर्शन करेंगे, इसका मैं आपसे वादा करता हूं। अपने भाषण के एक अलग अंदाज में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को 2026 फीफा वर्ल्ड कप और 2028 समर ओलंपिक्स की मेजबानी दिलवाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल में हमने वर्ल्ड कप और ओलंपिक्स हासिल किए। कुछ मायनों में मैं खुश हूं कि मैं दूसरा कार्यकाल मिस कर गया।

अमेरिका के साउथ कैरोलिना में गोलीबारी, 11 लोग घायल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के एक तटीय शहर में हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। यह गोलीबारी लिटिल रिवर शहर में रात करीब 10 बजे से पहले पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड के मौके पर हुई। साउथ कैरोलीना राज्य के उत्तर में नॉर्थ कैरोलीना, दक्षिण और पश्चिम में जॉर्जिया और पूर्व में अटलांटिक महासागर है। एनबीसी न्यूज के अनुसार होरी काउंटी पुलिस विभाग ने बयान में कहा कि लिटिल रिवर के समुदाय में गोलीबारी के बाद और पीड़ितों को निजी वाहनों से अस्पतालों में ले जाया गया। घायलों की स्थिति कैसी है, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने समुदाय के सदस्यों को गोलीबारी स्थल के आसपास से दूर रहने की सलाह दी है। मर्टल बीच पुलिस ने एक अलग बयान में कहा कि गोलीबारी की आवाज सुनकर पहुंचे नॉर्थ मर्टल बीच के एक पुलिस अधिकारी की बंदूक गलती से चल गई। अधिकारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। लिटिल रिवर साउथ कैरोलिना तट के ग्रैंड स्ट्रैंड और उत्तरी कैरोलिना की सीमा के पास 11,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यह शहर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के चार्टर, बोट क्रूज और कैसीनो बोट के लिए जाना जाता है। यह मर्टल बीच से लगभग 25 मील उत्तर-पूर्व में है एबीसी न्यूज के अनुसार साउथ कैरोलिना के लिटिल रिवर में पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड पर हुई गोलीबारी की घटना में घायलों को पुलिस के पहुंचने से पहले क्षेत्र के अस्पतालों में पहुंचा दिया गया। यह घटना लिटिल रिवर के वॉटसन एवेन्यू पर हुई।

'डीजलगेट' घोटाला- वोल्क्सवैगन के चार पूर्व प्रबंधक धोखाधड़ी के दोषी करार, दो को जेल की सजा

एजेंसी

ब्राउनश्वेग (जर्मनी)। करीब एक दशक पहले शुरू हुए 'डीजलगेट' उत्सर्जन घोटाले में वोल्क्सवैगन के चार पूर्व वरिष्ठ प्रबंधकों को धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। जर्मनी के ब्राउनश्वेग शहर की अदालत ने फैसला सुनाते हुए दो अभियुक्तों को जेल की सजा, जबकि दो को निलंबित सजा (सस्पेंडेड सेंटेंस) सुनाई। अदालत ने जिन चार लोगों को दोषी पाया है, उनमें हाइन्ज-याकब न्यूसर, जो वोल्क्सवैगन में विकास प्रमुख थे, को 01 वर्ष 03 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। हैनो जे, जो कंपनी में ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, को 02 वर्ष 07 महीने की जेल की सजा दी गई। जेंस एच, जो डीजल मोटर विकास प्रमुख थे, को सबसे कड़ी सजा 04 वर्ष0 6 महीने की जेल दी गई। जबकि चौथे अभियुक्त को 01 वर्ष 10 महीने की निलंबित सजा

सुनाई गई। इन सभी को अपील का अधिकार प्राप्त है। इस मामले में अमेरिका में पहले ही दो वोल्क्सवैगन अधिकारियों को जेल हो चुकी है। वोल्क्सवैगन की सहयोगी कंपनी ऑडी के पूर्व प्रमुख रूपर्ट स्टैडलर को 21 महीने की निलंबित सजा और €1.1 मिलियन का जुर्माना लगाया गया, जिसकी अपील अभी विचाराधीन है। इस केस में वोल्क्सवैगन के पूर्व सीईओ मार्टिन विंटरकोर्न को भी आरोपित बनाया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनके खिलाफ प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। विंटरकोर्न ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल जर्मनी में इस घोटाले से जुड़े 31 अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच और कानूनी कार्यवाही अब भी जारी है।

क्या था 'डीजलगेट' घोटाला: यह घोटाला सितंबर 2015 में सामने आया था जब अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने वोल्क्सवैगन पर आरोप लगाया कि कंपनी ने इंजन नियंत्रण सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर वाहन परीक्षणों में कम उत्सर्जन दिखाया, जबकि वास्तविक ड्राइविंग में गाड़ियां कई गुना ज्यादा प्रदूषण छोड़ रही थीं। इस खुलासे के बाद वोल्क्सवैगन को वैश्विक स्तर पर 33 अरब डॉलर (करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा के जुर्माने और मुआवजे चुकाने पड़े।

पूर्व अमेरिकी कांग्रेस सदस्य चार्ल्स रैंगल का 94 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। कांग्रेशनल ब्लैक कॉकस के संस्थापक सदस्यों में शुमार और अमेरिकी कांग्रेस की ताकतवर हाउस वेज एंड मीन्स कमेटी के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी अध्यक्ष चार्ल्स रैंगल का निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि सिटी कॉलेज ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा जारी एक बयान में की गई। चार्ल्स रैंगल का राजनीतिक जीवन अद्वितीय रहा।

वह कोरियन युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, और उन्होंने 1970 में प्रसिद्ध हार्लेम नेता एडम क्लेटन पॉवेल को हराकर अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश किया। इसके बाद रैंगल ने लगातार 45 वर्षों तक न्यूयॉर्क के लोगों की सेवा की और 2016 में सार्वजनिक जीवन से संन्यास लिया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रैंगल को श्रद्धांजलि दी

और कहा, चार्ल्स रैंगल एक महान व्यक्ति, सच्चे मित्र और वह नेता थे जो कभी अपने मतदाताओं के लिए लड़ना नहीं छोड़ा। शूमर ने आगे कहा कि रैंगल की उपलब्धियां अनगिनत हैं और उन्होंने दुनिया को पहले से बेहतर बना दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय, नस्लीय समानता और कर प्रणाली सुधारों के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। वह अमेरिका में अश्वेत नेतृत्व के प्रतीक थे और उन्होंने राजनीतिक दायरे में कई बाधाएं तोड़ीं।

बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश लेकर सिंगापुर पहुंचा

सिंगापुर। जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं और थिंक टैंकों के साथ सफल विचार-विमर्श के बाद, भारत का एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सिंगापुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जनता दल-यूनाइटेड नेता और राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा कर रहे हैं। यह बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ रुख को प्रस्तुत करने तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी गतिविधियों के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए यहां पहुंचा ताकि वैश्विक नेताओं से अपील की जा सके

दुनिया को भारत दिखा रहा है पाकिस्तान का आतंकी चेहरा, प्रतिनिधिमंडल ने की वैश्विक नेताओं से मुलाकात

एजेंसी

जॉर्ज टाउन (गुयाना)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की है। इन दिनों अलग-अलग भारतीय नेताओं के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कई देशों की यात्रा पर है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के नेताओं को पहलगाम पर हुए पाकिस्तान पोषित आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दे रहा है। साथ ही वैश्विक नेताओं को आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया जा रहा है। अब तक हुई मुलाकातों में वैश्विक नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच असाधारण संबंध हैं। भारत से उनका खून का रिश्ता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत हमारा बहुत करीबी साझेदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने भारत से बड़े पैमाने पर निवेश देखा है। हमें उम्मीद है कि और अधिक भारतीय निवेशक, भारतीय तकनीक, डिजिटल उत्पाद हमारे अपने विकास का हिस्सा होंगे। वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। शशि थरूर ने कहा कि गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर मार्क एंथनी फिलिप्स के साथ रात्रि भोज पर विचारों का आदान-प्रदान करना सुखद अनुभव रहा। उनकी पत्नी ने भारत में छह सप्ताह बिताए थे। उन्होंने

अहमदाबाद में उद्यमिता और एनजीओ प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया था। दोहा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा, भारत आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठाना चाहता है। हम दो साल पहले सुरक्षा परिषद में थे और भारत ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति का एक विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया था। दुनिया के हर देश ने एक स्वर में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की लेकिन इसके बावजूद भारत को इस तरह के आतंकवादी कृत्यों का सामना करना पड़ रहा है। मुझे खुशी है कि कतर के नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत के दौरान आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के अपने विचार व्यक्त किए। किंशासा (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, भारत एकजुट है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है। पाकिस्तान का आतंकवाद सिर्फ भारत की समस्या नहीं, पूरी दुनिया की समस्या है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई की पूरी धारणा को बदल दिया है और भारत पर आतंकवाद की कार्रवाई को युद्ध की कार्रवाई के रूप में लिया जाएगा। सिंगापुर में जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में अधिकारियों और थिंक टैंक के साथ बैठक से पहले सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत शिल्पक अम्बुले के साथ बैठक की। स्लोवेनिया में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जुब्लजाना में भारतीय प्रवासियों से बातचीत की।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डिफेंस पीएसयू की रक्षा मंत्री ने की समीक्षा, 'ऑपरेशन सिंदूर' में योगदान को सराहा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों की समीक्षा की। मंत्रालय में उन्होंने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र यानी डिफेंस पीएसयू से जुड़े आठ उपक्रमों के अध्यक्षों एवं प्रबंध निदेशकों के साथ यह समीक्षा बैठक की। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों को प्रदर्शित करने वाले प्लेटफॉर्म और तकनीकों के विकास में रक्षा उद्योग, विशेष रूप से डिफेंस पीएसयू की भूमिका की सराहना की। गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी रक्षा उपकरणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खास तौर पर स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी सेना द्वारा भेजे गए ड्रोन और हवाई हमलों को निष्क्रिय कर उन्हें सफलतापूर्वक मार गिराया। समीक्षा बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के रक्षा औद्योगिक आधार को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। साथ ही सरकार डिफेंस पीएसयू की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों और हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर रक्षा मंत्री ने विभिन्न डिफेंस पीएसयू को आधुनिक युद्ध की उभरती तकनीकों पर अधिक अनुसंधान एवं विकास करने को कहा।

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को असम का अध्यक्ष किया नियुक्त, पार्टी सांसद ने कही ये बात

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरूण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को राज्य का नया अध्यक्ष बनाया है। वह भूपेन कुमार बोरा की जगह लेंगे। इसकी जानकारी कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। इसके साथ ही कांग्रेस ने असम में तीन कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए हैं, जिनमें जाकिर हुसैन सिकदर, रोजलीना तिर्की और प्रदीप सरकार शामिल हैं।वहीं, असम में कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस पार्टी में इतने समर्पित और प्रेरक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। आने वाले दिनों में मैं असम के लोगों का आशीर्वाद मांगूंगा। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर अपने राज्य का बेहतर भविष्य बना सकते हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और जितेंद्र सिंह अलवर का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी का नेतृत्व किया और बहुत बड़ा योगदान किया।

शराब कंपनी व्हिस्की के नाम से तुरंत 'त्रिकाल' शब्द हटाए : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली। रेडिको खेतान की 'त्रिकाल' व्हिस्की पर बढ़ते विवाद के बीच भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शराब कंपनी से मांग की है कि वह तुरंत लेबल से 'त्रिकाल' शब्द हटाए। प्रवीण खंडेलवाल ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि निश्चित रूप से यह गंभीर चिंता का विषय है कि ब्रांड कंपनियां अपने प्रचार और निजी लाभ के लिए हमारे धार्मिक नामों को अपनाती हैं। मैं मांग करता हूं कि ये कंपनियां तुरंत ऐसे नाम बदलें। हमारी संस्कृति और विरासत से जुड़ा कोई भी नाम शराब की बोतल पर होता है तो हम सभी के लिए बेहद शर्मनाक है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाले जाने पर भाजपा सांसद ने कहा, मैं पारिवारिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। यह उनका निजी मामला है। लेकिन जहां तक लालू यादव द्वारा की जा रही नैतिकता की बात है, मेरा एक ही सवाल है - जब लालू यादव मुख्यमंत्री थे और बाद में जब राबड़ी देवी उसी पद पर थीं, तब वह नैतिकता कहां थी? उस दौरान कई घोटाले हुए थे। इसलिए, लालू यादव आज जिस नैतिकता की बात कर रहे हैं, उसकी तुलना उनके खुद के कार्यकाल की नैतिकता से करने पर गंभीर सवाल उठते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नए सीजेआई बी.आर. गवई के स्वागत में रात्रिभोज का किया आयोजन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में पदभार संभालने वाले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई के सम्मान में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में एक भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर देश के शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारियों और न्यायपालिका से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। रात्रिभोज में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

थल सेना, नौसेना और वायुसेना प्रमुखों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का लाइव प्रसारण देखा, सेना ने जारी की तस्वीर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के वॉर रुम से कुछ दुर्लभ और चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। ये तस्वीरें 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा किए गए सटीक सैन्य हमले 'ऑपरेशन सिंदूर'' के पीछे की झलक पेश करती है। तस्वीरों में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल डीके त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कंधे से कंधा मिलाकर खड़े और उच्च सुरक्षा वाले कमांड सेंटर में ऑपरेशन की वास्तविक अपडेट पर नजर रखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके साथ सेना के एक और वरिष्ठ अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारी पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ हमले की निगरानी करते दिख रहे हैं।

दूसरी तस्वीर, जो रात 1:05 बजे की है, वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के शुरू होने के समय की है। जनरल द्विवेदी और वरिष्ठ अधिकारी ड्रोन फुटेज और सैटेलाइट तस्वीरों के लाइव प्रसारण को ध्यान से देख रहे हैं। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान, ड्रोन और नौसेना के उपकरण 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर रहे हैं। ये ठिकाने उन प्रमुख आतंकी संगठनों के शिविर थे, जिन्हें पाकिस्तान का समर्थन मिल रहा था। सेना के आधिकारिक विवरण के अनुसार, इस सटीक ऑपरेशन में 140 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। इस हमले में कथित तौर पर स्कैल्प क्रूज मिसाइल, लेजर-गाइडेड बम और सशस्त्र यूएवी का इस्तेमाल किया गया, जिससे भारत के सशस्त्र बलों की एकजुटता और तकनीकी बढ़त का पता चलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय सेना द्वारा इन तस्वीरों का जारी करना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल भारत के सैन्य नेतृत्व की कुशल क्षमता को दर्शाता है, बल्कि पाकिस्तान या कहीं और से आने वाले सीमा पार खतरों को बेअसर करने के लिए भारत की तत्परता और दृढ़ संकल्प का भी एक मजबूत रणनीतिक संदेश देता है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दायरे, समन्वय और कार्यान्वयन के बारे में अपने कर्मियों को जानकारी देने के लिए एक आंतरिक पुस्तिका भी प्रकाशित की है। यह एक दुर्लभ कदम है, जो इन हमलों के पैमाने और महत्व को दर्शाता है। इन तस्वीरों के साथ, भारतीय सशस्त्र बलों ने एक साहसिक बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो शीर्ष अधिकारी न केवल कमान में हैं, बल्कि वह युद्ध कक्ष में भी मौजूद हैं।

केंद्रीय मंत्री नायडू से मिले उप मुख्यमंत्री शुक्ल, विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर सार्थक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने रीवा से इंदौर, हैदराबाद, दिल्ली और प्रयागराज जैसे प्रमुख नगरों के लिए एटीआर-72 विमानों के माध्यम से नियमित उड़ानों की आवश्यकता एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं से केंद्रीय मंत्री नायडू को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट से इन महानगरों के लिए हवाई संपर्क स्थापित होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा, पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी।

साथ ही रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र को समावेशी विकास में समुचित स्थान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री नायडू ने प्रस्तुत सुझावों और मांगों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भरोसा दिलाया।

कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी चिंता की बात नहीं है : आईसीएमआर चीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि भारत में कोविड-19 संक्रमण बढ़ रहा है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि ये गंभीर नहीं हैं।

बहल ने आश्वासन दिया कि सरकार सक्रिय रूप से मामलों की निगरानी कर रही है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी नए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोविड के 1,009 मामले हैं, जिनमें केरल (430), महाराष्ट्र (209) और दिल्ली (104) में मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र (4), केरल (2) और कर्नाटक (1) में सात मौतें भी हुई हैं। बहल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि संक्रमण की संख्या में वृद्धि हुई है और हम इस पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि संख्या बढ़ रही है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि अभी तक सभी कोविड मामलों में गंभीर मामलों का प्रतिशत आम तौर पर कम

है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एनबी.1.8.1 और एलएफ.7, जेएन.1 कोविड वैरिएंट, देश में सार्स-कोव-2 मामलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। बहल ने कहा कि ये सब-वेरिएंट प्राकृतिक या वैक्सीन-प्रेरित पिछली प्रतिरक्षा को चकमा दे सकते हैं। हालांकि, उनकी क्षमता पिछले ओमिक्रॉन और अन्य वेरिएंट से कम है। इसके साथ ही, उन्होंने मामलों में वृद्धि की स्थिति में सतर्कता बढ़ाने और तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की तीन जजों की नियुक्ति की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत में तीन जजों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र को अपनी सिफारिशें भेजी। जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. अंजारिया, गौहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विजय बिश्नोई और बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर के नामों की सिफारिश की है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 है, जो कि इसके स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या से तीन कम है। इसके अलावा, 9 जून को न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी के सेवानिवृत्त होने पर एक और पद रिक्त हो जाएगा। जस्टिस अंजारिया को नवंबर 2011 में गुजरात हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और सितंबर 2023 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। पिछले साल 25 फरवरी

को उन्होंने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। गौहाटी उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्नोई को जनवरी 2013 में राजस्थान उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और उन्होंने जनवरी 2015 में राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। वहीं, न्यायमूर्ति चंदुरकर को जून 2013 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

मौजूदा प्रक्रिया ज्ञापन (एमओपी) के अनुसार, सीजेआई, चार वरिष्ठतम सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ, जिन्हें आमतौर पर कॉलेजियम के रूप में जाना जाता है, शीर्ष अदालत में रिक्तियों को भरने के लिए केंद्र को अपनी सिफारिश भेजते हैं। प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री प्रधानमंत्री को सिफारिश प्रस्तुत करेंगे, जो नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति को सलाह देंगे। इसके बाद जैसे ही राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति के वारंट पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, न्याय विभाग नियुक्ति की घोषणा करेगा और आधिकारिक राजपत्र में आवश्यक अधिसूचना जारी करेगा।

NAME CHANGE
I dharmender KUMAR S/O Farai Yadav R/O B-14 gali no 5 gazipur dairy farm Delhi 110096 HAVE CHANGED MY NAME To dharmender yadav

NAME CHANGE
I, SANJAY SHARMA S/O JAGDISH CHAND SHARMA R/O 101, DEEPALI COLONY, PITAMPURA, PITAMPURA, NORTH WEST DELHI, DELHI-110034 have changed the name of my minor son YAMIR SHARMA aged 16 years and he shall hereafter be known as YUUVRAJ SHARMA.

PUBLIC NOTICE
I, Rekha D/O Sunder Yadav R/O 324/5 T. A. Tuglakabad Extn. Kalkaji New Delhi, South Delhi, Delhi -110019, have changed my Religion Hindu to Muslim from dated 12/03/2025 and changed my name to Shayna Parveen

NAME CHANGE
I, PHOOL CHAND S/O LAKSHMINARAYAN SHARMA R/O RZ-407, A1, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, NEW DELHI 110077 have changed my name to PHOOL CHAND SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Rani W/o Ramesh Kumar R/o 2180, Gali Ravidass, Bahadur Garh Road, Sadar Bazar, Delhi 6, North Delhi, Delhi-110006 have changed my name and shall hereafter be known as Rani Anand.

NAME CHANGE
I, VIKRANT S/O RANJEET SINGH resident of D-1/54-A, GALI NO-6, KUNWAR SINGH NAGAR, DELHI-110041 have changed my name to VIKRANT SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SAPNA ARORA W/O VANEET MALHOTRA resident of I-195 SWAMI DAYANAND COLONY KISHAN GANJ PADAM NAGAR DELHI-110007 have changed my name to SAPNA MALHOTRA for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मै मुन्नी लाल साह पुत्र स्वगीय प्रभुनाथ निवासी ई-381 न्यू अशोक नगर वसुंधरा एन्क्लेव दिल्ली 110096 घोषणा करता हूँ कि मेरा और मेरे नाबालिग बेटे का नाम मेरे नाबालिग बेटे अंकित साह उम्र 13 वर्ष के स्कूल रेकार्ड में गलती से मुन्नी लाल गोड और अंकित गोड के रूप में लिखा है मेरा और मेरे नाबलिग बेटे का वास्तविक नाम मुन्नी लाल साह ओर और अंकित साह है.

NAME CHANGE
I,S Chowdhury also known as Subhranshu Chowdhary/ S/o Shri.Fanindra Mohan Chowdhary, R/o.Flat no.2,4th floor , plot no 12,freedom fighter enclave,khasra no.116/3 Gate no.4, neb Sarai delhi 110068,have officially changed my name to SUBHRANSHU CHOWDHARY for all future purposes

NAME CHANGE
I, NAIPAL S/o BUDH RAM R/o S-313/116-B, EAST MEHRAM NAGAR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010, have changed my name from NAIPAL to NAIPAL MAURYA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shubham S/O Rohitash Kumar R/O A-75, Gali No -2,Budh Vihar Phase -2 North West, Budh Vihar, PO: Budh Vihar, Dist: North West Delhi, Delhi -110086, have changed my name and shall hereafter be known as Abhimanyu Kumar

NAME CHANGE
I, hitherto known as HARDWARI LAL S/O DHANNA RAM R/O M-417 GALI NO-9 SOM BAZAR ROAD, RAJAPURI UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059, have changed my name from HARDWARI LAL to HARDWARI LAL CHANIJA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Jyoti & Mr. Sagar Rajput** is/are purchasing First Floor without roof rights, Built up on Property bearing Municipal No. A-191, area measuring 80 Sq. Yds, built on portion of Old Plot No. E-6, khasra no. 476/170min, Situated at Shastri Nagar, Delhi-110052 from S. Kuldeep Singh who is the owner of the abovementioned property vide Relinquishment Deed dated 06.08.2018 and intend to get the financial assistance from **SMFG India Home Finance Company Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN TO GENERAL PUBLIC THAT MY CLIENT ANIL KUMAR S/O. LATE BANE SINGH R/O. A-115, NEAR PANCHAYAT GHAR, KATWARIA SARAI, NEW DELHI-110016, HAS SEVERED ALL HIS RELATIONS WITH HIS SONS PIYUSH KUMAR AND KARTIK KUMAR AND DISOWN THEM FROM ALL HIS MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES ALL OVER INDIA AND ALSO FROM OTHER CONSIDERATION OF ANY KIND WHATSOEVER MAY BE RELATED TO HIM DUE TO HIS INDIFFERENT AND DISOBEDIENT BEHAVIOUR AND CONDUCT. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACTS, DEEDS DONE BY HIS SAID SONS IN FUTURE IN ANY MANNER
Mohammad Raja Advocate
Chamber No.230, Saket Court Complex, New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SENNEERKUPPAM ARJUNA SRIKANTH, Son of Shri S A Bhupathy, residing at 704, Block 6, Near Khanna Market, Lodi Colony, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi-110003, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SRIKANTH ARJUNA SENNEERKUPPAM and ARJUNA BHUPATHY SENNEERKUPPAM in my PAN No.ARTPS4841B, name of mine and my father have been wrongly written as SRIKANTH S A and S ARJUNA BHUPATHY in my Service Record, name of mine and my father have been wrongly written as SRIKANTH SENNEERKUPPAM ARJUNA and SENNEERKUPPAM ARJUNA BHUPATHY in my Passport No. Y9962507, name of mine has been wrongly written as S A SRIKANTH in my driving license no. P09052005358881, name of mine has been wrongly written as SRIKANTH S A in my Voter Identity Card No.WGO2601250 and name of mine has been wrongly written as SRIKANTH S A in my SSLC Certificate S.NO.AA0211000. The actual name of mine and my father are SENNEERKUPPAM ARJUNA SRIKANTH and Shri S A BHUPATHY respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया है कि मेरे मुवक्किल लाला राम पुत्र श्री रोशन लाल पता ब्लॉक जी-212, संगम विहार नई दिल्ली-110080 ने अपने पुत्र कन्हिया लाल, पुत्र वधू श्रीमती नीलम व पोती उर्वशी को अपनी सभी चल व अचल संपत्तियों से इन लोगो के बुरे व्यवहार, झगड़ालू स्वभाव और आज्ञाहीन होने के कारण बेदखल कर दिया है, और उनके साथ अपने सभी संबंधों को तोड़ दिया और मेरे मुवक्किल भविष्य मे इन लोगो के कार्य और कर्मों के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे, उनके साथ व्यवहार करने वाला व्यक्ति स्वयंम जिम्मेदार होगा/होंगे ।
सुभाष सिंह यादव अधिवक्ता
Chamber No.125,
Patiala House Courts
New Delhi-110001

NAME CHANGE
I, SURESH KUMAR S/O MANGE RAM residing at C-4, BHAGWAN DASS NAGAR, EAST PUNJABI BAGH, DELHI-110026 have changed my name to SURESH KUMAR SINGHAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, UDAY RAJ YADAV S/O MAHANGI R/O FLAT NO-2127, TOWER-2, ZARA AAVAAS, SECTOR-104,GURGAON-122006,HARYANA,HAVE CHANGED MY NAME TO UDAY RAJ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I,hitherto known as NAVEEN alias Vikas Kalyan S/O, Rajpal, R/O A-136 A-block, Ranjit Nagar, Patel Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi 110008 have changed my name and shall hereafter be known as Vikas Kalyan.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DATED 28.03.2005 EXECUTED BY MR. RATNA IN FAVOUR OF MR. RAVINDRA KUMAR CHAUHAN, VIDE DOC. NO. 2791, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 2890, ON PAGES NO. 249-260 ON DATED 28.03.2005 IN SRO-III GHAZIABAD & ORIGINAL SALE DEED DATED 07.02.2007 EXECUTED BY MR. RAVINDRA KUMAR CHAUHAN IN FAVOUR OF MRS. SHOBHA, VIDE DOC. NO. 1377, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 4101, ON PAGES NO. 176-186 ON DATED 07.02.2007 IN SRO-III GHAZIABAD, BOTH SALE DEED EXECUTED FOR RESIDENTIAL HOUSE OF LAND AREA MEASURING 25 SQ. YARDS., I.E., 20.90 SQ. METERS, OUT OF KHASRA NO. 439 MIN, SITUATED AT MOHALLA SEWANAGAR IN THE VILLAGE GUKNA PARGANA AND TEHSIL LONI DISTRICT GHAZIABAD U.P. (BOUNDARIES AS ROAD IN EAST SIDE) HAVE BEEN LOST BY THE OWNER MRS. RIYA BALMIKI WIFE OF MR. SUMIT R/O H.NO. 760, SEWA NAGAR, GALI NO. 06, GHAZIABAD-201002 AND THE SAID OWNER IS GOING TO MORTGAGE THE SAID HOUSE WITH VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD. AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENT IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I, KESHAR KAWAR Mother of JC-472155Y Rank-SUB CLK Name-SATYENDRA SINGH Presently residing at VILL-DHANI BADHAN, TEH-KHETRI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333514, have changed my name from KESHAR KAWAR to KESHAR KANWAR for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-13767944A Rank-HAV Name-GURMIT SINGH S/o KARM SINGH residing at VILL-NEEM WALA PLOT, PO-RAMGARH ROAD, TEHSIL-PEHOWA, DISTT-KURUKSHETRA, HARYANA-136030, have changed my mother's name from JANGIR KAUR to JAGIR KAUR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 15/01/1957 instead of her correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 27/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I No-13767554X Rank-HAV Name-ANJAN RAI S/o DEO KUMAR RAI residing at VILL-7 MILE OKAYTI, PO-MIRIK, TEHSIL-MIRIK, DISTT-DARJEELING, WEST BENGAL-734214, have changed my wife's name from DOLMA TAMANG to DOLMA TAMANG RAI for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-13767944A Rank-HAV Name-GURMIT SINGH S/o KARM SINGH residing at VILL-NEEM WALA PLOT, PO-RAMGARH ROAD, TEHSIL-PEHOWA, DISTT-KURUKSHETRA, HARYANA-136030, in my service records my father's (KARM SINGH) date of birth wrongly mentioned as 15/01/1954 instead of his correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 27/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I JAN MOHAMMED S/O MOHD ISHAQ R/O F-584 GALI NO-20 KHAJOORI KHAS GOKAL PURI NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO JAN MOHAMMAD FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, No-15822525X Rank-HAV Name-SAROJ KUMAR RAY residing at VILL-CHAKDARIYA, PO-RAHIMPUR, DIST-SARAN, BIHAR-841101, have changed my father's name from NAGESHWAR ROY to NAGESHWAR RAY for all future purposes and in my service record my father's date of birth wrongly mentioned as 02/09/1969 instead of his correct date of birth as 01/01/1974 vide Affidavit dated 26/05/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KASHISH D/o KARAMVEER, R/o House No. 50, Shyam Gali No.-1, Near Ghonda Chowk, Maujpur, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as KARMVEER and SANGEETA in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are KARAMVEER and SANGITA DEVI respectively.

NAME CHANGE
I, Gauswami Pooja Spouse of Army No.4581666X Rank-SEP Name-Gauswami Prakashjati Amrutjati presently residing at Vill & Post - Dadar, Tehsil-Sami-Distt-Patan, Gujarat-384245 have changed my name from Gauswami Pooja to Gauswami Poojaben Prakashjati vide affidavit dated 25 May 2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gauswami Prakashjati Amrutjati presently residing at Vill & Post - Dadar, Tehsil-Sami-Distt-Patan, Gujarat-384245 declare that my son name has been wrongly written as Sanatanjati in my service records but his correct name is Goswami Sanatanjati Prakashjati vide affidavit dated 25 May 2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Kamble Tukaram Kallappa is legally Father of No.4583915K, Rank-NK Name: Kamble Sachin Tukaram presently residing at VPO-Kalkundri, Teh-Chandgad, District.Kolhapur, Maharashtra-416508 have changed my name from Kamble Tukaram Kallappa to Tukaram Kallapa Kamble vide affidavit dated 21.04.2025, executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMSHREE Mother of No-4575659L Rank-CHM Name-JAGVEER R/O VILL-KUNDAURA, PO-KUNDAURA, TEHSIL-HAMIRPUR, DIST-HAMIRPUR, UTTAR PRADESH-210502, declare that my name and date of birth has been wrongly written as Ramshree & DOB: 01.01.1969 in my son service records but my correct name and date of birth is Ramshri and DOB - 12.12.1965 vide affidavit dated 24.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Jagdish Father of No-4575659L Rank-CHM Name-JAGVEER R/O VILL-KUNDAURA, PO-KUNDAURA, TEHSIL-HAMIRPUR, DIST-HAMIRPUR, UTTAR PRADESH-210502, declare that my name and date of birth has been wrongly written as Jagdish & DOB: 01.01.1968 in my son service records but my correct name and date of birth is Jagdeesh and DOB - 17.08.1962 vide affidavit dated 24.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Kusum Mother of 4581336Y Rank-Hav Name- Shingne Kiran Zanaklal residing at Vill-Chikhli, PO-Chilkhli, Teh-Chikhli, Distt. -Buldhana, MH-443201 have changed my name from Kusum to Kusumbai Zanaklal Shingne vide affidavit dated 21.05.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I hitherto known as MOHD SAIF S/O MOHD TAHIR R/O D-3, GALI NO-2, VIJAY COLONY, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as SHAIKH MOHMMED SAIF MOHMMED TAHIR.

NAME CHANGE
I, prem chand s/o sukhvir Singh Verma.R/o 15 deep enclave vikas Nagar uttam nagar West Delhi.110059 have changed my name prem chand to prem chand verma for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BHAWNA D/O BHARAT BHUSHAN R/O K-44E, POCKET-K,SHEIKH SARAI PHASE-II, SOUTH DELHI, DELHI-110017have changed my name to BHAWNA BHUSHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MEERA DEVI Wife of No.14646454A Rank-HAV Name-VIRENDRA SINGH YADAV R/o VILL-DABARYA, PO-MAHEN PUR, TEH-BANSUR, DISTT-ALWAR, RAJASTHAN-301402, have changed my name from MEERA DEVI to MEERA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I PRATHAM KUMAR S/O KUNWARPAL R/O BHAMRAULI, BULANDSHAHR, PALI PARTAPUR, UTTAR PRADESH-245405, declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as MR.PRATHAM SINGH, MRS.MAMTA DEVI and YASHIKA in my minor daughter namely YASHIKA SIROHI aged 16 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are PRATHAM KUMAR, MAMTA SIROHI and YASHIKA SIROHI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
My client SHIVANI RAIZADA AGRAWAL, R/O HOUSE NO-4 TOLSTOY MARG, NEW DELHI G.P.O, NEW DELHI, 110001, intend to construct their house no -4, TOLSTOY MARG. Any person or persons having any right, title or interest by way of inheritance or claim against the said property and shares, should send their claim in writing to the undersigned along with the documentary evidence in support of the said claim thereof within 15 days of publication of the said notice, failing which claims if any shall be deemed to have been waived.
Gaurav Bainsla advocate
Chamber No 130 Saket court complex New Delhi

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि सुश्री ऋषिका पन्नू / सुश्री सुशीला देवी, संपत्ति संख्या 254K, क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर, ब्लॉक-B, फ्लोरेंस मार्वेल विला, सुशांत लोक-III, गुरुग्राम, हरियाणा, को M/s सवफैब डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उपरोक्त संपत्ति को रूह्य सवफैब डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने M/s मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड से विक्रय विलेख दिनांक 02.12.2022 के माध्यम से खरीदा था। कृपया ध्यान दें कि दस्तावेजों की श्रृंखला में निम्नलिखित मूल दस्तावेज शामिल हैं (1) मूल विक्रय विलेख (Conveyance Deed) (दस्तावेज संख्या 15224, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2404, पृष्ठ 4/31-33) दिनांक 21.09.2012, (2) मूल बिल्डर बायर एग्रीमेंट (BBA), (3) मूल आवंटन पत्र दिनांक 14.05.2005 तथा कब्जा पत्र/प्रमाण पत्र। हालांकि, उपरोक्त उल्लिखित दस्तावेज खो गए हैं। इन दस्तावेजों की हानि के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसकी एलआर संख्या 2872967/2025 है, दिनांक 27.05.2025, थाना- अपराध शाखा, दिल्ली में। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्त पोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL RELEASE DEED DT. 07.06.2021 (DOC. NO. 2196 IN SRO-WAZIRABAD) EXECUTED BY MR. GAURAV KUMAR IN FAVOUR OF HIS UNCLE / CHACHA MR. SHEOTAJ IN RESPECT OF "PROPERTY ID NO. 1CAMEYB9 BUILT ON PLOT OF LAND AREA MEASURING 317 SQ. YARDS., OUT OF KHEWAT/KHATA NO. 86/96, KHASRA NO 350(0-14) , SITUATED AT VILLAGE CHAKKARPUR ,TEHSIL WAZIRABAD DISTRICT GURGAON , HARYANA" (SAID PROPERTY)., HAS BEEN LOST BY THE OWNER MR. LOKESH YADAV SON OF MR. SHEOTAJ YADAV R/O 542, NEAR YADAV CHOPAL, CHAKARPUR (74), GURGAON, HARYABA-122002 AND NOW THE SAID OWNER IS GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENT IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I, SHETTY SIDDHESHWAR REVNASIDDHA resident of 297/4, SAMBHAJI CHOWK, KESHAVANAGAR, MUNDHAWA, PUNE, MAHARASHTRA-411036, have changed my name from SHETTY SIDDHESHWAR REVNASIDDHA to SIDDHESHWAR REVNASIDDHA SHETTY vide Affidavit dated 27/05/2025 at New Delhi.

NAME CHANGE
I, Karamveer Singh Mathur S/O Jaipal Mathur R/O House No. C-319, Ramesh Enclave Opposite Rohini Sector -22,, Kirari Suleman Nagar ,PO: Sultanpuri, C Block, Dist: North West Delhi, Delhi -110086, have changed the name of my minor daughter namely Harshita Mathur aged 17 years and she shall hereafter be known as Harshu Mathur

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनिस पुत्र लियाकत निवासी नूरानी मस्जि़द के पास, मौहल्ला लोक प्रिय विहार, संडे विहार, खोड़ा कॉलोनी, थाना खोड़ा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 104/2018 U/s 356/379/34 IPC, थाना गाजीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **मोनिस** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोनिस** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 104/2018 U/s 356/379/34 IPC, थाना गाजीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोनिस** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **19.07.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 16, पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6599/ED/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **लकी किंगर, मेसर्स माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक, डी-104, सेक्टर 83, नोएडा फेज II, नोएडा, यूपी-201306** ने **CT Case No. 1730/2020 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लकी किंगर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लकी किंगर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **CT Case No. 1730/2020 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **लकी किंगर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
पूर्वी जिला, कोर्ट संख्या 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6674/ED/2025(Court Matter)

लिंगानुपात सुधार में आशा वर्करों की भूमिका महत्वपूर्ण : उपायुक्त

सोनीपत। समाज में लैंगिक समानता केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन की आवश्यकता भी है। इसी कड़ी में सोनीपत जिले में प्रशासन द्वारा लिंगानुपात सुधार के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें आशा वर्करों की भागीदारी को विशेष रूप से सराहा गया।जिले के पिछड़े लिंगानुपात वाले गांवों माजरी, किड़ौली और आनन्दपुर झरोठ में उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने लिंगानुपात समीक्षा बैठक के दौरान ग्रामीण स्तर पर सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन लाना है। बैठक में सरपंचों, पंचों, चिकित्सा अधिकारियों, एएनएम और आशा वर्करों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीकरण गर्भावस्था के प्रथम आठ सप्ताह में आंगनवाड़ी केंद्र में कराया जाए। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर अवैध लिंग जांच की सूचनाएं प्रशासन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि गिरता लिंगानुपात समाज के लिए कलंक है और इसे दूर करने के लिए प्रत्येक नागरिक को सहयोगी बनना होगा। उन्होंने पीसी-पीएनडीटी अधिनियम को सख्ती से लागू करने की बात कही और बताया कि विशेष पुलिस सेल गठित की जा रही है, जो फर्जी ग्राहक बनकर लिंग जांच करने वालों का भंडाफोड़ करेगी।

देश के लोकतंत्र को मजबूत व पारदर्शी बनाएगा वन नेशन-वन इलेक्शन : कुलदीप बिश्नोई

हिसार। भिवानी व हिसार से सांसद रहे कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि वन नेशन-वन इलेक्शन भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत, पारदर्शी व कुशल बना सकता है। इससे न केवल सरकार के कार्यों में निरंतरता आएगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी और ज्यादा सुदृढ़ होगी। कुलदीप बिश्नोई पनिहार फार्म पर नलवा हलके में एक देश-एक चुनाव पर आयोजित संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, जिससे हमारा देश वैश्विक मंचों पर और ज्यादा मजबूत हुआ है। वन नेशन-वन एलेक्शन भी भारत जैसे अनेकता में एकता के संदेश को दुनिया के सामने लाने का सुनहरा निर्णय साबित होगा। एक राष्ट्र-एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा ओर सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करवाना है, ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके तथा देश के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे। बार-बार चुनाव कराने में भारी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव से चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी।

पानीपत नगर निगम में फर्जीवाड़े का भंडाफोड़,जांच के आदेश

पानीपत। पानीपत नगर निगम एक बार फिर फर्जीवाड़े के लिए सुर्खियों में है। शहर में ड्रेन नंबर एक की सफाई के टेंडर आवंटन में नकली दस्तावेजों का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन किया गया है। यह मामला तब सामने आया जब एक कंपनी के मालिक ने मुख्यमंत्री, और अन्य उच्च अधिकारियों को एक शिकायत दी। उन्होंने एक कार्यकारी अभियंता गोपाल कलावत और उसके कथित सहयोगी के खिलाफ शिकायत की । शिकायत के बाद निगम आयुक्त ने कंपनी के कार्य आवंटन को रोक दिया और सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर एमसी को इस मामले की जांच करने के निर्देश दिए। सोनीपत के कल्पेश्वर इंटरप्राइजेज के मालिक ने अपने पत्र में कहा कि उनकी कंपनी ने टेंडर में भाग लिया, जो दूसरी बार कार्यकारी अभियंता द्वारा जारी किया गया था, जिसमें ड्रेन नंबर एक की सफाई का काम था। टेंडर सोसायटीज के लिए जारी किया गया था। विशेष रूप से ड्रेन नंबर 1 लगभग 8 किलोमीटर लंबा है और शहर के बीच से होकर गुजरता है। जो काबड़ी रोड से शुरू होकर चौटाला रोड पर पहुंचता है और फिर ड्रेन नंबर दो से मिल जाता है। यह नाला कूड़ा-कचरे से भरा हुआ था और हरियाणा स्टेट पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह अत्यंत प्रदूषित था। नोटिस में निर्दिष्ट विवरण के अनुसार चार कंपनियों को शॉर्टलिस्टेड किया गया था।

नारनौल में भवन के नीचे दबे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की हुई रिहर्सल

नारनौल। किसी भी प्रकार की आपदा की हालात में हम कितने तैयार है, इस बात को परखने के लिए लघु सचिवालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उपायुक्त डॉ विवेक भारती तथा पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की मौजूदगी में हुई इस रिहर्सल में रविवार सुबह रिक्टर पैमाने पर 7.4 की तीव्रता का भूकंप की सूचना मिलते ही सायरन बजा और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को सूचित किया। इसके साथ ही जिला प्रशासन की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एसडीआरएफ, रेडक्रॉस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य टीमों ने घायलों को बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार शुरू किया। इसके बाद एनडीआरएफ 7वीं बटालियन भटिंडा की टीम असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी की कमान में पहुंची तथा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने मोर्चा संभाला।

मुख्यमंत्री की अपील, रासायनिक खाद की बजाय प्राकृतिक खेती अपनाएं किसान

मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र के बिहोली गांव में पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक का किया उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करने से बचें। हमारी आने वाली पीढ़ी सशक्त और मजबूत हो, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री सैनी जिला कुरुक्षेत्र के गांव बिहोली में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरा बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक खेती को

प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार किसानों को एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे वे गो-आधारित जैविक विधियों को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बना यह पॉलीक्लिनिक आसपास के क्षेत्र के पशुओं को विशेष पशुचिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करेगा। इस पॉलीक्लिनिक में पैथोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, गायनोकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सर्जरी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे जैसी सेवाओं के साथ-साथ इनडोर एवं आउटडोर इकाइयाँ भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही, यह संस्थान विशेषज्ञ पशु चिकित्सा अधिकारियों, तकनीशियनों और सहायक स्टाफ से सुसज्जित होगा, जिससे यह एक आदर्श पशु चिकित्सा केन्द्र के रूप में स्थापित होगा। पशुपालन क्षेत्र में आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आज दुधारू पशुओं की कीमत हजारों में नहीं, लाखों में है।

भूमिहीन और छोटे किसानों के लिए इतना महंगा पशु खरीदना मुश्किल होता है। यदि वह खरीद भी लेता है तो उसे पशु के स्वास्थ्य की चिंता रहती है। इन हालातों में पशु चिकित्सा संस्थानों का महत्व बहुत बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरे राज्य में 6 राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक चल रहे हैं। ये सिरसा, जींद, रोहतक, भिवानी, सोनीपत और रेवाड़ी में स्थित हैं। अब कुरुक्षेत्र का यह पॉलीक्लिनिक 7वां केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र में इस समय 49 राजकीय पशु चिकित्सालय एवं 72 राजकीय पशु औषधालय चल रहे हैं। इनमें पशु चिकित्सकों के 51 पदों में से 47 पद तथा वी.एल.डी.ए के 130 में से 119 पद भरे हुए हैं।

उपायुक्त ने 'सैनिक अभिलाषा' नामक पुस्तक का किया विमोचन

एजेंसी

रेवाड़ी। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बीरेंद्र सिंह द्वारा देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण व स्वास्थ्य अभियान पर लिखित 'सैनिक अभिलाषा' नामक पुस्तक का विमोचन किया।उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि साहित्य समाज का आईना है। यह समाज और साहित्य के बीच गहरे संबंध को उजागर करता है। साहित्य मानव अनुभवों, भावनाओं और समाज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है। साहित्यकार अपने लेखन में समाज की विभिन्न परतों को उजागर करते हैं, जिसमें आम जीवन, संघर्ष, आशाएं और सपने शामिल होते हैं। साहित्य में समाज के विभिन्न पहलुओं का चित्रण होता है। यह समाज की अच्छाइयों और बुराइयों दोनों को प्रस्तुत करता है, जिससे पाठक समाज के विभिन्न रंगों को समझ सकते हैं।

ज्ञात हो कि गांव कालाका निवासी बीरेंद्र सिंह ने भारतीय सेना और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित कुछ साहित्यिक कार्य किए हैं। वह वर्तमान में दिल्ली विधानसभा के आईजीपी कार्यालय में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं और देश की सेवा कर रहे हैं।

नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त व चार राज्य सूचना आयुक्तों को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव व नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त टीवीएसएन प्रसाद (आईएएस सेवानिवृत्त) को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। इसके साथ ही चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्त अमरजीत सिंह (एचसीएस सेवानिवृत्त), कर्मवीर सैनी, नीता खेड़ा और संजय मदान को भी पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर राज्यपाल ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की भूमिका को लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नवनियुक्त आयुक्तों से अपेक्षा की कि वे निष्पक्षता, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, ताकि सूचना के अधिकार को और सशक्त किया जा सके। हरियाणा सरकार ने भिवानी निवासी प्रियंका धूपड़ को भी सूचना आयुक्त नामित किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उनका शपथ ग्रहण रोक दिया गया।

प्रियंका भिवानी में जिला बाल कल्याण परिषद की सदस्य रह चुकी हैं। उनके कई विवाद सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सरकार ने उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरियाणा के छह हजार दो सौ गांवों की पंचायतों में बनेंगी ई-लाइब्रेरी : पंवार

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि हरियाणा के प्रत्येक गांव को ग्राम पंचायत ई -लाइब्रेरी व स्ट्रीट लाइटें तथा महिला सांस्कृतिक केंद्र आदि से जोड़ा जाएगा। जिला सचिवालय सभागार में खण्ड मडलौडा के सरपंचों व ग्राम सचिवों की बैठक में बोलते हुए कहा कि प्रदेश में 6200 ग्राम पंचायतों में ई-लाईब्रेरी बनाने का कार्य किया जा रहा है। हर गांव में पंचायत भवन भी बनाये जा रहे हैं। सरकार इस कार्य को प्राथमिकता से कर रही है। 125 करोड़ की लागत से ये भवन बनाए जाने है। इनमें 21 लाख रूपये भवन निर्माण पर व 4 लाख रूपये फर्नीचर पर खर्च होंगे।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में 541 गांवों में स्ट्रीट लाईटें लगाई जाएगी। जिन गांवों में महिला सांस्कृतिक केन्द्र अभी तक नही बने है उनके निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इण्डोर जिम गांव में खोले जा रहे है। एक जिम की लागत 10 लाख रूपये है। इसका उददेश्य गांव में खेल का वातावरण तैयार करना है।कैबिनेट

मंत्री ने कहा कि गांव के शमशान घाट की चार दिवारी करवाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के 2200 तालाबों का जिर्णोद्धार करने का भी सरकार कार्य कर रही है। इसको लेकर कार्य को गति प्रदान की जा रही है। इन तालाबों को शीघ्र बनाया जाएगा। इनके सुधारीकरण को लेकर सरपंचों को निष्ठा से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव का जिम्मेदार व्यक्ति है। उसे अपनी शक्तियों का सकारात्मक दिशा में व गांव के विकास में प्रयोग करना चाहिए। राज्य सरकार गांवों को मॉडल गांव बनाने के लिए गांव में हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है।

मोदी के नेतृत्व ने बनाया भारत को संसार की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व को दिया है और इस उपलब्धि के लिए जनता को बधाई दी है। भाजपा नेता धनखड़ ने जारी बयान में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गई है। अगले तीन-चार साल में हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत की अर्थव्यवस्था के सामने अमेरिका, चीन और जर्मनी ही

अब आगे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थ व्यवस्था अब चार लाख 18 हजार 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है, अर्थात 356 लाख दस हजार 435 करोड़ रूपये की हो गई है। धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में अर्थव्यवस्था के मामले में भारत का डंका अब फिर से पूरी दुनिया में बजने लगा है। भारत के लिए अभी माहौल अच्छा है। देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। आने वाले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में देश की ग्रोथ रेट 6.8 फीसदी रह सकती है। इसका मतलब है कि देश की इकोनॉमी इस दौरान तेजी से बढ़ी है। इस बढ़ोतरी के पीछे खेती-किसानी, होटल, परिवहन और निर्माण जैसे क्षेत्रों का मजबूत प्रदर्शन है।

गांवों में लोगों की खरीदारी बढ़ी है जिससे खपत के मोर्चे पर मजबूती मिली है। धनखड़ ने कहा कि टैरिफ वॉर जैसे नेरेटिव भी भारत की अर्थव्यवस्था को रोक नहीं पा रहे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की छवि दुनिया में एक परिपक्व और मजबूत राष्ट्र के रूप में हुई है। निश्चित रूप से भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनकर उभरेगा और दुनिया की अव्वल अर्थ व्यवस्थाओं में से एक होगा।

जिले में नहीं पनपने दी जाएंगी अवैध कॉलोनियां : डीसी

एजेंसी

झज्जर। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर के योजनाबद्ध विकास में बाधा न बनने देने के लिए किसी भी हालत में अवैध कॉलोनियां नहीं पनपने दी जाएंगी। यह निर्देश उपायुक्त ने लघु सचिवालय में आयोजित डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक में दिए।बैठक में जिले में अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) मनीष दहिया ने बताया कि अप्रैल माह में आठ निर्धारित योजनाओं पर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण तोड़े गए। जबकि 11 पुरानी कॉलोनियों में दोबारा किए जा रहे अवैध निर्माण भी ध्वस्त किए गए। इसके अलावा पांच नई कॉलोनियों में अवैध निर्माणों को तोड़ा गया। डीटीपी ने बताया कि बीते महीने में चार मामलों में एफआईआर दर्ज करवाई गई है, ताकि अवैध कॉलोनी बसाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त पाटिल ने कहा कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्रों में अवैध निर्माण पर नजर रखें और ऐसी सूचना मिलते ही तुरंत डीटीपी के साथ मिलकर कार्रवाई करें। अवैध कॉलोनियों के कारण सरकार को राजस्व की हानि होती है।

नशे पर रोक लगाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से करें काम: उपायुक्त शांतनु शर्मा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि जिला में नशा पर रोक लगाने के लिए व्यापक स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। जिला में नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, वहीं युवाओं को खेल गतिविधियों से जोडकर् नशा के खिलाफ जागरूक किया जाए।

उपायुक्त शांतनु शर्मा नशा संबंधी गतिविधियों पर रोक लगाने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्य में समाज के प्रबुद्ध लोगों व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लिया जाए तथा युवाओं को नशा न करने के लिए प्रेरित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि नशे की तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस विभाग में शिकायतें दर्ज करवाएं और नशे में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना भी पुलिस व जिला प्रशासन को अवश्य दें।उपायुक्त ने कहा कि विशेष जागरूकता मिशन के तहत कार्य करते हुए नशे के खिलाफ अधिक से अधिक आमजन को जोड़ें। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में निरंतर बताया जाए ताकि उनमें जागरूकता उत्पन्न

हो। अभिभावक व अध्यापक समय-समय पर बच्चों से सकारात्मक संवाद करते हुए उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते रहें।उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला में स्थित केमिस्ट की दुकानों को हिदायत दी जाएं कि वे डाक्टर्स द्वारा परामर्श की गई दवाइयां ही दें। बिना परामर्श की गई दवाइयां न बेची जाएं। मेडिकल के बाहर लाइसेंस नंबर व उसकी वैद्यता की जानकारी अंकित वाला बोर्ड भी लगाया जाए तथा कैमरे भी लगाए जाएं।

बैठक में पुलिस अधीक्षक डा. मयंक गुप्ता ने भी नशे की रोकथाम को लेकर प्रभावी कदम उठाने के बारे में जानकारी दी।

बरसात पूर्व हो नालों की सफाई, जल भराव हुआ तो होगी कार्रवाई: विपुल गोयल

एजेंसी

रेवाड़ी।। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय एवं राजस्व मंत्री विपुल गोयल ने कहा है कि मानसून सीजन शुरू होने से पहले प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में नालों व ड्रेनेज सिस्टम को नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिका द्वारा साफ करवाया जाए ताकि बरसात के दौरान शहरी क्षेत्र में जलभराव की समस्या न आए। उन्होंने‌ कहा कि सभी निकाय अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहते हुए नियमित मॉनिटरिंग करने के भी आदेश विभाग की ओर से दिए गए हैं।

वह रेवाड़ी बाल भवन सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। परिवेदना समिति की बैठक में राजस्व एवं आपदा मंत्री ने कुल 21 परिवादों की सुनवाई की, जिनमें से 17 का मौके पर निपटारा किया गया।

चार मामलों को लंबित रखते हुए निर्धारित कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। राजस्व मंत्री के साथ बैठक में रेवाड़ी से विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डा. कृष्ण कुमार व कोसली से विधायक अनिल यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली तथा उपायुक्त अभिषेक मीणा व पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा मौजूद रहे।मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि शासन-प्रशासन

आम जनता की शिकायतों व समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में जनसेवा से जुड़े कार्यों में सजगता बरतते हुए अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन प्रभावी ढंग से करें। अधिकारियों को चाहिए कि वे सरकार द्वारा लागू योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें। परिवेदना समिति की बैठक में सुनवाई के दौरान रेवाड़ी शहर के कंकरवाली जोहड़ पर अतिक्रमण की समस्या को लेकर रखी गई शिकायत में राजस्व मंत्री ने निर्देश दिए कि तहसीलदार तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक भूमि की पैमाइश को नगर परिषद कार्यालय में जमा करवाए, जिससे कि जोहड़ की जमीन से अवैध कब्जे हटवाए जा सकें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य की पालना करें और जो अधिकारी कार्य के प्रति उदासीन पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि, डीएमसी राहुल मोदी, प्रशिक्षु आईएएस रूहानी, नगर परिषद चेयरमैन पूनम यादव, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, नगराधीश प्रीति रावत आदि मौजूद रहे।

पानीपत में गांजा के साथ युवक तो दिल्ली में सप्लायर महिला गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत पुलिस ने भारी मात्रा गांजा लेकर जा रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। अगले दिन गांजा सप्लायर महिला को भी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाइ शुरू कर दी है। थाना चान्दनी बाग प्रभारी फूल कुमार ने बताया कि रविवार की शाम पुलिस को सूचना मिली कि कोई संदिग्ध व्यक्ति चौटाला रोड पर खड़ा किसी का इंतजार कर रहा है। उन्होंने तुरन्त पुलिस पार्टी को रवाना किया। मौके पर पहुंचते ही पुलिस की गाड़ी को देखकर वह युवक कंधे पर रखे पॉलीथिन बैग सहित भागने लगा.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SURENDER KUMAR S/O SURAT SINGH R/O 344, CHOPDA COLONY, WARD NUMBER-16, CHOPDA COLONY, GOHANA, SONIPAT, HARYANA-131301 declare that name of mine has been wrongly written as SURENDER in my minor son DIVYANSH aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is SURENDER KUMAR, which may be amended accordingly.

बधिर युवाओं को विशेष प्लेसमेंट ड्राइव में मिली नौकरी, अब राज्यपाल देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इम्पेयरमेंट (डब्ल्यूसीपीएसएचआई) द्वारा बधिर युवाओं को रोजगार दिलाकर समाज की मुख्यधारा में लाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुग्राम में एक विशेष प्लेसमेंट ड्राइव हुई, जिसमें 45 बधिक युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया। पांच मल्टीनेशनल कंपनियों ने बधिर युवाओं से संवाद करके उनका चयन किया। अब 29 मई को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय इन युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। विशेष प्लेसमेंट ड्राइव में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इम्पेयरमेंट की उपाध्यक्ष मेघा भंडारी ने शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि डब्ल्यूसीपीएसएचआई का उद्देश्य दिव्यांगजनों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराना है। संस्था के हरियाणा में कुल आठ केंद्र सक्रिय हैं, जिनमें गुरुग्राम, करनाल, हिसार, सिरसा, पंचकूला, नगीना, रायपुर रानी और अन्य स्थान शामिल हैं। भविष्य में करनाल और हिसार में भी इसी प्रकार के जॉब फेयर आयोजित किए जायेंगे। मेघा भंडारी ने बताया कि संस्था का मिशन बधिर युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के मजबूत साधन प्रदान करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। हमारा प्रयास है कि हम न केवल उनके जीवन स्तर को सुधारें, बल्कि उन्हें सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाकर सम्मानजनक स्थान दिलाएं। कार्यक्रम के दौरान असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सीमा ने बताया कि संस्था द्वारा छह वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जहां उन्हें स्किल डेवलपमेंट, नैतिक मूल्यों और आत्मनिर्भरता से जुड़ी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। बच्चों को सिलाई, ब्यूटीशियन कोर्स, पेंटिंग, योगा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया गया कि हरियाणा के किसी भी जिले से इच्छुक बधिर युवक-युवती इस रोजगार अभियान में भाग ले सकते हैं, चाहे वे संस्था से जुड़े हों या नहीं।

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा की ऑडी इंडिया के साथ साझेदारी

नयी दिल्ली। दोहरा ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने जर्मन लक्जरी कार निर्माता ऑडी के साथ साझेदारी की है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने यह घोषणा करते हुये कहा कि उसके एथलीट नीरज चोपड़ा ने यह साझेदारी की है। उसने कहा कि नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक पदक जीत कर देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित किया था। अब ऑडी इंडिया के साथ साझेदारी एथलीट और ब्रांड के बीच साझा मूल्यों का आदान प्रदान है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, 'ऑडी में हम उन लोगों के लिए खड़े हैं जो सीमाओं को लांघते हैं - वे जो सिर्फ प्रदर्शन से नहीं, बल्कि उत्कृष्टता की निरंतर खोज से परिभाषित होते हैं। नीरज चोपड़ा उस भावना के प्रतीक हैं। दृढ़ निश्चयी और प्रतिष्ठित, महत्वाकांक्षा से उपलब्धि तक का उनका सफ़र ऑडी के प्रगतिशील डीएनए को दर्शाता है। उनका ध्यान, गति और बेजोड़ प्रदर्शन उन्हें हमारे ब्रांड का स्वाभाविक विस्तार बनाता है जो इस बात का प्रतीक है कि नेतृत्व करना क्या होता है। उन्होंने कहा कि अपनी तकनीक के लिए प्रसिद्ध नीरज चोपड़ा ऑडी के मूल में मौजूद उन्हीं गुणों को दर्शाते हैं जिसमें सटीकता, दृढ़ संकल्प और सीमाओं को तोड़ने की इच्छा है। रेसट्रैक से लेकर रनवे तक और खेल के मैदान से लेकर वैश्विक मंच तक यह साझेदारी उत्कृष्टता के लिए एक साझा दृष्टिकोण का संकेत देती है।

डैशकैम को अनिवार्य किया जाए: सर्वे

नयी दिल्ली। देश के वाहन मालिकों विशेषकर कार मालिकों ने सुरक्षा के लिए फ्रंट एंड बैक डैशकैम महत्वपूर्ण माना है और कंपनियों से इसके अनिवार्य रूप से लगाये जाने की इच्छा व्यक्त की है। सर्वे प्लेटफॉर्म पार्क प्लस रिसर्च लैब्स ने आज अपने नवीनतम शहर-केंद्रित सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष साझा किए। दिल्ली एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु में 3,000 कार मालिकों पर किए गए इस सर्वे का उद्देश्य यह समझना था कि आज के कार मालिक नई कारों में किस एक फीचर को अनिवार्य चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 48 प्रतिशत प्रतिभागियों ने उम्मीदों के विपरीत 6 एयरबैग या बीएनसीएपी रेटिंग नहीं बल्कि फ्रंट और बैक डैशकैम को उस सुरक्षा फीचर के रूप में चुना जिसे सरकार और कार निर्माता कंपनियों को अनिवार्य बनाना चाहिए। इस पसंद के पीछे उत्तरदाताओं ने जो कारण बताए, वह भी कम रोचक नहीं है। उनका कहना है कि रोड रेज की बढ़ती घटनाएं, असुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार, हिट-एंड-रन केस और बीमा दावों में पेचीदगियों को देखते हुए आज यह बेहद जरूरी हो गए हैं। आज के शहरी ट्रैफिक माहौल में डैशकैम को सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि सबूत देने वाले साधन के रूप में देखा जा रहा है, जो ड्राइवर को ताकतवर बनाते हैं और जवाबदेही को प्रोत्साहन देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एयरबैग या क्रैश टेस्ट रेटिंग जैसे कार सेफ्टी फीचर सर्वे में टॉप पर नहीं रहे क्योंकि ग्राहकों ने उन्हें अब मूलभूत आवश्यकता मान लिया है जिस पर वे कोई समझौता नहीं करना चाहते।

ओकले के ब्रांड एंम्बेसडर बने शुभमन गिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल आई वियर बनाने वाली कंपनी ओकले के ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किये गये हैं। कंपनी ने आज यहां कहा कि शुभमन गिल भारत में 'आर्टिफेक्ट्स फ्रॉम द फ्यूचर' अभियान का चेहरा होंगे। शुभमन गिल क्रिकेट की दुनिया में सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। गिल ने अपने स्थिर प्रदर्शन, शानदार शॉट्स और दबाव में भी अच्छे खेल के साथ पूरी दुनिया में अपने फैन बना लिए हैं। उनकी उपलब्धियाँ और बेहतरीन सफर भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिससे दृढ़ निश्चय और उत्कृष्टता की शक्ति का प्रदर्शन होता है। इस पर शुभमन गिल ने कहा, मैं ओकले से जुड़कर बहुत उत्साहित हूँ। यह ब्रांड परफॉर्मेंस, प्रगति और जुनून का प्रतीक है। ये गुण मुझे बहुत प्रभावित करते हैं। जब भी मैं मैदान पर रहा हूँ, ओकले हर बार मेरे क्रिकेट के सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहा। हर ओकले उत्पाद में उनकी इनोवेटिव लेंस और फ्रेम टेक्नोलॉजी मेरी परफॉर्मेंस बढ़ाने में मदद करती है। वे बहुत स्टाइलिश हैं, इसलिए मुझे बहुत पसंद हैं। कंपनी के वरिष्ठ ब्रांड बिज़नेस प्रबंधक साहिल जदियाल ने कहा, खेल में ओकले की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह खिलाड़ियों के समुदाय और संस्कृति के साथ परफॉर्मेंस की सीमाएं बढ़ाते रहने के लिए प्रेरित करता है।

मध्यम उद्योगों की जीडीपी में 29 प्रतिशत की हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। सकल घरेलू उत्पाद - जीडीपी में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग- एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 29 प्रतिशत है जबकि यह 60 प्रतिशत लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। नीति आयोग की यहांमध्यम उद्यमों के लिए नीति तैयार करना पर रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि मध्यम उद्यम भविष्य के बड़े उद्यम हैं और 2047 के विकासशील भारत के चालक हैं। छोटे उद्योग क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 29 प्रतिशत का योगदान देता है और 60 प्रतिशत से अधिक कार्यबल को रोजगार देता है। इसके अलाव निर्यात में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है रिपोर्ट में मध्यम उद्योगों को भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास इंजन में बदलने के लिए एक व्यापक योजना पेश की है। इस रिपोर्ट को नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत और नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी की उपस्थिति में जारी की गयी। रिपोर्ट के अनुसार देश में पंजीकृत एमएसएमई में से 97 प्रतिशत सूक्ष्म उद्यम, 2.7 प्रतिशत छोटे और केवल 0.3 प्रतिशत मध्यम उद्यम हैं ।

गोयल ने पेटीएम संस्थापक से की मुलाकात, भारत को डिजिटल भुगतान केंद्र बनाने पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने वैश्विक फिनटेक और डिजिटल भुगतान पावरहाउस बनाने और भारत में निर्मित भुगतान प्रणालियों को दुनियाभर में निर्यात करने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा से मुलाकात की और भारत में फिनटेक, डिजिटल भुगतान और समावेशी ई-कॉमर्स के भविष्य पर चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री ने चर्चा के दौरान भारत को वैश्विक फिनटेक और डिजिटल भुगतान पावरहाउस बनाने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। बातचीत में भारत-निर्मित भुगतान प्रणालियों को दुनिया भर में निर्यात करने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया, एक ऐसा क्षेत्र जहां पेटीएम मोबाइल भुगतान, क्यूआर आधारित भुगतान, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन और यूपीआई-आधारित सेवाओं जैसे नवाचारों के साथ अग्रणी शक्ति रहा है। इसके अलावा दोनों ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ह्हष्ठष्ट) की समावेशी क्षमता पर भी चर्चा की। पड़ोस के किराना स्टोर और छोटे व्यवसाय मालिकों को सशक्त बनाने पर ज़ोर देते हुए बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि पेटीएम जैसे प्लेटफ़ॉर्म इन व्यापारियों को औपचारिक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल करने में कैसे मदद कर सकते हैं, ताकि पहुंच, पारदर्शिता और आर्थिक अवसर में सुधार करके।

खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी जारी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा आठ रिंगिट की बढ़त के साथ 3832 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.24 सेंट चढ़कर 49.35 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 439 रुपये, सूरजमुखी तेल 146 रुपये, सोया रिफाइंड 219 रुपये और वनस्पति तेल 513 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि मूंगफली तेल 220 रुपये और पाम ऑयल 147 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे। दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित

रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, मसूर दाल 150 रुपये और उड़द दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई जबकि मूंग दाल 50 रुपये और अरहर दाल 200 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

शेयर बाजार में तेजी का माहौल, निफ्टी 25 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली।अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भारत के दुनिया भर में चौथे स्थान पर पहुंच जाने और आरबीआई के रिकॉर्ड डिविडेंड पेमेंट के कारण आज शेयर बाजार का मूड लगातार पॉजिटिव बना रहा। इसके साथ ही यूरोपीय यूनियन पर अमेरिकी टैरिफ लगाने की समय सीमा बढ़ा दिए जाने के कारण ग्लोबल मार्केट के सेंटीमेंट में भी सुधार हुआ। वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर माहौल बेहतर होने के कारण घरेलू शेयर बाजार भी आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज की तेजी के कारण निफ्टी एक बार फिर 25 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.56 प्रतिशत और निफ्टी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 444.81 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.96 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.85 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,267 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,298 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,774 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 195 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,605 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,604 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,001 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 207.87 अंक की मजबूती के साथ 81,928.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में खरीदारी का जोर बन गया। खासकर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। चौतरफा खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 771.16 अंक उछल कर 82,492.24 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई ।

नीति आयोग ने मझोले उद्योगों को भविष्य के वृद्धि इंजन में बदलने पर जोर दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने मध्यम उद्यमों के लिए नीति तैयार करने के शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में मध्यम उद्यमों को भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास इंजन में बदलने के लिए एक व्यापक रोडमैप पेश किया गया है। आयोग का कहना है कि मध्यम उद्यम एमएसएमई निर्यात में लगभग 40 फीसदी का योगदान देते हैं, जो अपार अप्रयुक्त क्षमता को दर्शाता है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी द्वारा नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत और नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी की उपस्थिति में लॉन्च की गई इस रिपोर्ट में मध्यम उद्यमों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण, फिर भी कम-उपयोग की गई भूमिका पर प्रकाश डाला गया है और उनकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए लक्षित हस्तक्षेपों की रूपरेखा तैयार की गई है। अयोग ने अपनी रिपोर्ट में मध्यम उद्यमों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण, फिर भी कम-से-कम भूमिका पर प्रकाश डाला है। आयोग की इस रिपोर्ट में उनकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए लक्षित हस्तक्षेपों की रूपरेखा

तैयार की गई है। नीति आयोग ने मझोले उद्योगों को भविष्य के वृद्धि इंजन में बदलने के लिए वित्तीय माध्यमों, प्रौद्योगिकी एकीकरण और एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल की वकालत भी की है। आयोग की रिपोर्ट एमएसएमई क्षेत्र में संरचनात्मक विषमता पर गहराई से चर्चा करती है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 29 फीसदी का योगदान देता है, जो निर्यात का 40 फीसदी हिस्सा है, जबकि 60 फीसदी से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देता है। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद इस क्षेत्र की संरचना असंगत रूप से भारित है, जो पंजीकृत एमएसएमई का 97 फीसदी सूक्ष्म उद्यम हैं, जबकि 2.7 फीसदी छोटे हैं, और केवल 0.3 फीसदी मध्यम उद्यम हैं। यह रिपोर्ट मध्यम उद्यमों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए समावेशी नीति डिजाइन और सहयोगी शासन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।इस रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि, मध्यम उद्यमों का यह 0.3 फीसदी एमएसएमई निर्यात में लगभग 40 फीसदी का योगदान देता है।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बढ़ी बात, अगले सप्ताह वार्ता होने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाले प्रस्तावित व्यापार समझौते के अगले चरण की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों की एक टीम जून के पहले सप्ताह में भारत का दौरा कर सकती है। अमेरिकी अधिकारियों की ये टीम भारत में वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत करेगी, ताकि 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौते के प्रारूप पर परस्पर सहमति बन सके। इसके पहले भारत की ओर से मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल पिछले सप्ताह ही अपनी चार दिन की वाशिंगटन यात्रा से वापस लौटे हैं। अपने वाशिंगटन दौरे के दौरान राजेश अग्रवाल ने प्रस्तावित समझौते के प्रारूप पर अमेरिकी अधिकारियों से विस्तृत बातचीत की थी। अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत को दिशा और

गति प्रदान करने के लिए भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी पिछले सप्ताह वाशिंगटन के दौरे पर थे। पीयूष गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करके भारत की ओर से समझौते के क्रम में रखे जाने वाले प्रस्तावों की जानकारी दी थी। भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए इस साल सितंबर से अक्टूबर तक की समय सीमा तय की है। हालांकि भारतीय पक्ष की ओर से लगातार इस बात की कोशिश की जा रही है कि अमेरिका और भारत सितंबर-अक्टूबर की समय सीमा के पहले ही अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत हो जाएं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ पॉलिसी के तहत अमेरिका ने इस साल 2 अप्रैल को दुनिया के कई देशों के साथ ही भारत पर भी रेसिप्रोकल टैरिफ का बोझ लाद दिया था। इस पॉलिसी के तहत भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किया गया था। हालांकि, बाद में 9 अप्रैल को डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ में 90 दिन की राहत देने का ऐलान किया था। इन 90 दिनों के दौरान तमाम देशों के सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ वसूला जा रहा है।

रुपया 35 पैसे मजबूत

एजेंसी

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में लगातार जारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर शेयर बाजार में आई जबरदस्त तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 35 पैसे की तेजी के साथ 85.10 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबार दिवस रुपया 85.45 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 40 पैसे की छलांग लगाकर 85.05 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली से 84.78 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 85.21 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 85.45 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 35 पैसे की मजबूती के साथ 85.10 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।डॉलर में लगातार कमजोरी के चलते रुपया मजबूत हुआ डॉलर सूचकांक इस दौरान 98.93 तक गिर गया, जिससे उभरती बाजार मुद्राओं को सहारा मिला।

विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रमुख आंकड़ों की घोषणा से डॉलर में अस्थिरता बढ़ सकती है। इनमें टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के मिनट्स, पहली तिमाही का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ा और कोर पीसीई मूल्य सूचकांक शामिल हैं, जिन्हें फेडरल रिजर्व द्वारा महंगाई के प्राथमिक संकेतक के रूप में देखा जाता है। जानकारों के अनुसार, इन आंकड़ों का असर डॉलर की दिशा और फेड की ब्याज दर नीति पर पड़ेगा।

केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं का वजीफा बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं को देय न्यूनतम मासिक वजीफा 30 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रस्तावित बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी होने के बाद वर्तमान में यह राशि 5,000-9,000 रुपये है, जिसे बढ़ाकर 6,800-12,300 रुपये कर दिया जाएगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) की 38वीं बैठक में भारत के युवाओं के लिए प्रशिक्षुता को

अधिक फायदेमंद और आकांक्षापूर्ण बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत प्रदान किए जाने वाले वजीफे में 30 फीसदी की वृद्धि की सिफारिश की गई। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की आयोजित इस बैठक में भारत के उभरते प्रशिक्षुता परिदृश्य की समीक्षा की गई, जिसमें परिणाम को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर चर्चा की गई। इस सिफारिश में मौजूदा 5,000-9,000 रुपये के वजीफे को संशोधित कर 6,800-12,300 रुपये किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ड्रॉपआउट दरों को कम करना और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करना है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा, प्रशिक्षुता केवल कौशल प्रदान करने का तंत्र नहीं है, यह एक ऐसा पुल है जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार को जोड़ता है, खासकर हमारे ग्रामीण युवाओं के लिए। एनएपीएस और एनएटीएस को मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित स्तंभों के रूप में देखते हुए, हम इसे अधिक समावेशी, उत्तरदायी और आकांक्षी बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुधार कर रहे हैं।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले के मंत्री 28 मई को डार्क पैटर्न पर हितधारकों के साथ करेंगे बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी डार्क पैटर्न पर हितधारकों से मिलेंगे। वह 28 मई को उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा, पारदर्शी तथा भरोसेमंद बाजार सुनिश्चित करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक में डार्क पैटर्न के बारे में उपभोक्ताओं की चिंताओं को संबोधित करेंगे। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल?ली में आयोजित होने वाली इस बैठक का उद्देश्य डार्क पैटर्न से निपटने के लिए अधिक प्रभावी समाधान तलाशना भी है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और पारदर्शी व भरोसेमंद बाज़ार सुनिश्चित करने के लिए इस उच्चस्तरीय लाभार्थी बैठक में डार्क पैटर्न के बारे में उपभोक्ताओं की चिंताओं को संबोधित करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य इस मुद्दे से निपटने के लिए और अधिक प्रभावी समाधान तलाशना भी है। इस बैठक में खाद्य, यात्रा, सौंदर्य प्रसाधन, फार्मेसी, खुदरा, वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में काम करने वाले सभी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भाग लेंगे। कुछ प्रमुख हितधारकों में अमेजन, फ्लिपकार्ट, ऐप्पल, बिगबास्केट, मीशो, मेटा, मेकमाईट्रिप, पेटीएम, ओला, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, स्विगी, जोमैटो, यात्रा, उबर, टाटा, ईज़माईट्रिप, क्लियर

ट्रिप, इंडियामार्ट, इंडिगो एयरलाइंस, जिगो, जस्टडायल, मेडिका बाजार, नेटमेड्स, ओएनडीसी, थॉमस कुक और व्हाट्सएप शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,130 रुपये से लेकर 98,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,950 रुपये से लेकर 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने का कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

भारत ने ब्रिक्स में राष्ट्रीय, वैश्विक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई की भूमिका पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ब्रासीलिया के इटामारती पैलेस में ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित नौवीं ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। इस दौरान एक संयुक्त घोषणा को अपनाया गया, जिसमें मुख्य विषय अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना था। साथ ही भारत ने ब्रिक्स में राष्ट्रीय, वैश्विक अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका पर जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि संयुक्त घोषणा के अनुरूप भारत ने राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया गया। इसमें तेजी से हो रहे वैश्विक परिवर्तनों के बीच एक खुले, निष्पक्ष और लचीले वैश्विक वातावरण को बढ़ावा देने, बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने और आर्थिक और सामाजिक लचीलापन बढ़ाने की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। संयुक्त घोषणा के अनुरूप भारत ने राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बल दिया। इसके साथ ही भारत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 5.93 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई 25 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देते हैं। इस क्षेत्र ने वित?त वर्ष 2023-24 में देश के कुल निर्यात में 45.73 फीसदी का योगदान दिया। भारत ने सभी ब्रिक्स देशों को नीतिगत अंतर्दृष्टि, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के माध्यम से इस मंच में योगदान देने और इससे लाभ उठाने का निमंत्रण दिया।मंत्रालय के मुताबिक मंत्रियों ने ब्रिक्स देशों में औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने और सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता को जरूरी बताया। संयुक्त घोषणापत्र में सतत विकास के प्रमुख चालकों के रूप में उद्योग 4.0 के तहत नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। भारत ने अपने हस्तक्षेप में भविष्य के लिए तैयार उद्योग के लिए अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट किया जो समावेशी, नवीन और डिजिटल रूप से सशक्त है जो चौथी औद्योगिक क्रांति के उद्देश्यों के साथ संरेखित है। इसके अलावा बैठक में इस बात पर ध्यान दिया गया कि भारत के डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल रूप से जुड़े लोकतंत्र में बदल दिया है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 2014 में 251.59 मिलियन से बढ़कर मार्च 2024 तक 954.40 मिलियन हो गई है। भारत ने अपने संबोधन का समापन करते हुए ब्रिक्स सदस्यों से आह्वान किया कि वे आगे चलकर सभी सहकारी प्रयासों में सहयोग, सामंजस्य, समग्रता और सर्वसम्मति के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हों। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका सहित सभी ब्रिक्स सदस्य देशों के उद्योग मंत्री और प्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही नए शामिल सदस्य मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी उपस्थित रहे। बैठक में अपनाए गए संयुक्त घोषणापत्र में तेजी से हो रहे वैश्विक बदलावों के बीच खुले, निष्पक्ष और लचीले वैश्विक माहौल को बढ़ावा देने, बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने और आर्थिक और सामाजिक लचीलापन बढ़ाने की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

सुबह योग करते समय न करें ये गलतियां वरना पड़ जाएंगे लेने के देने

बाबा रामदेव योग को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसपर किताबें भी लिखी हैं. यही कारण है कि आज कल योगा को लेकर जागरुकता भी बढ़ रही है. हालांकि, कुछ लोग योग को गलत तरीके से करते हैं, जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है. चलिए आज जानते हैं कि योग करने के सही नियम क्या हैं जो बाबा रामदेव ने अपनी किताब में बताएं हैं.

आज के समय में कई लोग तनाव, थकान और अनियमित जीवनशैली से जूझ रहे हैं. योग एक ऐसा उपाय बनकर उभरा है जो तन, मन और आत्मा को संतुलन में लाने का काम करता है. योग हजारों वर्षों तरीका है जो न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है. लेकिन अक्सर देखा गया है कि लोग योग करते समय कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जो लाभ की जगह नुकसान पहुंचा सकती हैं. प्राचीन योग परंपराओं के गूढ़ ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने वाले योग गुरु बाबा रामदेव का मानना है कि योग करते समय कुछ नियमों और सावधानियों का पालन न करना, शरीर और मन दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है.

बाबा रामदेव भारत के एक प्रसिद्ध योग गुरु हैं, जिन्होंने योग को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने प्राचीन भारतीय योग विद्या को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ते हुए इसे आम जनता के लिए सरल, सहज और उपयोगी बना दिया है. बाबा रामदेव का मानना है कि नियमित योगाभ्यास न केवल बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है, बल्कि जीवन को ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता से भर देता है. वे यह भी कहते हैं कि योग को सही तरीके से, सही समय पर और सही भावना के साथ करना ही इसके पूरा लाभ दिला सकता है. बाबा रामदेव की किताब 'Yog Its Philosophy And PracticeÓ में योग करने के कुछ जरूरी नियम बताएं गए हैं, जो हम आपको इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं.

सही टाइम

बाबा रामदेव की किताब 'Yog Its Philosophy And Practice' में बताया गया है कि, योग आसान को सुबह और शाम दोनों समय पर करना अच्छा रहता है. लेकिन अगर आप 1 ही समय पर योग करना चाहते हैं तो सुबह का समय ज्यादा बेहतर रहता है. ये वो समय होता है जब दिमाग और शरीर दोनों शांत रहते हैं. अगर आप सुबह योग आसान करना चाहती हैं तो अपने घर के सारे काम निपटा कर कर सकती हैं. वहीं शाम को योग आसान खाने के 5-6 घंटे बाद ही करना चाहिए.

सही जगह

योग आसान करने के लिए सही जगह भी बहुत अहम होती है. योग करने के लिए आप कोई साफ-सुथरी, हरियाली से भरी और घास वाली जगह को ही चुनें. इसके अलावा कोई नदी और पूल साइड पर भी योग आसान करना बेहतर होता है. खुली जगहों पर योग करने से शरीर को अच्छे से ऑक्सीजन मिलता है. अगर आप घर के अंदर आसान कर रहे हैं तो आपको कोई वॉर्म लाइट या लैंप जलाना चाहिए.

सही कपड़े का चुनाव

योग आसान करते समय कपड़े भी अहम भूमिका निभाते हैं. इसके लिए आपको इनका सही चुनाव करना जरूरी है. जैसे पुरुषों को हॉफ पैंट और शॉर्ट्स में योग करना चाहिए. वहीं महिलाएं सलवार-कुर्ता और ट्रैक सूट पहन सकती हैं. ये कपड़े योग आसान करते समय आपको कंफर्टेबल फील कराएंगे.

खाने का सही समय

योग गुरु बाबा रामदेव की किताब के मुताबिक, योग आसान करने के आधे या 1 घंटे के बाद ही कुछ खाना चाहिए. साथ ही सिंपल कम मिर्च मसाले का खाना खाएं. वरना पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. योग आसान करने के बाद चाय पीने से भी परहेज करना चाहिए, क्योंकि पाचन तंत्र पर असर करती है, जिससे गैस, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत हो सकती है.

राहुल के पुंछ दौरे के बाद मोदी से उनकी सीधी तुलना!

यह जो कोर इशु है राष्ट्रवाद वह जब छद्म राष्ट्रवाद में भी परिवर्तित हो जाता है तब भी जनता की आंख नहीं खुलना चिन्ता की बात है। और पहलगाम ही घटना नहीं है। पहलगाम तो शुरूआत थी। उसके बाद अचानक सीजफायर सबसे बड़ा झटका थी। वाकई इतना बड़ा कि 11 साल में बने अंध भक्त भी हिल गए। बीजेपी और आरएसएस में भी बैचेनी फैल गई। अमेरिका की मध्यस्थता नहीं। सीधा आदेश।

क्या यह बात सही साबित हो रही है कि यथा प्रजा तथा राजा! सिद्धान्त~ यह बात नहीं मानी जाना चाहिए। एक तो राजशाही की कहावत है। कर्मों के फल के सिद्धांत से बनी है। दूसरे शासक से ज्यादा जनता को आरोपित करती है। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च होती है। लेकिन आज जो दिख रहा है वह ऐसा लगता है कि जैसे हम लोग ही, जनता ही राहुल के योग्य नहीं हैं!हम इसी को डिजर्व करते हैं जो पहलगाम के बाद हो रहा है। 11 साल में बड़ी-बड़ी घटनाएं हुईं। मगर कोई बड़ी नाराजगी, गुस्से, आक्रोश की लहर नहीं दिखी। बड़ी घटनाओं से आशय उनसे नहीं जिसे मोदी महत्व ही नहीं देते। जैसे नोटबंदी, कोरोना में सरकार का हाथ खड़े करना या बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी चिकित्सा, शिक्षा खतम करना और दूसरे तमाम आर्थिक रोजमर्रा की जिन्दगी से जुड़े सवाल।बड़े मामले वह जो मोदी के कोर इशु राष्ट्रवाद से जुड़े हैं। जिस राष्ट्रवाद के नाम पर बड़े-बड़े शब्दों का इस्तेमाल करके, काल्पनिक आशंकाएं दिखाकर वे हर बार वोट लेते हैं। भैंस छीन ले जाने से लेकर मंगलसूत्र छीन ले जाने तक।

और वह मंगलसूत्र उन्हीं के राज में एक साथ 26 महिलाओं का छिन गया। पहलगाम। 370 हटाने से आंतकवाद खत्म हो गया है और उससे पहले नोटबंदी से हो गया था। बहुत सारी बातें। लोगों को खुद याद करना चाहिए।तो ऐसी बड़ी बातें कोई सुरक्षा कवच तो बनाती नहीं केवल लोगों के मन में मोदी की बड़ी और बड़ी शक्ति को ही स्थापित करने की कोशिश करती हैं। मोदी का सारा जोर ऐसी ही बातों पर होता है। अभी आपने देखा गरम सिंदूर अपने लहू में बता दिया!

तो यह जो कोर इशु है राष्ट्रवाद वह जब छद्म राष्ट्रवाद में भी परिवर्तित हो जाता है तब भी जनता की आंख नहीं खुलना चिन्ता की बात है। और पहलगाम ही घटना नहीं है। पहलगाम तो शुरूआत थी। उसके बाद अचानक सीजफायर सबसे बड़ा झटका थी। वाकई इतना बड़ा कि 11 साल में बने अंध भक्त भी हिल गए। बीजेपी और आरएसएस में भी बैचेनी फैल गई। अमेरिका की मध्यस्थता नहीं। सीधा आदेश। प्रेसिडेन्ट ट्रंप यह कहते हुए दिखे कि मैंने दोनों से कह दिया कि युद्ध बंद करो। नहीं तो मैं बिजनेस बंद कर दूंगा। स्टाप इट . . . स्टाप इट साफ कहते दिखे। दोनों को एक समान मानकर। एक बार भी आतंकवादी नहीं कहा। अब तो लोगों ने शायद गिनना भी बंद कर दिया। लास्ट हमने जो देखा वह 9 बार बता रहे थे कि ट्रंप ने बोला। और हमारे प्रधानमंत्री ने एक बार भी विरोध नहीं किया कि यह किस भाषा में बोल रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवादी भेज रहा है और आप उसे और हमें एक समान बता रहे हैं।नहीं बोले मोदी! तो क्या फिर भी लोगों के मन में सवाल नहीं उठता कि यह कैसा राष्ट्रवाद है जो राष्ट्र पर हमले, राष्ट्र के अपमान पर भी कुछ नहीं बोलना?गलवान में क्या हुआ था? चीन अंदर घुसा हमारे 20 जवानों को शहीद किया और वहीं कब्जा करके बैठ गया। और हमारे प्रधानमंत्री ने क्या कहा कि न कोई घुसा है और न कोई है! लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक वह अंदर बैठा हुआ है।सड़कें बनाना, पक्के निर्माण करना, गांव बसाना, हमारी जगहों के नाम बदलना क्या नहीं कर रहा है? लेकिन मोदी मौन हैं! यह तो हुआ एक पक्ष कि कैसे मोदी अपने राष्ट्रवाद के मुख्य नारे या उनकी भारी शब्दावली में तो अपने मुख्य संकल्प की रक्षा भी नहीं कर पा रहे। शब्दों से होती भी नहीं है! नहीं तो डिक्शनरी ही सबसे बड़ा साहित्य या वीर रस का महाकाव्य होता!दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। हर जगह अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए। और सबसे बड़ी बात उपहास, अपमान के बाद भी। कृष्ण के इस उपदेश को तो लगता है उन्होंने ही सबसे ज्यादा आत्मसात किया है-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचना ! फल की इच्छा से दूर। और दूसरी तरफ देखिए यहां अभी तक पता नहीं चला है कि पहलगाम के आतंकवादी कौन थे लेकिन आपरेशन सिंदूर के नाम पर वोट मांगना शुरू कर दिए। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले पुलवामा में हमारे 46 जवान कैसे मारे गए थे यह भी आज तक पता नहीं चला मगर उसके नाम पर भी वोट मांग लिए गए थे।लेटेस्ट (नवीनतम) अभी राहुल गांधी पुंछ गए। पाकिस्तान ने यहां नागिरक क्षेत्रों पर भारी गोलाबारी की थी। 16 लोग मारे गए थे। 100 के करीब घायल हुए थे। मकान खंडहरों में बदल गए। गुरुद्वारे तक को नहीं छोड़ा। राहुल हर जगह गए। गुरुद्वारे जहां एक बुजुर्ग सरदार जी राहुल से कह रहे हैं कि मोदी यहां नहीं आए। पुंछ का नाम तक नहीं लिया। आपसे हमें बड़ी उम्मीदें हैं। देश को भी हैं। 11 साल की जाने कितनी घटनाएं हैं जहां राहुल लोगों के दुख दर्द में शामिल होने पहुंचे। नहीं लिख रहे। जनता को खुद याद करना चाहिए। और जनता को अगर याद नहीं रहता है तो फिर वही बात कि वह अच्छे और बुरे में फर्क ही नहीं करती है। उसे बहलाने वाला कि अच्छे दिन आएंगे, नारी पर वार नहीं होगा, 15 लाख खाते में आएंगे, इतने करोड़ रोजगार हर साल मिलेंगे, मेरे शासन में जन्म लेना सम्मान जैसी बातें ही पसंद है!यह सवाल पूछने वाला नहीं कि इतनी सरकारी नौकरियां खाली पड़ी हैं युवाओं को क्यों नहीं दी जा रहीं? करीब दस लाख तो केन्द्र सरकार ने 2023 में लोकसभा में माना था कि पद रिक्त पड़े हैं। और 2024 में राहुल ने कहा 30 लाख पद। जिन्हें उन्होंने भरने का वादा किया था। पूरे देश को जोड़ने वाली दो भारत यात्राएं की। लेकिन हमने उपर ही कहा कि नहीं लिख रहे। अगर खुद महसूस नहीं कर रहे तो लिखने से भी फायदा क्या?अभी तो एक महीना हुआ। पहलगाम की घटना को हुए। अगर वही भूल गए तो 11 साल का लेखा-जोखा लिखने से फायदा क्या?दोनों विदेश में थे। राहुल अमेरिका से दौरा छोड़कर लौटे। सीधे सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में। पहलगाम में मारे गए पर्यटकों के लिए शोक प्रस्ताव, मौन। शाम को इन्डिया गेट। केंडल लाइट लेकर श्रद्धांजलि। आल पार्टी मीटिंग में। जिसमें खुद प्रधानमंत्री नहीं आए। दो आल पार्टी मीटिंग हुईं। दोनों बार प्रधानमंत्री नहीं आए। राहुल कश्मीर गए। वहां घायलों से मिले। कानपुर गए। मृतक के परिवार से मिले। हरियाणा के नरवाल परिवार से मिले और अभी पुंछ।प्रधानमंत्री कहां गए? कोई पूछने वाला नहीं? अगर यह मीडिया पूछने वाला होता तो मोदी के राष्ट्रवाद का सारा नरेटिव (झूठी कहानी) खतम हो जाता।

मगर यह मीडिया तो बीजेपी वाले कहते हैं कि राहुल पाकिस्तानी है तो उसे भी और बढ़ा चढ़ाकर चलाते हैं। देश में इस समय सबसे बड़ा अपराधी गोदी मीडिया है। ट्रंप जो एक बार भीपाकिस्तान को आतंकवादी नहीं कह रहा उससे कोई सवाल नहीं कर रहे। और राहुल जो पाकिस्तान, आतंकवाद, चीन सबसे सवाल कर रहा है उसे सारी घटनाओं का जिम्मेदार बताने की कोशिश कर रहे हैं।लेकिन 11 साल में यह साफ हो गया कि इतनी कोशिशों, कहना चाहिए हर कोशिश के बाद भी यह राहुल को डरा, दबा नहीं पाए। तो क्या अब यथा प्रजा तथा राजा का मुहावरा बदलने का समय आ गया? यथा नेता तथा जनता होगा!जनता भी राहुल के साथ उठ खड़ी होगी! जनता ऐसे ही होती रही है। इतिहास के हर मौके पर एक समय आता है जब जनता झूठ और भावनाओं के जाल से निकलकर सच और हिम्मत का रास्ता अख्तियार करती है। राष्ट्रवाद वही मुद्दा है जहां जनता मोदी से सबसे ज्यादा सफल होने की उम्मीद करती थी। और वहीं उसे सबसे ज्यादा निराशा हुई है।

संपादकीय

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।।

अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है।

इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस म कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्र नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वा सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है।पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिय जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट वे आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 1 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भ ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्र संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था वि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बा से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भ अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ह होगा जैसा लड़कों का होगा।

सांप्रदायिक राजनीति से लड़ते हुए लोकतंत्र के लिए संघर्ष जरूरी

इस तथ्य के बावजूद कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में बैसरन घाटी में हुई भीषण हत्याओं पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए संसद में बुलाई गयी दो सर्वदलीय बैठकों से स्वयं को दूर रखने का फैसला किया

प्रमुख मुद्दे के अलावा, अन्य मामले भी थे जिनके लिए आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी -विशेष रूप से सैन्य मुठभेड़ से जुड़ी रिपोर्टों के संबंध में। मुख्यधारा के मीडिया द्वारा विचित्र और अपुष्ट दावों के प्रचार को देखते हुए यह विशेष रूप से आवश्यक हो गया था। इनमें से कुछ रिपोर्ट, विशेष रूप से 8 मई की रात को प्रसारित की गयी, जो इतनी अपमानजनक थीं।

इस तथ्य के बावजूद कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में बैसरन घाटी में हुई भीषण हत्याओं पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए संसद में बुलाई गयी दो सर्वदलीय बैठकों से स्वयं को दूर रखने का फैसला किया, जिसका असली कारण तो केवल उन्हें ही पता है, पर इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। सभी उपस्थित दलों के नेताओं ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जो कि संबंधित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा नामित एक आतंकवादी संगठन है, से जुड़े आतंकवादियों द्वारा की गयी आतंकी हत्याओं की स्पष्ट रूप से निंदा की। उन्होंने प्रतिक्रिया में उचित कदम उठाने में सरकार को अपना समर्थन भी दिया। युद्ध विराम की घोषणा तक यह आम सहमति बनी रही। सभी पक्षों ने सैन्य मुठभेड़ समाप्त होने तक कोई भी सवाल उठाने से परहेज किया।यह इसके बावजूद कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा घोषणा कि उन्होंने और उनके प्रशासन ने युद्ध विराम के निर्णय में मध्यस्थता की और उसे आगे बढ़ाया। फिर उसके बाद ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों को व्यापार परिणामों की धमकी के तहत युद्ध विराम के लिए दबाव डाला गया था। वह न केवल आश्चर्यजनक था, बल्कि शिमला समझौते में निहित सिद्धांतों का उल्लंघन भी था। बातचीत के माध्यम से समाधान के परिणामस्वरूप हुए उस समझौते ने दोनों देशों को चर्चा के माध्यम से सभी विवादास्पद मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करने के लिए प्रतिबद्ध किया था। इसके बावजूद, पाकिस्तान ने लगातार कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास किया है।यदि राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को सच मान लिया जाये, तो उनका अर्थ होगा कि कश्मीर मुद्दे का वास्तव में अंतरराष्ट्रीयकरण हो चुका है - एक निहितार्थ जो रणनीतिक और कूटनीतिक परिणामों से भरा हुआ है। हालांकि भारतीय अधिकारियों और सरकार ने दावा किया है कि युद्ध विराम द्विपक्षीय चर्चाओं का परिणाम था, इन दावों की सत्यता के बारे में काफी भ्रम, यदि वास्तविक संदेह नहीं हो तो भी, बना हुआ है।

इस प्रमुख मुद्दे के अलावा, अन्य मामले भी थे जिनके लिए आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी -विशेष रूप से सैन्य मुठभेड़ से जुड़ी रिपोर्टों के संबंध में। मुख्यधारा के मीडिया द्वारा विचित्र और अपुष्ट दावों के प्रचार को देखते हुए यह विशेष रूप से आवश्यक हो गया था। इनमें से कुछ रिपोर्ट, विशेष रूप से 8 मई की रात को प्रसारित की गयी, जो इतनी अपमानजनक थीं कि भारतीय मीडिया को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अधिकांश लोगों द्वारा कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। इन गलत बयानों ने अंततः हमारे राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचाई। इस प्रकार, युद्ध विराम के बाद, संसद के पटल पर सरकार द्वारा एक प्रामाणिक बयान एक तत्काल आवश्यकता बन गई।

इसके अतिरिक्त, जब पाकिस्तान के एक अरब डॉलर के ऋण के अनुरोध को बिना किसी आपत्ति या देरी के आईएमएफ के प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया, तब यह स्पष्ट रूप से एक कूटनीतिक विफलता थी।इस संदर्भ में संसद के एक विशेष सत्र का आयोजन तत्काल महत्व रखता है। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान, जिसके बाद सदन में एक संरचित बहस होती,और जो एक सच्ची राष्ट्रीय सहमति बनाने की अनुमति देता। इस तरह के एक कदम से पारदर्शिता और राजनीतिक परिदृश्य में कई और विविध दृष्टिकोणों का एकीकरण भी सुनिश्चित होता। परिभाषा के अनुसार, राष्ट्रीय सहमति थोपी या निर्मित नहीं होती है - इसे लोकतांत्रिक जुड़ाव के माध्यम से विकसित होना चाहिए। इस विकास में भिन्न दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति एक महत्वपूर्ण घटक है।फिर भी, अपने ही ज्ञात कारणों से, सरकार ने विशेष सत्र की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देने का फैसला किया। इसके बजाय, उसने मान लिया कि आतंकवाद और उसके प्रायोजकों की निंदा करने में राजनीतिक दलों का समर्थन व्यापक राष्ट्रीय सहमति के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।

सैन्य मुठभेड़ के दौरान, आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में से एक में, विदेश सचिव ने एक पाकिस्तानी नेता की टिप्पणी का सही जवाब दिया कि भारतीय अपनी सरकार की आलोचना करते हैं। विक्रम मिसरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जहां सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। वास्तव में, भारत का संविधान और इसका धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सामना करने में हमारी प्रमुख ताकत है।

राष्ट्रीय सम्मान का यह क्षण एक बार फिर से उन ताकतों की पुष्टि करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था, ताकि एक वास्तविक राष्ट्रीय सहमति विकसित करने के लिए उचित, पारदर्शी और लोकतांत्रिक बहस में शामिल होकर ऐसा किया जाता।

इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने कूटनीतिक पहुंच बढ़ाने के साधन के रूप में राजनीतिक एकता दिखाने का प्रयास किया। लेकिन उचित और समावेशी आम सहमति के बिना, उस कूटनीतिक लाभ को बनाये रखना भी मुश्किल हो जायेगा। फिर भी, भारत की स्थायी ताकत उसके संविधान के मूल मूल्यों में निहित है। सीमा पार आतंकवाद की समकालीन चुनौती का सामना करने में इन्हें नये जोश के साथ पेश किया जाना चाहिए।

इसलिए, वर्तमान अनिवार्यता पहचान से प्रेरित सांप्रदायिक राजनीति के सभी रूपों का मुकाबला करते हुए लोकतंत्र के लिए संघर्ष जारी रखना है। ध्रुवीकरण को भड़काने के लगातार प्रयासों के मद्देनजर यह दोगुना महत्वपूर्ण हो जाता है। हालांकि, इस तरह केआतंकवाद के खिलाफ हमारे अभियान को आगे बढ़ाने और भारत को पाकिस्तान से अलग करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता को कम नहीं करना चाहिए। हमारा लक्ष्य इस महत्वपूर्ण मोड़ पर इन दोहरी अनिवार्यताओं को एकीकृत करना होना चाहिए।

शरीर में होने वाली शुगर की बीमारी को मधुमेह कहा जाता है। इस बीमारी में खून में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। ऐसा इंसुलिन की गड़बड़ी के कारण होता है। इंसुलिन शरीर में पाया जाने वाला ऐसा हॉरमोन है जो खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखता है।

शुगर नियंत्रण के आसान नुस्खे

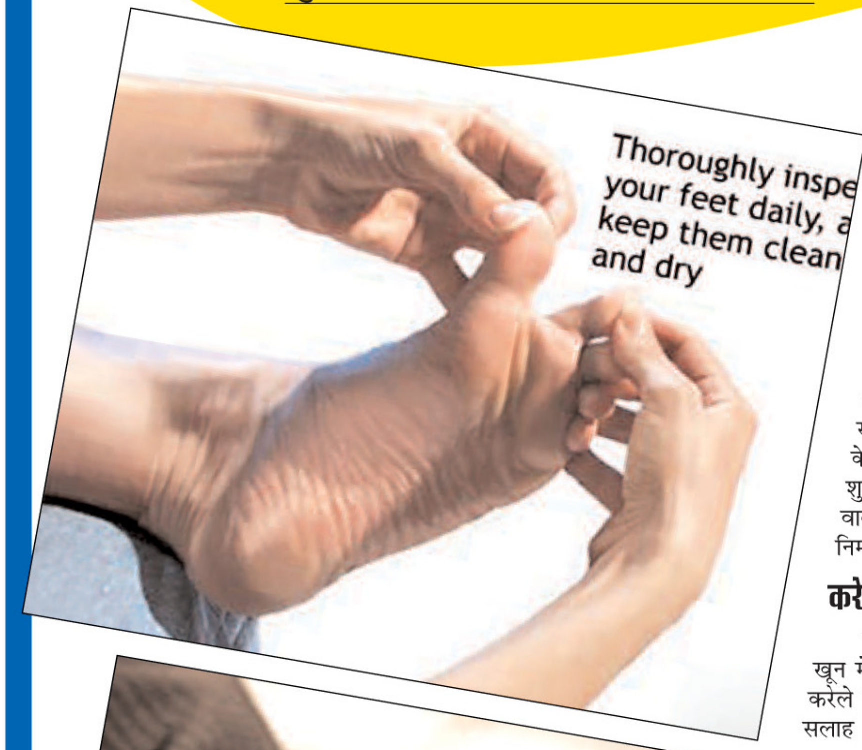

भागम-भाग की जिदंगी में ज्यादातर लोग स बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी का असली कारण तनाव और अनियंत्रित दिनचर्या है। इसके इलाज के लिए बाजार में अनेक दवाओं से लेकर इंसुलिन का इंजेक्शन तक मौजूद है लेकिन इनकी उपलब्ध और कीमतों को देखकर इन्हें वाजिब नहीं माना जा सकता। घरेलू नुस्खे और उसमें उपयोग आने वाले घरेलू चीजें सस्ती और इस मर्ज के लिए कारगर हैं। शुगर को कम करने वाली ये घरेलू चीजें और उसके नुस्खे निम्नलिखित हैं।

करेला

घर में अक्सर यह सलाह दी जाती है कि खून में शुगर के स्तर को कम करने के लिए करेले का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सलाह बेवजह नहीं है। इस सलाह के पीछे सार्थक वास्तविकता यह है कि करेला में ऐसे तत्व पाये जाते है जो स्वाद में तो कड़वे लगते है लेकिन खून के विकार भगाने में अव्वल है। शुगर इन्हीं विकारों में एक है।

दालचीनी

दालचीनी को शहद के साथ सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है जिससे शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। इससे खून में शुगर का स्तर स्वत: गिर जाता है।

लहसुन

लहसुन को शुगर की बीमारी में अचूक इलाज के तौर पर लिया जा सकता है। शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाकर शुगर की समस्या को लहसुन कम करता है।

लहसुन को खाने में ज्यादा मात्रा में उपयोग कर स्वास्थ्य को तंदरूस्त बनाया जा सकता है। सांस की बीमारी में यह लाभदायक है, यह तो सबको पता है।

मेथी

मेथी में पॉलीसैकेराईड, एल्केलॉयड कोलीन, सेपोनिन डायोसजोर्निन और येमोजेनिन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। मेथी में पाये जाने वाले ये तत्व खून में शुगर और कोलेक्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हैं। ●

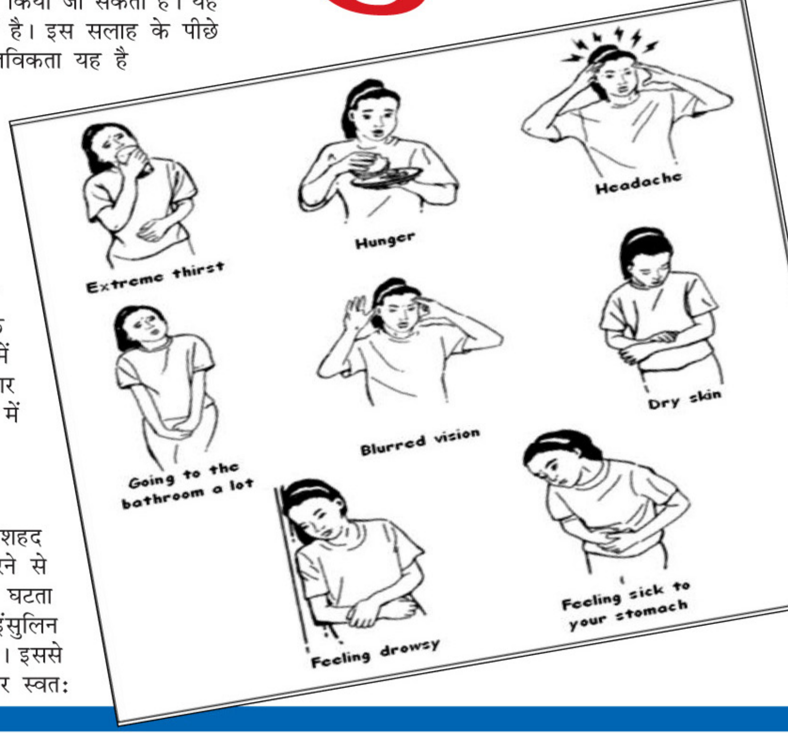

लाइलाज नहीं है बहरापन

भारत में प्रतिवर्ष 10 लाख ऐसे बच्चे जन्म लेते हैं जिनमें सुनने की क्षमता सामान्य से काफी कम होती है हालांकि स्क्रीनिंग के जरिये होने वाली बहरेपन की शुरूआती जांच तथा कोक्लर प्रत्यारोपण और थेरेपी से इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक बीके राव का कहना है कि भारत में सुन न पाने वाले बच्चे अक्सर गूंगेपन का शिकार हो जाते हैं और इसी वजह से वह ठीक से बोल नहीं पाते।

अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन यह बताते हैं कि जिन बच्चों में बहरेपन का जन्म के छह से आठ महीने के अंदर पता चल जाता है उनका इलाज संभव है। उत्तर भारत में केवल सर गंगा राम अस्पताल में ही बहरेपन की स्क्रीनिंग की सुविधा है। अस्पताल में वर्ष 2007 से ही ये परीक्षण किये जा रहे हैं और अब तक 4578 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं।

बहरेपन की स्क्रीनिंग के बाद मरीज का कोक्लर इम्प्लांट और थेरेपी के द्वारा इलाज किया जाता है। इस इलाज के बाद ज्यादातर मरीज सामान्य व्यक्ति की तरह सुन पाने में सक्षम हो जाते हैं। कोक्लर इम्प्लांट दो तरीके का होता है जिसमें पहले में मरीज को छह से 12 लाख रुपए खर्च होते हैं। एक बार कोक्लर इंप्लांट हो जाने के बाद यह अस्सी वर्षों तक चलता है। ●

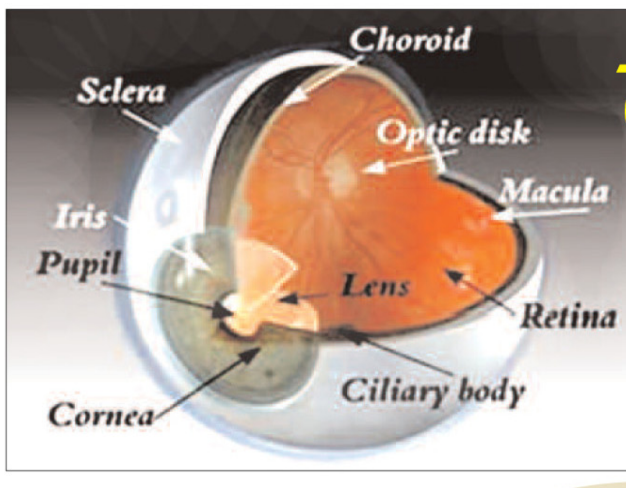

मोतियाबिंद देरी हो सकती है घातक

मोतियाबिंद आंख की एक प्रमुख बीमारी है, जो उम्र ढलने के साथ अपने लक्षण दिखाने लगती है। मोतियाबिंद को लेकर कई मत सामने आते हैं। समझदारी इसी में है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन इसके पकने के बाद ही कराएं। इसके साथ ही लोगों का यह भी मानना है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन हमेशा जाड़े में ही करवाना चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल गलत धारणा है।

डॉक्टरों के मुताबिक मरीज को न तो इसके पकने का इंतजार करना चाहिए और न ही मौसम का। जब भी किसी को मोतियाबिंद की शिकायत हो इसका इलाज तुरंत करवा लेना चाहिए।

सर्जरी से होता है इलाज

सामान्यत: लोग मानते हैं कि मोतियाबिंद का इलाज लेजर से हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेजर से नहीं किया जा सकता है। इसका एकमात्र इलाज सर्जरी है। इसकी सबसे सटीक और अत्याधुनिक तकनीक है फेकोइमल्सीफिकेशन। इसमें मरीज की आंख में एक लेंस लगा दिया जाता है। यह लेंस कई प्रकार की होते हैं।

- मोनो फोकल
- बाई फोकल
- मल्टी फोकल

डॉक्टरों की सलाह है कि मरीज को मल्टी फोकल लेंस ही लगाने चाहिए। इससे मरीज को बाद में चश्मे की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस ऑपरेशन में मात्र 15 से 20 मिनट लगते हैं।

चश्मे की जरूरत नहीं

आमतौर पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद चश्मे की जरूरत नहीं होती है, लेकिन पांच फीसदी मामलों में मरीज को चश्मे लगाने पड़ सकते हैं। डॉक्टरों की सलाह हे कि मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन करवाने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और इसका इलाज शुरूआती दौर में ही करा लेना चाहिए। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत ज्यादा सावधानियां भी नहीं बरतनी पड़ती है और एक दिन के अंतराल के बाद मरीज सामान्य रूप से देखने भी लगता है। ●

निरोगी बनाती है लौंग

लौंग के वृक्ष सुंदर और सुगंधित होते हैं। इसके पत्ते भी सुगंधित होते है। इसके फूल की कलियों को लौंग कहते है। बाजार में जो लौंग मिलते हैं, उनमें से बहुतों का तेल निकाला हुआ होता है। असली लौंग वही होता है, जिससे तेल न निकाला गया हो। भावप्रकाश के अनुसार लौंग चरपरी, कड़वी, नेत्र-हितकारी, शीतल, दीपन, पाचन, रूचिकारक तथा कफ, पित्त, रक्तरोग, प्या, मूर्च्छा , अफरा, दर्द, खांसी, हिचकी व क्षयरोग नाशक हैं। राजनिघंटु के अनुसार लौंग गरम, तीक्षण, पाक के समय मधुर, शीतवीर्य तथा त्रिदोष, आम, क्षय व खांसी नाशक है।

लौंग पाचन क्रिया पर सीधा प्रभावी है, जिससे भूख बढ़ती है, आमाशय की रसक्रिया को बल मिलता है और मन प्रसन्न होता है।

यह कृमिनाशक है। आमाशय और आंतों में रहने वाले सूक्ष्म जंतुओं के कारण पेट फूलता है, यह उन जंतुओं को यह नष्ट करता है। यह रक्त में श्वेतकणों को बढ़ाता है। इस गुण के कारण शरीर में रहने वाले रोगमूलक कीटाणुओं को नाश होता है।

यह चेतनाशक्ति जागृत करता है। इसका यह गुण ह्दय रक्तसंचार और तेजी से सांस लेने छोड़ने पर स्पष्ट दिखता है। इस कारण त्रिदोष और सन्निपात में दी जाने वाली औषधियों में इसको मिलाया जाता है। यह शरीर की दुर्गंध को नष्ट करता है। कफ, लार और मुंह से आने वाली दुर्गंध को दूर करने में उपयोग किया जाता है।

लौंग मूत्रल है, इस कारण यह मूत्रपिण्ड के मार्ग की शुद्धि करता है और शरीर के बाहरी भाग पर इसको लगाने से यह चेतनाकारक, वेदनानाशक, व्रणशोधक और व्रणरोपक हैं।

- **ज्वर:** लौंग और चिरायता बराबर मात्रा में लेकर पानी में घोटकर पिलाएं। इससे ज्वर और उसके बाद की निर्बलता मिटती है।
- **गठिया :** लौंग के तेल की मालिश से गठिया के दर्द में लाभ होता है।
- **सिरदर्द :** इसमें लौंग के तेल की माथे पर मालिश करें।
- **दांत का दर्द :** दांत दर्द में लौंग के तेल को दांत की कोचर में रखें।
- **सांस की दुर्गंध :** मुंह में लौंग रखने से से मुंह और सांस की दुर्गंध दूर होती है।
- **नेत्र रोग :** तांबे के पात्र में लौंग को पीसकर शहद मिलाकर आंखों के सफेद भाग के रोग मिटते हैं।
- **ह्दय में रक्तसंचार :** लौंग को ठंडे पानी में घोट-छानकर मिश्री मिलाकर पिएं।
- **कुकर खांसी :** लौंग को आग में भूनकर शहद मिलाकर चाटें।
- **अजीर्ण :** लौंग और हरड़ का गाढ़ा बनाकर उसमें थोड़ा-सा सेंधा नमक डालकर पिलाएं।
- **जी मिचलाना:** लौंग को पानी में घोटकर कुनकुना कर पिलाएं, इससे प्यास और जी मिचलाना मिटता है।
- **नासूर :** लौंग और हल्दी पीसकर लगाएं।
- **मात्रा:** लौंग की मात्रा 120 से 250 मि.ग्रा. तक की है। ●

प्राणायाम से पाएं दीर्घायु

वेद और योग में आठ प्रकार की वायु का वर्णन मिलता है, जिनमें जीव विचरण करते हैं। प्राण, अपान, समान आदि वायुओं से मन को रोकने और शरीर को साधने को अभ्यास करना अर्थात् प्राणों को आयाम देना ही प्राणायाम है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राणवायु या शक्ति का विस्तार। सबमें निहित है प्राणशक्ति। प्राणायाम करने से व्यक्ति अपनी आयु भी बढ़ा सकता है। प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को कभी भी श्वांस में परेशान नहीं हो सकती। ●

मुस्कुराकर मिटाएं झुर्रियां

चेहरे की उम्र घटाना हो तो इसके लिए मुस्कराहट एक उत्तम व्यायाम है। सिर्फ इसीलिए नहीं कि मुस्कुराते हुए आप सुंदर तो दिखती ही हैं। साथ ही मुस्कुराने से चेहरे पर आती झुर्रियों को रोका भी जा सकता है, तो फिर मुस्कुराने के लिए हो जाइए तैयार। यह मुस्कराहट भरा व्यायाम करने के लिए होंठों के कोनों को कानों की ओर फैला कर स्लो मूवमेंट में मुस्कराना शुरू कीजिए। हर मूवमेंट के साथ अपनी मुस्कराहट कुछ चौड़ी कीजिए। यह करते हुए आप निचले होंठ और ठुड्डी को स्ट्रेच करने की कोशिश कीजिए। वैसे ही जैसे ई बोलने के लिए करती हैं। कम से कम कुछ मर्तबा यह व्यायाम कीजिए। ये व्यायाम मन शांत रखता है और इससे आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है। चेहरे के व्यायाम के साथ-साथ मुस्कुराहट आपके मन को भी शांत रखने का कार्य करती है। इससे आपका उत्साह बना रहता है, आपके व्यक्तित्व में निखार आता है और आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है।

लगाव | जग्गी वासुदेव

इच्छा ही दुखों का कारण है' ऐसी सीख देने वालों के मुंह से आपने यह भी सुना होगा, ''किसी व्यक्ति या वस्तु पर आसक्त न बनो, उस पर लगाव न रखो। मोह, आसक्ति या लगाव तुम्हारे विकास के पथ के रोड़े हैं' यों कहकर वे लोग आपको धमकाते हैं। आप तो स्नेह और आसक्ति के साथ जीने के अभ्यस्त हैं। इसलिए उपर्युक्त वर्जना को सुनकर आप पशोपेश में पड़ सकते हैं। ''किसी के साथ कुछ भी हो जाए, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता' ऐसी उपेक्षा या लापरवाही का भाव अनासक्त रहना है-ऐसा गलत अर्थ लेना निश्चय ही अपने आपको धोखा देना है। किसने कहा, लगाव होने पर विकास नहीं होगा? धरती के साथ आसक्त होकर जब पेड़ अपनी जड़ों को माटी के अंदर गहराई से फैलाता है तभी

वह स्वस्थ रूप में पनपता है; अनेक पक्षियों को आश्रय देता है; हवा में प्राणवायु का प्रवाह करता है; फलों को प्रदान कर उपकार करता है। यदि उसे धरती से अलग कर दें तो नष्ट हो जाता है। प्रकृति की तरह ही यह हम पर भी लागू होता है आपके विषय में भी यही बात सही है किसी के कहने में आकर यदि आप स्नेह-बंधन के धरातल से अपने आप को जबर्दस्ती छुड़ाने की कोशिश करेंगे तो निश्चित रूप से स्वयं को घायल कर लेंगे। यदि आपकी सहज प्रकृति स्नेह करने की ओर आसक्त रहने की है तो आप अपनी प्रकृति को बदलने का प्रयत्न मत कीजिए। कोई व्यक्ति मेंढक को लेकर शोध कर रहा था मेंढक को उसने इस तरह प्रशिक्षित किया था कि यदि वह कहता ''कूदो' तो मेंढक तुरंत कूदता। शोध के दौरान वह मेंढक की एक टांग को काटने के बाद बोला ''कूदो'। बेचारा मेंढक तीन टांगों के साथ थोड़ी मुश्किल से कूद पाया। दूसरी टांग काटकर उसने कहा ''कूदो', तब भी मेंढक कष्ट के साथ कूदा। तीसरी टांग काटने पर अत्यंत वेदना के साथ एक टांग से किसी तरह कूदा था। अंत में चौथी टांग को भी काटकर उसने आदेश दिया ''कूदो'। सरकने में असमर्थ होकर मेंढक ने उसे कातर दृष्टि से देखा। वह तो बार-बार मेंढक को कूदने के लिए कहते हुए चिल्लाने लगा। मेंढक बिल्कुल हिला नहीं। उस व्यक्ति ने अपने शोध का निष्कर्ष इस प्रकार लिखा-''चारों टांगों को निकाल देने पर मेंढक की श्रवण-शक्ति समाप्त हो जाती है।' इसी तरह कुछ लोग कोई बात होने पर और किसी नतीजे पर पहुंच कर सिद्धांतों की स्थापना कर देते हैं। दुख के आधारभूत कारण को सही ढंग से समझे बिना यह घोषणा कर देते हैं-इच्छा या आसक्ति से ही दुख पैदा होता है।

खबरें जरा हटके

बच्चे को लगी नूडल्स और कोला की लत, 10 साल की उम्र में हुआ 200 किलो वजन

नई दिल्ली। फास्टफूड बड़ों और बच्चों दोनों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहा है। डॉक्टर्स भी बच्चों को फास्टफूड से दूर रखने की सलाह देते हैं, लेकिन फास्टफूड के टेस्ट के कारण बच्चे इस ओर आकर्षित होते हैं। इंडोनेशिया में एक दस साल के बच्चे का वजन नूडल्स और कोला की लत के कारण 200 किलो का हो गया।

ज्यादा वजन की वजह से अब यह बच्चा न तो स्कूल जा पा रहा था और न ही ठीक से चल पा रहा था। लगातार बच्चे का वजन बढने के कारण उसकी सर्जरी करनी पड़ी। सर्जरी के बाद भी उसक वजन अन्य बच्चो के मुकाबले काफी ज्यादा है। बच्चे का नाम आर्य मोसंत्री है और वह दिन में पांच बार खाता था। खाने में यह बच्चा काके के साथ इंस्टेंट नूडल्स, चावल, मीट और मछली लेता था। आर्य के माता पिता किसान हैं और बताते हैं कि दिन में इतना खाना खाने के बाद भी आर्य को बहुत भूख लगती है। जब डॉक्टर को दिखाया गया तो डॉक्टर भी उसका वजन देखकर चौंक गए। डॉक्टर ने नॉन वेज छोड़कर केवल हैल्दी डायट आर्य को देने के लिए कहा, लेकिन ऐसा करने के बाद भी उसकस वजन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आखिर में डॉक्टर्स को उसकी सर्जरी करनी पड़ी। आर्य की मां रकैया ने बताया कि उनका बेटा तीन आदमियों के बरार खाना खाता था। आर्य का 17 अप्रेल को ऑपरेशन किया गया था, लेकिन इसके बाद भी केवल 9 किलो वजन ही कम हो सका। हालांकि ऑपरेशन के दो महीने बाद आर्य का 16 किलो वजन और कम हो गया।

यह स्टाइलिश बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से बनवाता है दाढ़ी

नई दिल्ली। आपने बंदरों को केवल एक छत से दूसरी छत पर कूद फांद करते या फिर लोगों से खाने का सामान छीनते ही देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा बंदर देखा है जो इंसानों की तरह दाढ़ी बनवाता हो। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लाल रंग की टीशर्ट पजाना और पैरों में कार्टून कैरेक्टर वाले जूते पहने एक बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से दाढ़ी बनवा रहा है।

इंस्टाग्राम के बैड ऐस ऑफिशियल पेज पर बुधवार को इस वीडियो को अपलोड किया गया था। जाहिर है कि वीडियो में नजर आने वाला बंदर पालतू है और कोई व्यक्ति बाथरूम में इसकी दाढ़ी बना रहा है। बंदर यहां खड़े होकर आराम से दाढ़ी बनवा रहा है।

इसके अलावा बंदर का हेयर स्टाइल भी काफी अलग है। मिलिट्री स्टाइल की हेयर कटिंग इस पर काफी जच रही है। छह घंटे में ही इस वीडियो को 3.15 लाख लोगों ने देख लिया है और इस पर 1200 से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं।

सेहत

दर्द होने पर कान में न डालें गर्म तेल, वर्ना होगा नुकसान

कान में अचानक दर्द होना एक आम समस्या है। यह तकलीफ अमूमन बच्चों को होती है। इसमें बच्चा कानदर्द की वजह से रात को उठकर रोने लगता है और माता-पिता परेशान हो जाते हैं। आइए जानते हैं इसकी वजहों के बारे में।

कारण: ज्यादा दिनों तक सर्दी और जुकाम रहने से नाक के पिछले भाग से कान तक आने वाली यूस्टेकियन ट्यूब ठीक से काम करना बंद कर देती है जिससे संक्रमण व सूजन आ जाती है और द्रव्य बढने से कान में दबाव असामान्य हो जाता है। बच्चों में यह ट्यूब छोटी व सीधी होने की वजह से नाजुक होती है इसलिए उन्हें कानदर्द ज्यादा होता है। दर्द से बच्चे की नींद खुल जाती है, बुखार, चिड़चिड़ाहट, दस्त, उल्टी, सुनने में कमी व कान में भारीपन जैसे लक्षण होने लगते हैं। कान में फुंसी, मैल का फूलना, सूजन, गले, दांत व जबड़ों की तकलीफ में भी कानदर्द हो सकता है।

सावधानी: दर्द को नजरअंदाज करने से कान में दबाव बढ़कर पर्दे में छेद हो सकता है। अनदेखी से दिमाग व कान के पीछे की मेस्ट्रॉइड हड्डी प्रभावित होती है।

न पालें भ्रम : कई बार माता-पिता बच्चे की तकलीफ देखकर उसके कान में गर्म तेल की बूंदें डाल देते हैं जिससे कुछ समय के लिए आराम तो मिलता है लेकिन बाहरी संक्रमण का खतरा रहता है।

इलाज: दर्द निवारक, एंटीबायोटिक, एंटीएलर्जिक और एंटीकोल्ड दवाएं दी जाती हैं। नाक की यूस्टेकियन ट्यूब में सूजन को कम करने के लिए डीकंजेस्टेंट ड्रॉप देते हैं। बार-बार कान के पर्दे के पीछे द्रव्य जमा होने पर वेंटिलेशन ट्यूब (ग्रोमेट) से इलाज किया जाता है।

एहतियात बरतें

धूल और धुएं से बचें। खट्टी व फ्रिज की ठंडी चीजों से परहेज करें। छोटे बच्चों को केवल मां का दूध पिलाएं। साथ ही मां, बच्चे को लेटकर दूध न पिलाएं। फीड कराते समय बच्चे का सिर थोड़ा ऊंचा रखें। गंदगी व भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं। रोग से ग्रस्त व्यक्ति स्वीमिंग और हवाई यात्रा न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

दत्ता जी को बहुत से लोग भत्ता जी भी कहा करते थे। शायद इसलिये कि दौरे पर बहुत रहते थे और दौरे पर रहने में उन्हें भत्ता काफी मिल जाता था। मई के पहले हफ्ते की बात है कि उन्हें दो दिन बाद ही टूर पर जाना था। उनका बेटा पप्पी उनके कमरे में आया तो न जाने क्या सोचकर वे उसे पीटने लगे। बच्चो को पिटता देखकर पडौस के एक मित्र उनके पास आए और बच्चो को पीटने का कारण पूछा तो दत्ता जी ने बताया-'दरअसल मैं दो दिन बाद टूर पर जा रहा हूं और टूर की अवधि में ही इस नालायक का रिजल्ट निकल आएगा।'

❑ ❑ ❑

बंता अपने मित्र से बोला , मेरी पत्नी को मेरा कितना दर्द है।

रात को मैने उससे कहा कि गर्म, पानी कर दो उसने तुंरत गर्म पानी कर दिया।

तो क्या हुआ पर तुमने उसे गर्म पानी करने की तकलीफक्यों दी। इसलिए कि मैं ठंडे पानी से बरतन नहीं धो सकता।

❑ ❑ ❑

पति शराब पीकर घर आया और पत्नी से बोला- डार्लिंग आज कुछ ऐसा करो कि मेरे कदम जमीन पर न टिके ।

पत्नी- कमीने फांसी लगा ले।

काकुरो पहेली 4067

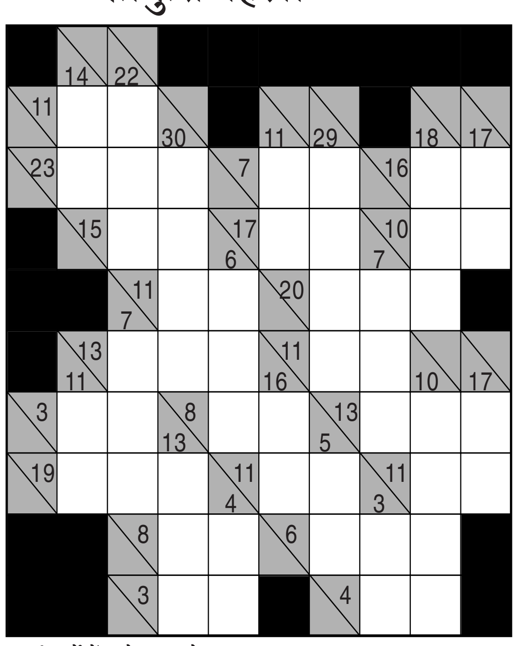

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

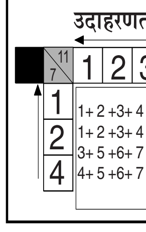

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4066 का हल

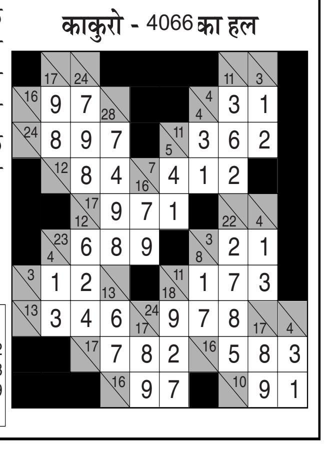

फिल्म वर्ग पहेली- 4067

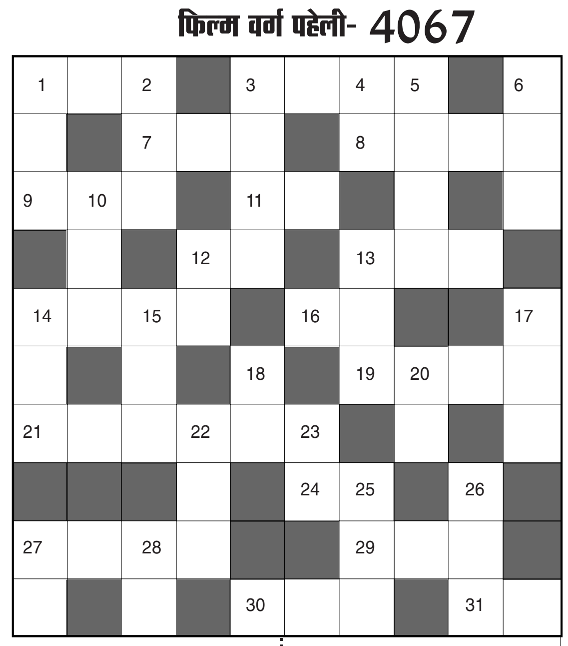

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

सूडोकु -4067

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4066 हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 4067

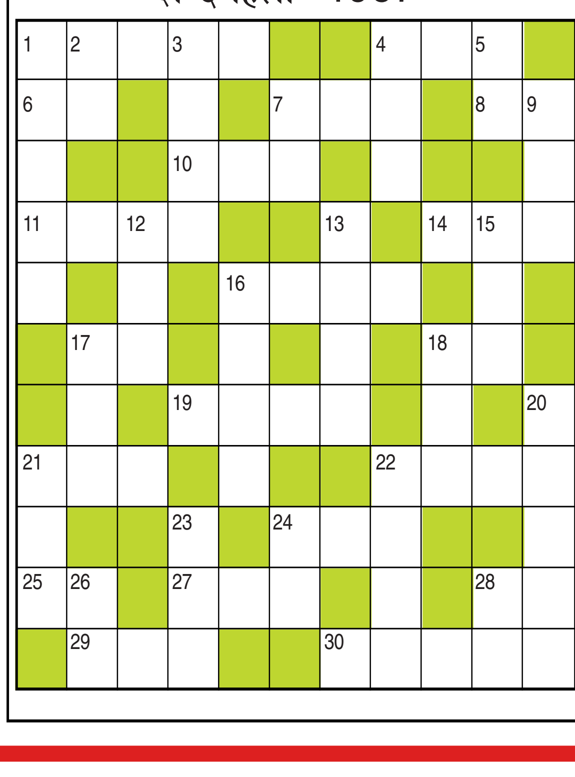

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली 4066 का हल

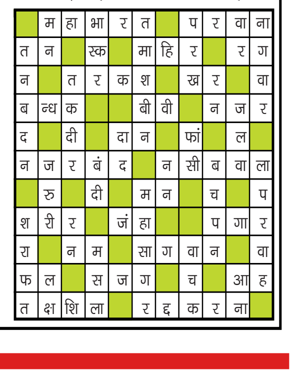

छत्तीसगढ़ के सुकमा से ग्रामीण की हत्या में शामिल दो लाख के इनामी सहित दो नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा से ग्रामीण की हत्या में शामिल रहे दो लाख के इनामी सहित दो नक्सलियों को सुकमा पुलिस और डीआरजी ने संयुक्त अभियान में गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों बहुत दिनों से फरार चल रहे थे। थाना जगरगुण्डा में कार्रवाई के उपरांत आज न्यायालय में पेशकर दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर के सूचना पर आज थाना जगरगुण्डा से पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जगरगुण्डा तोमेश वर्मा के हमराह जिला बल और डीआरजी बल एवं कैम्प बेदरे से 165 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन-नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए ग्राम गोंदपल्ली व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान ग्राम गोंदपल्ली की घेराबंदी कर थाना जगरगुण्डा के प्रकरण में फरार चल रहे दो नक्सली पुनेम लिंगा (मंडीमरका आरपीसी डीकेएमएस अध्यक्ष इनाम दो लाख) निवासी गोंदपल्ली रेंगापारा थाना जगरगुण्डा एवं डोडी गंगा (मंडीमरका आरपीसी डीकेएमएस सदस्य) निवासी ग्राम गोंदपल्ली पटेलपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा को गिरफ्तार किया गया।

भाजपा विधायक सहित पांच लोगों को देहरादून सीबीआई कोर्ट ने सुनाई एक-एक साल की सजा

हरिद्वार। हरिद्वार की रानीपुर सीट से भाजपा विधायक आदेश चौहान को उत्तराखंड की देहरादून सीबीआई कोर्ट ने सजा सुनाई है। कोर्ट ने विधायक के साथ-साथ तीन पुलिस निरीक्षक समेत कुल पांच लोगों को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई है। यह मामला 2009 का है, जब विधायक आदेश चौहान की भतीजी के दहेज उत्पीड़न मामले में उसके पति मनीष को कथित तौर पर पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया गया था। मनीष ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने विधायक के दबाव में आकर उसके साथ मारपीट की और झूठे आरोप लगाए। मनीष ने इस मामले में उत्तराखंड हाई कोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद हाई कोर्ट ने सीबीआई को जांच सौंपी और मामला दर्ज करने के आदेश दिए। लंबी जांच प्रक्रिया के बाद अब देहरादून सीबीआई कोर्ट ने सभी आरोपितों को दोषी ठहराते हुए एक-एक साल की सजा सुनाई है।

लालू परिवार ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी, मैं इस मामले को लेकर अदालत जाउंगी : एश्वर्या राय

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव के बड़े बेटे सह विधायक तेजप्रताप यादव के नए रिलेशनशीप के खुलासे के बाद उनकी पहली पत्नी एश्वर्या राय ने प्रतिक्रिया दी है। एश्वर्या ने कहा कि लालू परिवार ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी, वह इस मामले को अदालत में लेकर जाएंगी। एश्वर्या ने कहा है कि वह इस मामले को कोर्ट में ले जाएंगी। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी है।

जब उन्हें पता था कि उनका बेटा 12 साल से रिलेशन में है, तो उसकी शादी क्यों कराई? क्या ये लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को पता नहीं था? ये लोग नाटक कर रहे है कि तेजप्रताप को निकाल दिया गया है। तेजप्रताप की नई प्रेम कहानी सामने आने के बाद एश्वर्या ने कहा कि जब इन लोगों को पता था कि ऐसी बात है, तो फिर मेरी शादी क्यों करवाई और मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की? मेरे साथ मारपीट क्यों किया? अभी इनका सामाजिक न्याय कहां चला गया है? ये सब लोग मिले हुए हैं और कोई अलग नहीं हुआ है। कल (रविवार को) भी राबड़ी देवी अपने बेटे के पास गई होंगी और उसके आंसू पोछी होंगी और कहा होगा कि अभी शांत रहो, सब हम ठीक कर देंगे। बिहार में चुनाव होना है, इसलिए इन लोगों ने ऐसा ड्रामा किया है।

नवाचारों से किसानों का जीवन सुधारने को मप्र सरकार चला रही किसान कल्याण मिशन : मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नई कृषि तकनीकों और नवाचारों से किसानों का जीवन और बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 'ज्ञान' को क्रियान्वित करने के लिए हमारी सरकार ने गरीब, युवा, किसान (अन्नदाता) और नारी के सशक्तीकरण के लिए प्रदेश में चार मिशन लॉन्च किए हैं। किसान कल्याण मिशन इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन में मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

राज्य सरकार ने किसानों से 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा है। हमने किसानों को 32 लाख सोलर पंप बांटने की योजना लागू की है। किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पंप दिए जा रहे हैं। किसानों को सम्पन्न बनाने के लिए सरकार ने किसान मेले शुरू किए हैं इसमें अन्नदाताओं को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में आयोजित कृषि उद्योग समागम-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य आतिथ्य और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश जगदीप धनखड़ विशेष रूप से मौजूद रहीं।

तेज प्रताप का राजद से निकाला जाना 'छलावा', जदयू का गंभीर आरोप

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। इस पर सियासी बयानबाजियों का दौर जारी है। इसी बीच, बिहार में सत्ताधारी जदयू के प्रदेश महासचिव साकेत सिंह ने इस कार्रवाई को सिर्फ छलावा बताया है। उन्होंने लालू यादव पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि दिन में पोस्ट करते हैं और रात को 'बबुआ' को बुलाकर माथा सहलाते हैं। लालू यादव समाजवाद के नाम पर बिहार की जनता के साथ छलावा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तेज प्रताप यादव के व्यक्तिगत जीवन पर टीका-टिप्पणी उचित नहीं है, लेकिन उनका जीवन सामाजिक है, वह पूर्व मंत्री रहे हैं, विधानसभा के सदस्य हैं और एक 'राज परिवार' के पुत्र हैं। साकेत सिंह ने आरोप लगाया कि लालू यादव बिहार की जनता के साथ छलावा कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि लालू यादव ने अपने पुत्र तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी

से निष्कासित किया है, कहां है उसका प्रमाण? केवल सोशल मीडिया पर लिख देने से कोई निष्कासित हो जाता है? तेज प्रताप के विधानसभा की सदस्यता रद्द करने के लिए लालू यादव ने विधानसभा अध्यक्ष को कोई पत्र दिया है? उन्होंने कहा, '1990 से लेकर 2005 तक की जो तस्वीर थी, उसका सिर्फ चोला बदला हुआ है, कारनामा वही है। उनके परिवार के सदस्य साधु यादव भी कह रहे हैं कि लालू यादव का परिवार समाज को कलंकित करने का काम कर रहा है।' उन्होंने तेजस्वी यादव की 'माई बहिन मान योजना' पर सवाल उठाते हुए कहा, 'ये लोग 'माई-बहिन मान योजना' का बैनर लगाकर घूम रहे हैं, यह चुनावी जुमला है और उस परिवार की बेटी स्वर्गीय दरोगा प्रसाद की पोती को न्याय कब मिलेगा? लालू यादव को इस उम्र में सच बोलना चाहिए। अब वह दौर नहीं है कि जो लालू यादव कहेंगे और लोग मान जाएंगे। तेज प्रताप कह रहे हैं कि 12 साल से रिलेशनशिप में हैं तो 2018 में जिससे शादी की, उस बेटी का क्या गुनाह था। इसका जवाब लालू परिवार दे। बिहार की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते : मनीष तिवारी

एजेंसी

चंडीगढ़। अगर कोई सोचता है कि परमाणु कवच का इस्तेमाल ब्लैकमेल के साधन के रूप में किया जा सकता है ताकि आतंक को राज्य की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करने की नीति को जारी रखा जा सके, तो इस धारणा को जल्द से जल्द खत्म कर देना चाहिए क्योंकि परमाणु हथियार के नीचे पारंपरिक प्रतिक्रिया के लिए पर्याप्त जगह है जो सटीक, सटीक और संतुलित होगी,÷ कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, जो एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी कहा, ÷हमने कतर के वार्ताकारों के साथ बेहद उत्पादक और रचनात्मक बैठकें की हैं। हम एक बहुसांस्कृतिक, बहुधार्मिक, बहुजातीय समाज हैं जहाँ संवैधानिक रूप से हम अपने सभी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करते हैं। लेकिन अगर भारत बार-बार और लगातार आतंकवाद का शिकार होता है जो हमारे पश्चिमी

पड़ोसी से निकलता है, तो भारत अपने पास उपलब्ध उपायों की पूरी श्रृंखला के साथ आनुपातिक और गैर-उग्र तरीके से जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है... आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

कोविड को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने की अहम बैठक, सरकारी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

एजेंसी

रांची। देश के विभिन्न राज्यों में कोविड के नए वेरिएंट जेएन-1 के कई मामले सामने आने के बाद झारखंड सरकार ने एहतियाती तौर पर आवश्यक कदम उठाए हैं। राज्य के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं। सभी जिलों को अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाने, ऑक्सीजन की आपूर्ति को दुरुस्त करने और स्टॉक में जरूरी दवाइयों के प्रबंध के निर्देश जारी किए गए हैं।

झारखंड में कोविड का पहला केस सामने आया था। मरीज का इलाज एक स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है और उनकी स्थिति अब बेहतर बताई जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रांची सदर अस्पताल में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कोविड के नए वेरिएंट के मद्देनजर एहतियाती उपायों की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में बनाए गए आइसोलेशन वार्ड का निरीक्षण भी किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य में कोविड के नए वेरिएंट को लेकर लोगों को भयभीत और आशंकित होने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। उन्होंने कहा कि केंद्र की ओर से इसे लेकर फिलहाल अलग से कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। चिकित्सकों से संपर्क करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर डॉक्टरों की टीम की तैनाती की गई ताकि बाहर से आने वाले

हमारी जानकारी के अनुसार, देश में अब तक 275 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। इसे देखते हुए राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। राज्य के लोगों से भी यथासंभव कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की जा रही है। सर्दी, खांसी, बुखार और कोविड से संबंधित किसी भी तरह का लक्षण दिखने पर लोगों से जांच कराने और कोरोना के संदिग्ध मरीजों की जांच हो सके। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राज्य में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी भी प्रकार की घबराहट की आवश्यकता नहीं है। मैं स्वयं स्थिति की सतत निगरानी कर रहा हूं। स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अमेठी से रिश्ता खून का भले न हो, संघर्ष का है : स्मृति ईरानी

एजेंसी

अमेठी। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एक दिवसीय दौरे पर उत्तर प्रदेश के अमेठी पहुंचीं। उन्होंने कहा, 'मेरा यहां से रिश्ता खून का भले न हो, लेकिन संघर्ष का है।'इस सीट से 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार अमेठी पहुंचीं। वह 2024 में अपनी सीट बरकरार नहीं रख सकी थीं। इस दौरान उन्होंने गौरीगंज के रणंजय इंटर कॉलेज मैदान में रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति गोष्ठी और पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'अमेठी से मेरा रिश्ता खून का नहीं, संघर्ष और सम्मान का है।' उन्होंने जनसभा में इस जगह से अपने रिश्ते को लेकर कई बार बताया। स्मृति ईरानी ने कहा, 'मुझे इस मंच पर अतिथि बनाया गया। आज का यह दिन मेरे लिए विशेष केवल इसलिए नहीं है कि हम देवी अहिल्याबाई होल्कर को नमन करने एकत्र हुए हैं, बल्कि इसलिए भी विशेष है क्योंकि आज ही के दिन साल 2014 में नरेंद्र मोदी ने 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्र सेवा की शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि 2014 में पहली बार जब वह यहां आई थीं, तब उनके पास

चुनाव लड़ने के लिए 22 दिन थे। उस दिन लोगों ने उन्हें दीदी बनाया था। अब 11 साल बाद 'मुझे लोग पूर्व सांसद की दृष्टि से नहीं, बहन की दृष्टि से' देखते हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी में एके-203 राइफल फैक्ट्री, कोका-कोला प्लांट, सैनिक स्कूल, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हुई। पूर्व मंत्री ने कहा कि अमेठी आज बदल चुका है, यह फैक्ट्रियों और संभावनाओं की धरती बनी है। उन्होंने पंचायत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी होती है। मोदी सरकार ने पंचायतों का बजट 70 हजार करोड़ रुपए से बढ़ाकर ढाई लाख करोड़ रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेठी का कार्यकर्ता संगठन के प्रति समर्पित है और यही संस्कार अमेठी की पहचान है। उन्होंने अमेठी के विकास और सम्मान के लिए हमेशा आगे रहने का आश्वासन दिया।

महाराष्ट्र में कोरोना के 69 केस दर्ज, सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 278

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के 69 नए मरीज सामने आए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 278 हो गई है।

सामने आए 69 नए मामलों में सबसे अधिक 37 मामले मुंबई से रिपोर्ट हुए हैं। इसके अलावा ठाणे में 19, नवी मुंबई में 7, पुणे में 2 और रत्नागिरी, कोल्हापुर, लातूर के साथ ही पिंपरी चिंचवड से 1-1 मामले सामने आए हैं। जनवरी 2025 से अब तक राज्य में कुल 7,830 सैंपलों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 369 नमूनों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। इन मामलों में से अकेले 285 केस मुंबई से दर्ज किए गए हैं, जो कि संक्रमण

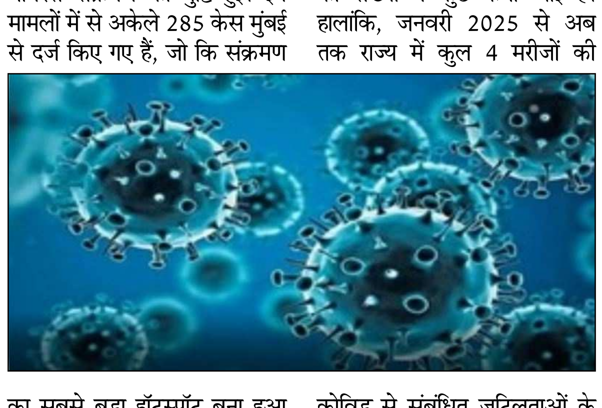

का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बना हुआ है। इसके अलावा, 87 मरीजों ने कोविड से स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी प्राप्त की, जिससे सक्रिय मामलों की संख्या में कुछ कमी आई है। हालांकि, जनवरी 2025 से अब तक राज्य में कुल 4 मरीजों की कोविड से संबंधित जटिलताओं के चलते मृत्यु हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन चार मौतों में से एक मरीज को हाइपोकैल्सेमिक सीजर और नेफ्रोटिक सिंड्रोम था, दूसरे को कैंसर, तीसरे को सेरेब्रोवैस्कुलर रोग (स्ट्रोक) के दौरे आ रहे थे, जबकि चौथे को डायबेटिक कीटोएसिडोसिस (डीकेए) और लोअर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन था। कोविड मरीजों की संख्या में छिटपुट वृद्धि न केवल महाराष्ट्र में बल्कि अन्य राज्यों और कुछ अन्य देशों में भी देखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम बदलने और यात्रा में वृद्धि के कारण मामलों में उछाल की आशंका बनी हुई है। इसी बीच, स्थिति को देखते हुए कई राज्य अलर्ट पर हैं। कई राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में एडवाइजरी जारी करते हुए एहतियाती कदम उठाने की भी बात कही गई है।

मणिपुर में विरोध के बीच हेलीकॉप्टर से राजभवन पहुंचे राज्यपाल

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने आज प्रदर्शनकारियों से सीधे सामना करने के बजाय इम्फाल एयरपोर्ट से राजभवन तक महज चार किलोमीटर की दूरी के लिए हेलीकॉप्टर का सहारा लिया। कारण यह था कि कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी (कोकोमी) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एयरपोर्ट रोड पर एकत्र हुए थे, जिनमें छात्र भी शामिल थे। विरोध लगातार दूसरे दिन जारी रहा। प्रदर्शनकारी सुबह 11 बजे से ही सड़कों पर लाइन लगाकर खड़े हो गए थे, राज्यपाल की दोपहर 1ः30 बजे आगमन की उम्मीद थी। शांतिपूर्वक विरोध के बावजूद, सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी। करीब तीन घंटे इंतजार के बाद, राज्यपाल को सड़क मार्ग से आते देखने की उम्मीद टूट गई। दोपहर करीब 3 बजे सूचना आई कि राज्यपाल ने हेलीकॉप्टर से राजभवन प्रस्थान कर लिया है। जैसे ही हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी, प्रदर्शनकारियों का एक समूह कांगला वेस्टर्न गेट की ओर बढ़ा- जहां हेलीकॉप्टर के उतरने की आशंका थी- लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सके। कोकोमी महिला विंग की संयोजक आरके थारक्सना ने इस कदम की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, लोग सड़क किनारे शांति से अपनी बात कहने आए थे। लेकिन राज्यपाल का हवाई रास्ता चुनना दुर्भाग्यपूर्ण है।

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता बढ़कर 10 मिलियन हुई: केंद्रीय मंत्री

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता बढ़कर 10 मिलियन पहुंच गई है। यह पहली बार है, जब देश के किसी पोर्ट ने यह क्षमता हासिल की है। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) के 36वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की कुल कंटेनर हैंडलिंग का 40 प्रतिशत यह पोर्ट संभालता है। सोनोवाल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने मंत्रालय को सभी वर्टिकल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस कारण से आज मंत्रालय हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री जेएनपीए की इस उपलब्धि पर पोर्ट से जुड़े प्राइवेट प्लेयर्स और

महाराष्ट्र के लोगों का योगदान देने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने आगे कहा कि देश के पोर्ट्स का राउंड टाइम घट कर रहा है और कार्गो हैंडलिंग क्षमता में इजाफा हो रहा है। इससे देश अगले 25 वर्षों में दुनिया के लीडिंग मेरीटाइम नेशन बनने के लिए तैयार है केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, मेरीटाइम सेक्टर में आगे बढ़ने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है और शिप बिल्डिंग, शिप रिपेयर और शिप रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। सोनोवाल के मुताबिक, देश ने अंतर्देशीय जलमार्ग में बीते एक दशक में काफी काम किया है और अंतर्देशीय जलमार्गों से कार्गो हैंडलिंग अब बढ़कर 145 मिलियन टन हो गई है, जो कि 2014 में 18 मिलियन टन थी। इससे पहले सरकार ने बताया था कि देश के प्रमुख पोर्ट्स ने कार्गो हैंडलिंग क्षमता वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर रिकॉर्ड 855 मिलियन टन हो गई है जो वित्त वर्ष 2024 में 819 मिलियन टन के इसी आंकड़े की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि यातायात में वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उच्च कंटेनर थ्रूपुट, फर्टिलाइजर कार्गो हैंडलिंग, पीओएल (पेट्रोलियम, ऑयल एंड लुब्रिकेंट्स) और विविध वस्तुओं की हैंडलिंग के कारण हुई।

मुंबई की बारिश में हार्बर लाइन का ट्रैक हुआ था प्रभावित, लंबी रूट की गाड़ियां चल रही थी : सीपीआरओ स्वप्निल नीला

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में रात हुई बारिश के बाद सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में लगभग 183 एमएम, लोनावला में 190 एमएम, कोलाबा में 170 एमएम और मस्जिद में 158 एमएम बारिश हुई।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर मेन लाइन की तरफ से आने वाली कुछ गाड़ियों को परेल और दादर पर टर्मिनेट करना पड़ा। स्वप्निल नीला ने कहा कि कुछ समय के लिए यहां की गाड़ियों की रफ्तार कम करनी पड़ी। लंबी रूट की गाड़ियां प्रभावित नहीं हुई हैं। इसमें हार्बर लाइन का ट्रैक प्रभावित हुआ था, जबकि मेन लाइन की गाड़ियां चलाई जा रही थीं, हालांकि वे कुछ देरी के साथ चल रही थीं। उन्होंने

कहा कि सामान्य रूप से 150 एमएम से अधिक की बारिश में रेड अलर्ट होता है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से लेकर बडाला रोड तक की हार्बर लाइन की ट्रैफिक सुबह एक घंटे के लिए रोकनी पड़ी थी। इसके बाद सभी गाड़ियां चलाई जा रही हैं। ट्रैक से पानी निकालने के लिए म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के दो मेगा पंप महालक्ष्मी का मेगा पंप और ओएनजीसी के येलो गेट के मेगा पंप को चलाने में थोड़ा समय लगा। महालक्ष्मी का पंप चालू कर दिया गया है, वहीं ओएनजीसी का येलो गेट पर काम चल रहा है। दोनों पंप ट्रैक से पानी निकालने में रेलवे के पंपों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11.30 बजे हाई टाइड की सूचना पर फ्लड गेट बंद किए जाते हैं, जिसके चलते पानी का रिसाव कम हो चुका था। इन्हीं कारणों से कुछ भाग में बारिश का पानी जमा हुआ था और इसी के साथ सड़क पर जो पानी जमा हुआ था वह पानी भी ट्रैक पर आना शुरू हो गया। इसी के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

लालू यादव बहू ऐश्वर्या के मामले में चुप्पी की सजा भुगत रहे हैं : नीरज कुमार

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाले जाने पर पत्नी ऐश्वर्या राय पहली बार मीडिया के सामने आईं। इस दौरान उन्होंने लालू यादव के परिवार पर कई तरह के आरोप लगाए और कई सवाल भी पूछे।

इसी बीच, सत्ताधारी पार्टी जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लालू यादव की बहू ऐश्वर्या के मामले में चुप्पी की सजा भुगत रहे हैं और आगे भी भुगतेंगे।जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि ऐश्वर्या ने जिस तरह से अपनी पीड़ा का इजहार किया, उसके लिए सैल्यूट है। उसकी आंखों में वह पीड़ा दिखाई दे रही थी कि लालू यादव के परिवार ने सब कुछ जानते हुए उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी। उसने न्यायपालिका में भी अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। जदयू नेता ने कहा कि हम उसकी बहादुरी को सलाम करते हैं। उन्होंने आगे कहा, ÷लालू यादव को बेटी का श्राप लग गया है। वह इस श्राप का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। इस बेटी की जो आपने (लालू यादव) विनाशलीला लिखी, आप उस परिवार के नियंत्रणकर्ता थे, लेकिन तब आपने चुप्पी साध रखी थी, जिसका खामियाजा आप भुगत रहे हैं और आगे भी भुगतेंगे।

मार्च 2026 से पहले पूरा देश नक्सल मुक्त हो जाएगा : अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नांदेड़ में कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश की धरती से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने दुनिया के सामने अपनी क्षमता और ताकत साबित कर दी है। मोदी सरकार ने न सिर्फ पाकिस्तान को, बल्कि दुनिया को भी साफ चेतावनी दे दी है कि भारत की तरफ गलत नजर से देखने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।अमित शाह ने कहा कि 22

अप्रैल को जब पहलगाम में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों ने अपने निर्दोष पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या की थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवादियों को कुचलने की चेतावनी दी थी। पाकिस्तान भूल गया है कि 10 साल पहले की कांग्रेस सरकार खत्म हो चुकी है और अब वहां मोदी सरकार है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर में सैकड़ों पाकिस्तानी आतंकवादियों को मारकर न केवल पाकिस्तान को बल्कि पूरी दुनिया को संदेश दिया गया है। भारतीय सेना ने 7 मई को 22 मिनट में नौ आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर यह संदेश दिया कि यदि सीमा पर भारत के लोगों पर हमला किया गया तो गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा। 8 मई को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए, लेकिन उसके सक्षम सुरक्षा बलों ने उन्हें हवा में ही रोक दिया और एक भी मिसाइल या ड्रोन को भारतीय भूमि में प्रवेश नहीं करने दिया। 9 तारीख को हमारी सेना ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों और हवाई ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया और दुनिया को एहसास दिलाया कि हमारी माताओं और बहनों के माथे का %सिंदूर% सस्ता नहीं है। मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि यह नया भारत है और कोई भी विकसित और मजबूत भारत की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं कर सकता। मोदी ने चेतावनी दी है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बहेंगे तथा व्यापार और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चलेंगे। मोदी ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में ऐसी आक्रामकता की गई तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले, प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र चव्हाण आदि उपस्थित थे ।

आंखें हैं अनमोल, इन्हें दें खास केयर

आंखें बहुत अनमोल होती है। आंखों से हम प्राकृतिक नजारों का मज़ा लेते हैं। इसलिए इनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। अगर हम इनकी अच्छे से केयर करें तो काफी हद तक आंखों की परेशानियों से निजात पाई जा सकती है। अच्छा खान-पान,विटामिन-ए युक्त आहार और कुछ अन्य बातों का ध्यान रखकर हम अपनी आंखों की सुंदरता बरकरार रख सकते हैं। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताते हैं जिसकी मदद से आप अपनी आंखों की अच्छे से देखभाल कर सकते हैं।

1. **आंखों की सफाई**

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए इनकी सफाई रखना बहुत जरूरी है। कई बार आंखों में जलन, खुजली, पानी आना, आंखों का लाल होना जैसी समस्या भी आ सकती है। इसके लिए आप आंखों को दिन में 3-4 बार ठंडे पानी से अच्छीं तरह से धोएं।

2. पौष्टिक भोजन अपने आहार में विटामिन -ए , प्रोटीन वाले भोजन शामिल करें जैसे दूध, पनीर, मक्खन,अंडे,फल शामिल करें।

3. खाली पेट पानी पीएं

सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। दिन में 8-9 गिलास पानी-पीना आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

4. अच्छी नींद डाक्टरों के अनुसार दिन में 8 घंटे की नींद लेना बहुत जरूरी है। इससे आंखों को आराम मिलता है और काले घेरे भी कम हो जाते है।

5. कंप्यूटर से उचित दूरी

कंप्यूटर पर काम करते वक्त स्क्रीन से दूरी बनाएं रखें। लगातार आंखे गडाकर न बैठे बीच-बीच में इन्हे थोडा आराम भी दें। कंप्यूटर पर काम करते समय अपनी कुर्सी को कंप्यूटर की ऊंचाई के हिसाब से रखें।

6. आंखों का चेकअप

अगर आपको देखने में परेशानी हो रही है या सिर में दर्द होता है तो आपनी आंखों का चेकअप जरूर करवाएं। खासकर डायबिटीज के रोगियों को समय-समय पर आंखों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए।

7. अच्छी क्वालिटी का मेकअप

आंखों पर हमेशा बढिया क्वालिटी का ही मेकअप यूज करें। काजल और शैडो का कम से कम इस्तेमाल करें। रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप जरूर हटाएं।

8. चश्में का करें इस्तेमाल

आंखों में थकान होने पर गुलाब जल में रूई भिगोकर आंखों पर रखने से आंखों को राहत मिलती है। धूप में घर से बाहर जाते समय सूरज की तेज किरणो से बचने के लिए आंखो पर चश्मे जरूर लगाएं।

चेहरे को बेदाग बनाने के लिए आसान और घरेलू नुस्खे

बेदाग चेहरा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है लेकिन कई बार धूल-मिट्टी की वजह से चेहरे की चमक गायब हो जाती हैं। दरअसल, धूल-मिट्टी हमारे चेहरे के रोम छिद्रों में फंस जाती है जो बाद में ब्लैकहेडस के रूप में हमारे सामने आते हैं। भद्दे दिखाई देने वाले इन ब्लैकहेडस से ज्यादातर परेशानी टीनएजर लड़के-लड़कियों को होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए वे महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रॉडक्ट्स में कैमिकल्स काफी मात्रा में होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं इसलिए बेहतर होगा अगर इसका उपचार घरेलू नुस्खों से किया जाए। इससे न केवल ब्लैकहैड्स दूर होंगे बल्कि स्किन भी ग्लोइंग दिखेगी।

-बेकिंग सोडा चेहरे से ब्लैकहेड्स दूर करने का एक कारगार तरीका है। यह रोम छिद्रों में जमी गंदगी को बाहर कर चेहरे को पूरी तरह से साफ करता है। -दालचीनी और हल्दी को नींबू के रस में मिलाकर चेहरे पर लगाने से भी ब्लैकहेड्स दूर किए जा सकते हैं। -ओट मील और दही के मिश्रण को चेहरे पर लगाने से जिद्दी ब्लैकहैड्स भी दूर हो जाते हैं।

- नींबू का रस त्वचा की टैनिंग और दाग-धब्बों को हटाने में बेहद असरदार है। इससे ब्लैकहैड्स भी आसानी से निकल जाते हैं। -ग्रीन टी पीने और इसका पैक चेहरे पर लगाने से ब्लैकहैड्स पूरी तरह से साफ हो जाते हैं। -शहद ड्राई स्क?न को नमी तो देता ही है, इसी के साथ वह ब्लैकहैड्स को खत्म करके पोर्स में कसावट भी लाता है, जिससे चेहरा ग्लोइंग नजर आता है।

गर्मियों में मेकअप करने के लिए अपनाएं ये 6 टिप्स

गर्मियों के मौसम में हमें अपनी त्वचा का खास ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में हमें अपनी त्वचा के हिसाब से ही मैच करता हुआ मेकअप करना होता है ताकि हमारा मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहें और खराब न हो। ऐसे मौसम में हमे अपनी स्किन को सॉफ्ट, लाइट और शाइनी रखने के लिए वाटरप्रूफ और लाइट मेकअप का ही इस्तेमाल करना चाहिए। ज्यादा गर्मी में लड़कियां ग्लैमरस लुक पाने के लिए सन प्रोटैक्शन मेकअप व नैचुरल लुक का मेकअप ही पसंद करती हैं। यह मेकअप हमारे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स को होने से बचातें हैं। आज हम आपको गर्मियों में मेकअप करने के लिए आसान से टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- अगर आपका रंग सांवला है तो आप मेकअप में डीप यलो या रिच गोल्डन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल करें।
- फेयर कॉम्प्लेक्शन वालों को नैचुरल लुक पाने के लिए टिंटेड मॉइश्चराइजर का ही प्रयोग करना चाहिए।
- गर्मियों के मौसम में कम से कम मेकअप करें और बालों की क्लीन और अच्छी लुक पाने के लिए पीछे की ओर ही रखें। - अगर आपके पास आंखों का मेकअप करने के लिए समय कम है तो ब्राउन आईशैडो का डार्क शेड ही लगाएं और ब्रश की सहायता से अपने आईलिड पर काफी सारा मस्कारा लगाएं। इसी तरह से आप आंखों में काजल लगा लें।
- अगर आप गर्मियों के मौसम में किसी पार्टी में जा रही है तो लाइट मेकअप करें। लाइट मेकअप मे काजल, ब्लश ऑन और न्यूड लिप्स आपको हॉट लुक देंते हैं।
- सिंपल लुक के लिए आप अपने चेहरे पर स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन लगाएं औप बाद में इसे ठीक करने के लिए थोड़ा सा पाउडर लगाएं। आप अपनी चिक्स पर पीच शेड का ब्लशर और होठों पर पीच या पिंक शेड की लिपस्टिक ही लगाएं। - कॉलेज जाने वाली लड़कियां आईशैडो का इस्तेमाल न करें। वह आंखों पर पतला सा आईलाइनर और मस्कारा लगाएं। यह आपकी आंखों की धूप में सुरक्षा करता है।

सुंदरता बढ़ाए हर्बल बाथ

आज हमारी लाइफ इतनी ज्यादा भाग-दौड़ वाली एवं अव्यवस्थित होती जा रही है कि त्वचा की ताजगी एवं चेहरे की खूबसूरती कहीं खोने लगी है। ऐसे में यदि आप हर्बल बाथ अर्थात शाही स्नान करें तो आप को अद्भुत तरो-ताजगी तो महसूस होगी ही, साथ ही बेमिसाल खूबसूरती भी मिलेगी।

क्लियोपेट्रा बॉडी पॉलिशिंग

इतिहास की सब से खूबसूरत महिलाओं में शुमार मिस्त्र की महारानी क्लियोपेट्रा हमेशा खूबसूरत बने रहने के लिए दूध से स्नान किया करती थी। हालांकि यहां क्लियोपेट्रो बॉडी मसाज का अर्थ बॉडी पॉलीशिंग से है, जिस में दूध का भी इस्तेमाल किया जाता है। इस में अनेक प्राकृतिक एवं हर्बल तत्वों को मिश्रित कर मलमल के कपड़े की एक पोटली तैयार की जाती है, फिर उसे गुनगुने गाढ़े दूध में डिप कर के बॉडी मसाज दी जाती है। इस प्रकार की मसाज से बॉडी की डैड स्किन निकल जाती है, टैनिंग रिमूव हो जाती है तथा त्वचा में **कोमलता एवं निखार आता है।**

रॉयल थाई मसाज रॉयल थाई मसाज तेलों के बगैर होने वाला ड्राई मसाज है। इस मसाज में हथेली, कुहनी और पैर से दाब लगाते हैं। रॉयल थाई मसाज में हर्बल चीजों की पोटली से मालिश की जाती है। यदि किसी को तेल से एलर्जी हो तो वह भी इस ड्राई मसाज का लाभ उठा सकता है।

हर्बल मिल्क बाथ बॉडी मसाज कराने के बाद मिल्क बाथ लेना भी जरूरी है। यह बाथ भी शारीरिक थकान, दर्द एवं टैनिंग तो रिमूव करेगा ही, साथ ही पूरे शरीर की त्वचा भी निखर जाएगी। यह ठंडक का भी एहसास कराता है।

4 लीटर दूध में चुटकी भर पिसी कच्ची हल्दी, 2 छोटे चम्मच मुलैठी पाऊडर, थोड़ा-सा अमलतास, आधा छोटा चम्मच सल्फर,आधा चम्मच सरेवा, थोड़ी गुलाब की पंखुडिय़ां, 2 चम्मच गुलाब जल एवं 1 चम्मच लाल चंदन, इन सब को दूध में डाल कर तब तक उबालें, जब तक कि दूध दो-अढ़ाई लीटर न रह जाए। अब इस मिश्रण को लोटे में डाल कर फ्रैश गुलाब की पंखुडिय़ां मिला कर बादाम ऑयल शरीर पर लगाने के बाद धार बनाती हुई डालती जाएं और दूसरे हाथ से मसाज भी देती जाएं।

सिंगापुर ओपन में सात्विक-चिराग करेंगे भारतीय चुनौती का नेतृत्व, सिंधु-प्रणय पर भी रहेंगी निगाहें

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होने जा रहा है, जिसमें भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की बहुप्रतीक्षित वापसी देखने को मिलेगी। चोटों से जूझने के बाद अब यह जोड़ी पूरी तरह फिट है और मलेशिया की जोड़ी चूंग हॉन जियान और मुहम्मद हैकाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 सात्विक और चिराग आखिरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में खेले थे, लेकिन चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर से हट गए थे। इसके बाद सात्विक की तबीयत के चलते वे सुदीरमन कप से भी बाहर रहे। अब दोनों फिर से टॉप लेवल पर खेलने को तैयार हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एच.एस. प्रणय, जो पिछले साल चिकनगुनिया से जूझ रहे थे, अब वापसी की राह पर हैं। वह डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के लिए यह टूर्नामेंट अहम होगा। इस साल उन्होंने चार बार पहले ही राउंड में हार झेली है। उनका पहला मुकाबला लिन चुन यी से होगा।

केकेआर कप्तान अजिंक्य रहाणे को भरोसा- अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे

नई दिल्ली। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का आईपीएल 2025 का सफर रविवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के साथ समाप्त हो गया। मैच और पूरे सीजन के प्रदर्शन पर ईमानदारी से प्रतिक्रिया देते हुए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, इस सीजन में हमारे लिए उतार-चढ़ाव रहे। हमारे पास मौके थे, लेकिन एक यूनिट के तौर पर हम बेहतर नहीं खेले। टीम की तैयारी और सीजन भर के प्रदर्शन पर रहाणे ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैंने देखा कि तैयारी में सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। जब आप एक सीजन जीतते हैं और अगले में खिताब बचाने उतरते हैं, तो यह आसान नहीं होता। सभी टीमों ने अच्छी तैयारी की थी और हमने भी पूरी कोशिश की। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे। रहाणे ने गेंदबाजों के संघर्ष के बावजूद उनका समर्थन किया और कहा, हमारी गेंदबाजी मिलीजुली रही, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा काम किया। पिचें बल्लेबाजों के लिए मददगार रहीं, इसलिए 200+ के स्कोर काफी देखने को मिले, लेकिन पूरे सीजन में हमारी गेंदबाजी यूनिट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

प्लान के मुताबिक खेले तो वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना पक्का : उपकप्तान हार्दिक सिंह

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) के विदेशी चरण की शुरुआत से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम अंकतालिका में मजबूत तीसरे स्थान पर काबिज है। इस बीच टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने जोर देकर कहा है कि अगर टीम योजना के अनुसार खेले और ज़्यादा से ज़्यादा अंक बटोरे, तो भारत के पास एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने का बेहतरीन मौका है।हार्दिक ने कहा, हमने टीम के अंदर इस बात पर चर्चा की है कि अगर हम प्लान के मुताबिक चलें, हर मैच से पॉइंट हासिल करें–चाहे ड्रॉ हो या शूटआउट से पॉइंट मिलें, तो हमारे पास वर्ल्ड कप में जगह बनाने का रियलिस्टिक चांस है। उन्होंने आगे कहा, बेल्जियम (फिलहाल रैंक 2) और नीदरलैंड (जो भारत से एक स्थान पीछे हैं, रैंक 4) टूर्नामेंट के को-होस्ट होने के कारण वर्ल्ड कप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई कर चुके हैं। ऐसे में इंग्लैंड (शीर्ष पर), जर्मनी और स्पेन जैसे टीमें असली प्रतिद्वंदी होंगी। अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मुकाबले भी बेहद अहम होंगे। यह हमारे लिए एक बड़ा चैलेंज है और अगर हम जल्दी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

वेस्टइंडीज पर 17 रनों की जीत के साथ इंग्लैंड तीन मैचों की सीरीज में किया क्लीन स्वीप

चेम्सफर्ड। हीथर नाइट (नाबाद 66) के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज पर 17 रनों की जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली है। आज यहां वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 144 रनों का स्कोर खड़ा। हीथर नाइट ने 47 गेंदों में (नाबाद 66) रनों की पारी खेली। नेट सायवर ब्रंट ने (37) और एमी जोंस ने (22) रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से हेली मैथ्यूज ने तीन विकेट लिये। जायडा जेम्स और जे क्लैक्सटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे टिक नहीं खेल सके। वेस्टइंडीज की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गवांती रही।

कार्लो एंसेलोटी ने ब्राज़ील की पहली टीम का किया ऐलान, नेमार बाहर, कासेमीरो की वापसी

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी ने अपनी पहली 25 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें सबसे बड़ा नाम गायब रहा – नेमार। चोट से जूझ रहे नेमार हाल ही में सैंटोस क्लब में लौटे हैं, लेकिन एंसेलोटी ने बताया कि वो अभी राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे कई खिलाड़ी चोटिल हैं, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। लेकिन हम उन पर भरोसा करते हैं। मैंने आज सुबह उनसे बात की और वह पूरी तरह सहमत हैं।

कासेमीरो की वापसी, अनुभव पर जोर

टीम में मिडफील्डर कासेमीरो की वापसी हुई है, जो पिछले लगभग डेढ़ साल से टीम से बाहर चल रहे थे। 2022 विश्व कप में टीम के कप्तान रहे कासेमीरो की वापसी को एंसेलोटी ने नेतृत्व और बलिदान की जरूरत से जोड़ा। कोच ने कहा,

राष्ट्रीय टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिनमें करिश्मा, टैलेंट और समर्पण हो – कासेमीरो उन खिलाड़ियों में से हैं। रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद ब्राज़ील की कमान संभालने वाले एंसेलोटी ने अपने पुराने शिष्य विनीसियस जूनियर पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से मानता हूं कि विनीसियस राष्ट्रीय टीम में भी अपना सर्वश्रेष्ठ रूप दिखाएंगे। फिर उन्होंने मजाक में कहा, जैसे मैड्रिड में... लेकिन इस साल वाला नहीं, पिछले साल वाला।

ब्राज़ील के कोच बने पहले विदेशी, एंसेलोटी ने मीडिया को किया प्रभावित

65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीब 200 मीडिया कर्मियों को अपने जवाबों से प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ब्राज़ीलियाई समाज मुझसे 24 साल बाद वर्ल्ड कप जीत की उम्मीद कर रहा है – यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

ब्राज़ील की 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः एलिसन (लिवरपूल)

बेंटो (अल-नासर), ह्यूगो सूज़ा (कोरिंथियंस)।

डिफेंडरः एलेक्स सैंड्रो, डानीलो, लियो ओर्टिज़, वेज़ले (सभी फ्लेमिंगो), एलेक्ससैन्ड्रो (लिल),

लुकास बेराल्डो (पीएसजी), कार्लोस ऑगस्टो (इंटर मिलान), वैंडरसन (मोनाको)।

मिडफील्डरः एंड्रियास पेरेरा (फुलहम), एंड्री सैंटोस (स्ट्रासबर्ग),

ब्रूनो गिमाराइश (न्यूकासल), कासेमीरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड)

एडरसन (अटलांटा), गेरसन।

फॉरवर्डः एंटनी (रियल बेटिस),

एस्तेवं (पाल्मेरास), गैब्रिएल मार्टिनेली (आर्सेनल), मथियस कुन्हा (वॉल्वरहैम्प्टन), रफिन्हा (बार्सिलोना), रिचार्लिसन (टॉटनहम), विनीसियस जूनियर (रियल मैड्रिड)।

टेनिस बॉल क्रिकेट को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय मंच, रिद्धिमान साहा बोले- अब खिलाड़ियों को मिलेगा उनका हक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने कहा है कि पहली बार भारत में आयोजित होने जा रहे टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच देंगे, बल्कि उन्हें पहचान और सम्मान भी दिलाएंगे। साहा हाल ही में सर्वोटेक स्पोर्ट्स के साथ बतौर मेंटोर जुड़े हैं और अब वह देशभर में इस खेल को नई दिशा देने में जुटे हैं।ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के तहत आयोजित हो रहे ये टूर्नामेंट टेनिस बॉल से खेले जाने वाले पहले वैश्विक और महाद्वीपीय क्रिकेट टूर्नामेंट होंगे, जो इस अनौपचारिक मगर बेहद लोकप्रिय फॉर्मेट को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। साहा ने कहा, मैंने भी अपने करियर की शुरुआत टेनिस बॉल क्रिकेट से की थी, और आज जब देशभर के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का इतना बड़ा मंच मिल रहा है, तो यह गर्व की बात है।÷ उन्होंने आगे कहा कि अब इन खिलाड़ियों को वह पहचान मिलेगी जिसके वे हकदार हैं। लीग के रणनीतिकार चैतन्य नंदा ने बताया कि डीएलआई के प्रदर्शन के आधार पर ही खिलाड़ियों का चयन आईटीसीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट महासंघ) के जरिए वर्ल्ड कप और एशिया कप के लिए किया जाएगा। इसके लिए पूरे देश में 1500 से अधिक प्रमाणित कोचों की निगरानी में खुले ट्रायल्स होंगे लीग जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18+ वर्ष) दोनों वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें 6-6 फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। 860-860 खिलाड़ियों को नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, जिसके बाद फ्रेंचाइजी टीमें अपने खिलाड़ी चुनेंगी। नीलामी में अनसोल्ड रहे खिलाड़ी इंटर-जोनल टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

रोनाल्डो ने अल नास्र को छोड़ने के दिए संकेत, अंतिम मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पोस्ट से अटकलें तेज़

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग के आखिरी मुकाबले में अल नास्र की ओर से गोल दागने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर ऐसा मैसेज पोस्ट किया जिससे उनके क्लब छोड़ने की अटकलें तेज़ हो गई हैं।

रोनाल्डो ने अपनी अल नास्र जर्सी में एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा , यह चैप्टर खत्म हुआ। कहानी अभी बाकी है। सभी का आभार। गौरतलब है कि रोनाल्डो का अल नास्र के साथ अनुबंध जून में समाप्त हो रहा है। इस सीज़न में उन्होंने 25 गोल दागे और सऊदी प्रो लीग के टॉप स्कोरर रहे, लेकिन इसके बावजूद अल नास्र टीम एएफसी चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

अंतिम मुकाबले में 99वां गोल, टीम को मिली हार

अल फतेह के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में रोनाल्डो ने एक गोल दागा, जो उनके क्लब करियर का 801वां और अल नास्र के लिए 99वां गोल था। हालांकि, अल नास्र को इस रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ीलियन क्लब से मिला ऑफर?

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोनाल्डो को एक ब्राज़ीलियन क्लब से आकर्षक प्रस्ताव मिला है, जिसमें उन्हें आगामी फीफा क्लब वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिल सकता है। यह टूर्नामेंट 14 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित होना है। ब्राज़ील की ओर से बोटाफोगो, फ्लूमिनेंस, फ्लैमेंगो और पामेइरस जैसे बड़े क्लब इसमें हिस्सा लेंगे।

क्या अब अगला कदम क्लब वर्ल्ड कप?

अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या रोनाल्डो क्लब वर्ल्ड कप में खेलने के लिए ब्राज़ील की ओर रुख करेंगे या फिर उनके करियर की कहानी में कोई और बड़ा मोड़ आने वाला है। फिलहाल उन्होंने संकेत दे दिया है - कहानी अभी जारी है...

आईपीएल 2025: जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमशः 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं। इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाज़ी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज़ गेंदबाज़ से माना कि आरसीबी जीत के करीब थी। उन्होंने कहा, हमने लक्ष्य का पीछा करने में कई अच्छी चीजें कीं। ज़्यादातर समय मार्जिन बहुत बारीक थे। लेकिन आज गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। आरसीबी के लिए

शुरुआती विकेट की दरकार होगी। सीज़न के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज़्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे।सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने ये मुकाबला प्लेऑफ की तैयारी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीद को ज़िंदा रखने का मौका है। इसके लिए टीम को मंगलवार को हर मोर्चे पर सटीक रणनीति के साथ उतरना होगा और हेजलवुड की भूमिका एक बार फिर से निर्णायक होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन ने उद्घाटन मुकाबले में गुकेश को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली।नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। पहले ही दिन पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को मात देकर बड़ा संदेश दे दिया। यह मुकाबला नॉर्वे के स्टावेंगर में खेला गया। खास बात यह रही कि यह गुकेश और कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला था, जब से गुकेश ने सिंगापुर में विश्व खिताब जीता है। वहीं, एक अन्य रोमांचक मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के वे यी को आर्मागेडन में हराया। क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में अर्जुन ने बाजी मारी। महिला वर्ग में भी भारतीयों के बीच कड़ा मुकाबला

देखने को मिला, जहां कोनेरु हम्पी ने आर. वैशाली को हराते हुए अभियान की शानदार शुरुआत की।

पहले दौर के बाद अंक स्थितिः

ओपन वर्ग में मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा 3-3 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अर्जुन एरिगैसी के 1.5 अंक हैं, जबकि वे यी 1 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। फबियानो करूआना और डी. गुकेश को अभी खाता खोलना बाकी है। महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 3 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं।

अन्ना मुझिचुक और ली टिंगजी के 1.5-1.5 अंक हैं। जू वेनजुन और सारा खादेम 1-1 अंक के साथ बराबरी पर हैं, जबकि आर. वैषाली को अभी पहला अंक हासिल करना है। आगे के मुकाबलों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलने की उम्मीद है।

आर पी भटनागर इलाहाबाद क्रिकेट के स्वर्णिम युग के गुमनाम शिल्पकार

एजेंसी

प्रयागराज। आर.पी. भटनागर का नाम इलाहाबाद की क्रिकेट विरासत में गहराई से जुड़ा हुआ है। वे एक सच्चे खेल प्रेमी हैं और आज 84 वर्ष की आयु में भी उसी ऊर्जा और उत्साह के साथ जीवन जीते हैं, जैसा कि उनके क्रिकेट के दिनों में हुआ करता था। वे उस बीते दौर से ताल्लुक रखते हैं, जिसकी पीढ़ी अब लगभग समाप्त हो चुकी है। इलाहाबाद क्रिकेट के शुरुआती दिनों की उनकी यादें और अनुभव आज भी प्रेरणादायक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। उनका क्रिकेट सफर 1959-60 में के.पी इंटर कॉलेज की क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में शुरू हुआ। इसके बाद 1960-61 में वे सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज की टीम के कप्तान बने। इसके पश्चात 1961-62 और 1962-63 में उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व किया। 23 जुलाई 1963 को उन्होंने ए.जी.यू.पी. (लेखा महानियंत्रक, उत्तर प्रदेश) में नौकरी जॉइन की और वहां की क्रिकेट टीम के लिए खेलते हुए कप्तानी भी की। वर्ष 1964-65 में वे इलाहाबाद जिला क्रिकेट टीम के कप्तान बने और उसी वर्ष उन्होंने उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी टीम का प्रतिनिधित्व भी किया। अपने खेल जीवन के बाद उन्होंने चयनकर्ता के रूप में भी क्रिकेट में योगदान दिया और 1998 से 2003 तक उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी टीम के चयनकर्ता रहे। उनका योगदान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहा, उन्होंने क्रिकेट के संगठन और प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईपीएल 2025: पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में बनाई जगह

एजेंसी

जयपुर। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेल रही पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जोरदार जीत दर्ज करते हुए आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में टॉप-2 में जगह पक्की कर ली है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस अहम मुकाबले में पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से मात दी और पहले क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने तेज शुरुआत की। रोहित शर्मा (24 रन) और रायन रिकल्टन (27 रन) ने पावरप्ले में रन बटोरे, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद सूर्यकुमार यादव (57 रन) ने एक बार फिर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए टीम को संभाला। कप्तान हार्दिक पांड्या ने 26 और नमन धीर ने 20 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवर में

अर्शदीप सिंह ने महज 3 रन देकर 2 विकेट झटके और मुंबई को 200 रन तक पहुंचने से रोक दिया। मुंबई ने निर्धारित 20 ओवर में 185/8 का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार व्यशाक को दो-दो सफलता मिली। जबकि एक विकेट हरप्रीत बरार के खाते में गया। 186 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत थोड़ी धीमी रही। प्रभसिमरन सिंह (13 रन) सस्ते में आउट हो गए, लेकिन इसके बाद प्रियांश आर्या (62 रन) और जॉश इंग्लिस (73 रन) ने मिलकर मैच का रुख पलट दिया।

दोनों ने न केवल मुंबई के घातक गेंदबाजों को निशाना बनाया, बल्कि बड़े-बड़े शॉट्स खेलते हुए रन गति को लगातार ऊंचा बनाए रखा। उनकी साझेदारी ने मैच को एकतरफा बना दिया।

अंत में कप्तान श्रेयस अय्यर ने संयमित अंदाज में टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया और विजयी छक्का लगाकर मैच खत्म किया। पंजाब ने लक्ष्य को 19 ओवर में ही हासिल कर लिया। मुंबई के लिए मिशेल सेंटनर ने दो और जसप्रीम बुमराह ने एक विकेट चटकाए।

फ्रिट्ज हुये उलटफेर का शिकार, सितसिपास, बडोसा अगले दौर में

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 के दूसरे दिन जर्मनी के डेनियल अल्टमायर ने उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वही स्टेफानोस सितसिपास और पाउला बडोसा ने अगले दौर में जगह बना ली हैं। आज यहां रोलांड गैरोस के क्ले कोर्ट पर खेले गये मुकाबले में जर्मनी के डेनियल अल्टमायर चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-5, 3-6, 6-3, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। डेनियल अल्टमायर ने आक्रामक और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए फ्रिट्ज की लय को बाधित कर निर्णायक जीत दर्ज की। अब अल्टमायर का अगले दौर में चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा से मुकाबला होगा।

तेजस्विनी के स्वर्णिम निशाने से भारत ने जीता सुहल जूनियर शूटिंग विश्व कप का ताज

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा की 20 वर्षीय निशानेबाज तेजस्विनी ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारत को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व कप 2025 में शीर्ष स्थान दिला दिया है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में तेजस्विनी ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को चीन जैसे शूटिंग पावरहाउस पर बढ़त दिलाई। तेजस्विनी का यह पहला व्यक्तिगत विश्व कप पदक है और भारत के लिए यह प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण और कुल 11वां पदक रहा। भारत ने चार रजत और चार कांस्य पदक भी अर्जित किए। हालांकि चीन ने भी तीन स्वर्ण पदक जीते, लेकिन पदकों की कुल संख्या में भारत आगे रहा। पहले दिन क्वालिफिकेशन में तेजस्विनी 24वें स्थान पर थीं, परंतु दूसरे दिन की रैपिड-फायर श्रृंखला में 293 अंकों की बेहतरीन शूटिंग से उनका कुल स्कोर 575 हो गया, जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंचकर फाइनल में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय बनीं। फाइनल मुकाबले में दस रैपिड-फायर श्रृंखलाओं में तेजस्विनी ने 31 अंक अर्जित किए और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) अलीना नेस्तसियारोविच (29 अंक) को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। हंगरी की मिरियम जाको ने कांस्य पदक प्राप्त किया। फाइनल की शुरुआत से ही तेजस्विनी का प्रदर्शन दमदार रहा।

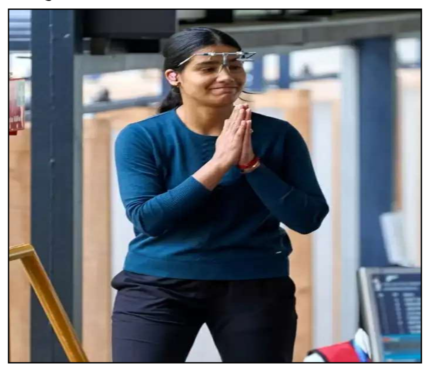

पहले दो राउंड में उन्होंने लगातार चार-चार अंक हासिल किए और क्वालिफिकेशन टॉपर चीन की झाओ ताओताओ को कड़ी टक्कर दी। पांचवीं श्रृंखला में झाओ की चूक ने उन्हें पीछे धकेल दिया और तेजस्विनी ने बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

'डबल जलेबी' से ओलंपिक तकः हॉकी खिलाड़ी अंगद बीर सिंह की प्रेरक यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। हर खिलाड़ी के करियर में एक ऐसा पल होता है, जब वह खुद को साबित करता है, कुछ अलग करके, कुछ ऐसा जो दर्शकों और कोच दोनों को चौंका देता है। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में कलिंगा लांसर की ओर से खेलने वाले 22 वर्षीय अंगद बीर सिंह के लिए वह डिफाइनिंग मोमेंट था. उनका सिग्नेचर मूव 'डबल जलेबी', जिसने उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया।

'डबल जलेबी': एक वायरल मूव, मेहनत की मिसाल

तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ एक हाई-प्रेशर शूटआउट में अंगद ने गोलकीपर डेविड हार्ट को चकमा देते हुए जो गोल दागा, वह सिर्फ एक शॉट नहीं था, वह उनके जुनून, अभ्यास और आत्मविश्वास का प्रतीक था। सोशल मीडिया पर इस मूव ने धूम मचा दी, लाखों लाइक्स और हजारों शेयर के साथ अंगद एक इंटरनेट सनसनी बन गए।अंगद कहते हैं, मैंने इसे सालों तक अभ्यास में तराशा है। एचआईएल कैंप में खासतौर पर इस पर ध्यान दिया क्योंकि मुझे पता था कि शूटआउट में ऐसे शॉट्स निर्णायक हो सकते हैं। जब लोगों को ये पसंद आया, तो लगा मेहनत बेकार नहीं गई। अब मैं इसे और बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

रणनीति, अभ्यास और आत्मविश्वास का मेल

'डबल जलेबी' सिर्फ एक ट्रिक नहीं, बल्कि एक रणनीतिक हथियार है, जहां तकनीक, टाइमिंग और साहस का संगम होता है। यही कारण है कि यह मूव सिर्फ दर्शकों का ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कोचों का ध्यान भी खींच लाया। इसके चलते अंगद

को एफआईएच प्रो लीग में भारतीय सीनियर टीम के लिए खेलने का मौका मिला। कलिंगा लांसर के कोच वेलेंटिन आल्टनबर्ग ने अंगद की प्रशंसा करते हुए कहा, अंगद की तेजी, आत्मविश्वास और मैच के दबाव में सही निर्णय लेने की क्षमता अद्वितीय है। 'डबल जलेबी' सिर्फ एक स्टाइलिश मूव नहीं, बल्कि उनके खेल में गहराई और समझ का प्रमाण है। अपने हॉकी सफर पर बात करते हुए अंगद ने साझा किया कि बचपन से मेरा सपना था कि मैं भारत की जर्सी पहनूं। मैंने जूनियर लेवल पर खेला, राज्य का प्रतिनिधित्व किया, एचआईएल में अनुभव लिया और फिर भारत के लिए डेब्यू किया। अब मेरा अगला लक्ष्य है ओलंपिक गोल्ड। वह मानते हैं कि जूनियर से सीनियर स्तर पर संक्रमण चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि ÷सीनियर हॉकी में रणनीति की अहमियत बढ़ जाती है। हर मैच एक शतरंज की तरह होता है, जहां हर मूव सोच-समझकर खेलना होता है। लेकिन यहीं असली मजा भी है।÷ अंगद ने कहा कि अब जब वो भारतीय सीनियर टीम में हैं, तो उनकी निगाहें वर्ल्ड कप 2026 और फिर ओलंपिक 2028 पर टिकी है। उनका कहना है कि हर दिन मैं उसी सपने को जीता हूं। हर अभ्यास, हर मैच, हर मूव उसी एक लक्ष्य की ओर है, भारत के लिए ओलंपिक गोल्ड जीतना।

रवीना टंडन

की बेटी को नहीं पहचान पाए संजय दत्त, पूछा- कौन

पिछले साल से ही बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. इस साल की शुरुआत में एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म रिलीज हुई, हालांकि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल तो नहीं किया, लेकिन राशा की फैन फॉलोइंग जरूर बढ़ गई. काफी कम वक्त में राशा इंडस्ट्री का जाना माना नाम बन गई हैं. लेकिन, हाल ही में संजय दत्त उन्हें पहचान नहीं पाए हैं.संजय दत्त ने रवीना टंडन के साथ कई फिल्मों में काम किया है, दोनों ने साथ में आखिरी फिल्म घुड़चढ़ी की थी. हालांकि, राशा का नाम न पहचान पाने की वजह से एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहा है. दरअसल, हाल ही में संजय दत्तअपनी पत्नी मान्यता के साथ एक रेस्टोरेंट से निकलते स्पॉट किए गए. इस दौरान उनको कैमरे में कैद करने के लिए पैपराजी वहां आ गए.

घर जाने की दी थी सलाह

हालांकि, बारिश के मौसम में इस तरह से उन्हें देखकर एक्टर ने उन्हें घर जाने को कहा. ऐसे में उन्होंने बताया कि वो राशा थडानी का इंतजार कर रहे हैं. इस पर एक्टर ने हैरान करने वाला रिएक्शन दिया. उन्होंने पूछा कौन राशा, तब पैपराजी ने बताया कि रवीना टंडन की बेटी. दरअसल, कार में बैठते हुए एक्टर ने पैपराजी से कहा, जा ना रे घर जाओ, बारिश हो रही है. इस पर फोटोग्राफर ने बताया कि वो कपल के ही लिए खड़े थे.

दो बार पूछ लिया था नाम

बाद में उन्होंने बताया कि अभी वो एक और सेलिब्रिटी का इंतजार कर रहे हैं, फोटोग्राफर ने कहा कि नई लड़की का इंतजार कर रहे हैं. इस पर एख्टर ने सवाल किया कौन, तो उन्होंने बताया राशा, एक्टर ने नाम सुनने के बाद दोबारा से पूछा, कौन. फिर लोगों ने बताया कि राशा, रवीना टंडन की बेटी , इस पर एक्टर ने कहा कि हां, जाओ उसकी फोटो ले लो. जाते-जाते एक्टर ने उनसे खाने का पूछा और फिर कार में बैठ गए.

6 साल पहले एक्टिंग छोड़ने वाली थीं

वामिका गब्बी

लंदन ट्रिप के लालच में रणवीर सिंह की फिल्म के लिए कर दी हां

एक्ट्रेस वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'भूल चूक माफ' की वजह से सुर्खियों में हैं. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इसी हफ्ते आई है और ठीक-ठाक बिज़नेस भी कर रही है. इसमें उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में नज़र आ रहे हैं. फिल्म की रिलीज के बाद से लगातार वामिका इंटरव्यूज़ दे रही हैं. अब उन्होंने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया है कि साल 2019 में एक दौर ऐसा आया था, जब वो एक्टिंग की दुनिया को छोड़ने का मन बना चुकी थीं. हालांकि फिर कुछ ऐसा हुआ कि उन्होंने इरादा बदल लिया.

राज कुमार राव और निर्देशक करण शर्मा के साथ वामिका गब्बी ने सिद्धार्थ कन्नन को इंटरव्यू दिया है. इसमें सभी ने खूब बातें की. इस दौरान जब वामिका से सवाल हुआ कि क्या कभी उन्हें लगा कि अब बस? इस पर वामिका ने जवाब दिया, 2019 में मैं कुछ फिल्में कर रहा थी और मुझे मजा नहीं आ रहा था. मैं कुछ सीख नहीं रही थी. मैं जो कर रही थी उस वक्त उसमें मैं बहुत अच्छी भी नहीं थी. एक्टिंग को मैं हल्के में लेती थी.

वामिका ने कहा कि 2019 के बाद उन्हें पता चला कि एक्टिंग क्या होती है. उन्होंने कहा, कितना बड़ा समंदर है ये. इसमें तो सीखने को भी बहुत कुछ है. हर किरदार एक नया शख्स है, जिसे आपको समझना होता है. हमें अपने पार्टनर-दोस्तों को समझने में उम्र लग जाती हैं और आपको कुछ वक्त मिलता है किरदार को समझने में. तब मुझे ये बहुत मजेदार लगने लगा, जब मुझे इस क्राफ्ट की गहराई का पता लगा.

जब एक्टिंग छोड़ने वाली थीं वामिका

वामिका ने कहा कि 2019 में मैं ये सब छोड़ना चाहती थी और कुछ और करना चाहती थी. क्योंकि मुझे महसूस हो रहा था कि मैं ये सब करके खुश नही हूं. उन्होंने कहा, मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि वही काम करना जिसमें खुशी मिले. अगर नहीं मिल रहा तो मत करना. उस वक्त मैं खुश नहीं थी, मुझे लगा कि बस. उस वक्त कपिल देव की फिल्म 83 ऑफर हुई मुझे. तो वो मैंने हां कर दी, उससे पहले मैंने कुछ भी, छोटे पार्ट्स के लिए हां नहीं कर रही थी.

लंदन ट्रिप का लालच

वामिका ने कहा कि मुझे लगा कि ठीक है. लंदन के तीन-चार ट्रिप हैं. मैं कभी लंदन गई नहीं हूं, मजा आ जाएगा. और वहां जाकर क्या पता मुझे कुछ ऐसा पता चल जाए कि हां मुझे जिंदगी में ये करना है. इसलिए मैंने उस फिल्म के लिए हां कर दी. उन्होंने कहा, उसी दौरान जब मैंने सोचा कि करना नहीं है. तो अलग अलग चीजें होनी शुरू हो गई. क्योंकि मैं बहत रिलैक्स हो गई थी. मुझे समझ आया कि लाइफ में मकसद होना जरूरी है, लेकिन आपकी लाइफ में इस वक्त जो है उसके साथ जुड़े रहकर, और कबूल कर के जीना उससे भी ज्यादा जरूरी है. इसी तरह आप सही फैसले ले सकते हैं. अगर स्ट्रेस में होंगे तो सही फैसले नहीं लेंगे.

सुहाना रो रही है, आर्यन डरा हुआ हैज्जब आग-बबूला हुए शाहरुख खान, बोले- किसी को बख्शूंगा नहीं

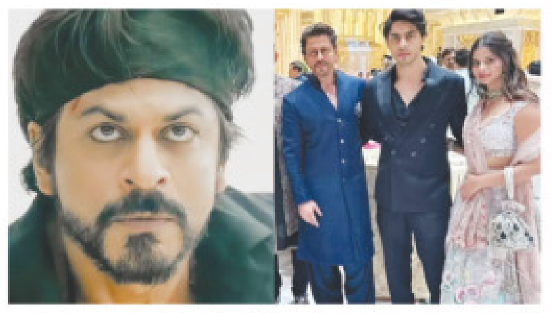

शाहरुख खान की गिनती बॉलीवुड के सबसे कामयाब एक्टर्स में से एक के अलावा एक अच्छे पिता के रूप में भी होती है. शाहरुख और गौरी खान ने अपने तीनों ही बच्चों को अच्छी परवरिश दी है और तीनों ही बच्चों के साथ अभिनेता का बेहद मजबूत बॉन्ड है. जब ड्रग्स केस में आर्यन खान का नाम आया था तब शाहरुख उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे. वहीं सालों पहले एक IPL मैच में जब उनकी बेटी सुहाना के साथ दुर्व्यवहार किया गया था तब भी शाहरुख ने बेटी के लिए लड़ाई कर ली थी. वहीं 2007 में जब शाहरुख के एक बयान के बाद उनके घर पर पत्थर फेंके गए, उनके घर के बाहर हंगामा किया गया था और उनके बच्चे रोने लगे थे तब शाहरुख ने कहा था कि मैं होता तो किसी को छोड़ता नहीं.

साल 2007 में शाहरुख खान और सैफ अली खान ने आइफा अवॉर्ड्स की होस्टिंग की थी. तब शाहरुख ने वर्तमान सपा के दिग्गज और दिवंगत नेता अमर सिंह पर विवादित टिप्पणी की थी. शाहरुख ने कहा था कि उनकी आंखों में दरिंदगी नजर आती है. शाहरुख को ये बयान महंगा पड़ गया था. भारी संख्या में अमर सिंह के समर्थक शाहरुख के घर के बाहर प्रदर्शन करने चले गए थे.

'सुहाना रो रही है, आर्यन डरा हुआ है'

प्रदर्शनकारियों ने अभिनेता के घर पर पत्थर भी फेंके थे और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की थी. तब शाहरुख और गौरी दोनों ही घर पर नहीं थे. जबकि सुहाना घर में रो रही थीं. वहीं आर्यन खान डरे हुए थे. शाहरुख को तब किसी ने कॉल करके जानकारी दी. शाहरुख किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे. वो तुरंत शूटिंग छोड़कर अपने घर पहुंचे. हालांकि तब तक अमर सिंह के समर्थकों पर पुलिस कंट्रोल पा चुकी थी.

शाहरुख ने कहा था- किसी को बख्शूंगा नहीं

इस घटना के बाद शाहरुख खान ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं शूट में बिजी था और उसे कैंसिल करके घर लौटना पड़ा. आर्यन डर में था और सुहाना रो रही थी. लोग मेरे घर के बाहर चिल्ला रहे थे, हंगामा कर रहे थे. मैं अपनी फैमिली को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं. अगर मैं पुलिस के आने से पहले आ जाता तो उन लगों को बख्शा नहीं होता.

सलमान खान के 5 चेले, बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री के बाद भी 3 का करियर ले रहा आखिरी सांसें

सलमान खान बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार माने जाते हैं. जो भी लोग फिल्मों में काम कर रहे हैं, उनका सपना होता है कि एक न एक बार छोटे से रोल में ही सलमान के साथ काम करने का मौका जरूर मिले. जहां एक तरफ कई लोग उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी कलाकार है, जो सलमान के न सिर्फ करीब हैं बल्कि कुछ को सलमान ने ही लॉन्च किया है.आज हम आपको 5 ऐसे एक्टर्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके लिए अगर हम कहें कि सलमान और उन एक्टर्स के बीच गुरु-चेले का रिश्ता है, तो ऐसा कहना गलत नहीं होगा. 5 में से 3 एक्टर्स ऐसे भी हैं, धमाकेदार एंट्री के बाद भी जिनकी नैया डूबती नजर आ रही है.

वरुण धवन

शुरुआत करते हैं वरुण धवन से, जिनके साथ सलमान की काफी अच्छी बॉन्डिंग है. साल 2017 में जब वरुण ने सलमान की फिल्म 'जुड़वा' के सीक्वल में काम किया, तो सलमान ने उस फिल्म में कैमियो किया था. पिछले साल वरुण की 'बेबी जॉन' के नाम से एक फिल्म आई थी. सलमान ने उस फिल्म में भी कैमियो किया था. खास बात ये थी कि उसके लिए भाईजान ने फीस भी नहीं ली थी.

आयुष शर्मा

दूसरा नाम सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा का भी है. आयुष ने सलमान की छोटी बहन अर्पिता से साल 2014 में शादी की थी. आयुष को भी सलमान ने ही फिल्म 'लवयात्री' से लॉन्च किया था. सलनान की फिल्म से डेब्यू करने के बाद भी उनका करियर कुछ खास नहीं चल पाया और वो अब तक खुद को इंडस्ट्री में स्थापित नहीं कर पाए हैं.

जहीर इकबाल

इस लिस्ट में एक नाम जहीर इकबाल भी है, जो सलमान के दोस्त इकबाल रतनसी के बेटे हैं. बचपन से ही जहीर सलमान के क्लोज रहे हैं. उन्हें भी सलमान ने ही लॉन्च किया था. उन्होंने साल 2019 में 'नोटबुक' के नाम से बॉलीवुड में एंट्री की थी, जिसे सलमान ने प्रोड्यूस किया था. आयुष की तरह सलमान का करियर भी आखिरी सांसें ले रहा है.

सूरज पंचोली

लिस्ट में एक नाम सलमान के दोस्त और एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली का है. सूरज हाल ही में 'केसरी वीर' नाम की एक फिल्म लेकर आए हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है और फ्लॉप की ओर बढ़ रही है. सूरज की डेब्यू फिल्म 'हीरो' को भी सलमान ने ही प्रोड्यूस किया था.